हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 2010

खण्ड 1, अंक 6

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 12 मार्च, 2010

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6) 1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(6) 32
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं	(6) 37
श्री ओम प्रकाश चौटाला, एम०एल०ए० के विरुद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना	(6) 38
वाक-आऊट	(6) 39
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(6) 39

श्री ओमप्रकाश चौटाला, एम०एल०ए० के विरुद्ध विशेषाधिकार विषय पर चर्चा (6) 42

वाक-आऊट (6) 42

श्री ओमप्रकाश चौटाला, एम०एल०ए० के विरुद्ध विशेषाधिकार विषय पर चर्चा (पुनरारम्भ) (6) 43

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (6) 43

वाक-आऊट (6) 63

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (6) 63

बैठक का समय बढ़ाना (6) 84

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (6) 84

बैठक का समय बढ़ाना (6) 91

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (6) 91

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 12 मार्च, 2010

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now questions hour.

Construction of Barrage

***171. Shri Subhash Choudhary :** Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Barrage on Yamuna Bridge in Rahimpur in Palwal Constituency; if so, the time by which the said Barrage is likely to be constructed ?

Finance Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : No Sir.

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के के रहीमपुर गांव में जो यमुना पुल पर बांध है उस पर यह शब्द लिखा था कि यहां बैराज बनाएंगे लेकिन वह बाद में काट दिया। क्या सरकार की उस पर बैराज बनाने की कोई योजना है, यदि है तो कब तक बनेगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने इसका 'न' में जवाब दिया है।

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस बैराज बनने के कब तक आसार हैं ? यह बात जानने के पीछे एक कारण यह भी है कि यहां पर वाटर लेवल नीचे चला गया है। वहां एक या दो ट्यूबवैल हैं। उनसे मेरे हल्के के बहुत से गांव जैसे रहीमपुर, सुल्तापुर और बढ़ौली इत्यादि जुड़े हुए हैं। यदि वहां बैराज न बनाया गया तो उनके बंद होने की स्थिति आ जाएगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि यह एक इंटर स्टेट इशू है। इसके बनाने में इंटर स्टेट इशू इन्वौल्व हो जाते हैं। इसके लिए यू.पी.गवर्नमैंट से कंकरैंस लेनी जरूरी होती है। हरियाणा सरकार ने सी.डब्ल्यू.सी. को 1997 में पलवल के पास तंतरी गांव के लिए 207.54 करोड़ रुपये की लागत से एक स्कीम बनाकर भेजी थी ताकि मेवात कैनाल वहां से ऑफटेक कर सके । यह एस्टिमेट हमने सी.डब्ल्यू.सी.को जून,1997 में भेज दिया था और इस स्कीम की टोटल कॉस्ट 207.54 करोड़ रुपये थी। इसमें इसकी लाइनिंग का काम भी होना था । इसको हमने वहां से गुड़गांव कैनाल के साथ कनैक्ट करना था लेकिन यह केस सी.डब्ल्यू.सी. ने अप्रूव नहीं किया। उसका कारण यह भी था कि उसमें यू.पी.सरकार की कंकरैंस जरूरी थी इसके अलावा हमें 75 परसैंट डिपैंडेबिलिटी चाहिए, यह उसकी रिक्वायरमैंट थी। इस बारे में 1994 में जो एम.ओ.यू. हुआ

था उसके अकॉर्डिंगली वाटर के अलोकेशन का इशू रिजौल्व नहीं हो पाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को और सदन को यह बताना चाहूंगा कि जब तक यमुना नदी पर ऊपर की ओर डैम नहीं बनेंगे, तब तक यह दिक्कत रहेगी । इन सब बातों की वजह से यह मामला खटाई में पड़ गया था । माननीय सदस्य की मांग बिल्कुल वाजिब है क्योंकि वहां क्वालिटी ऑफ वाटर बहुत ही घटिया किस्म का है। 30 बी.ओ.डी. पानी जो ओखला, दिल्ली से आता है उसकी क्वालिटी भी खराब है। हम 3 बी.ओ.डी. पानी दिल्ली को देते हैं। हमने सैंट्रल पौल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से यह मैटर टेकअप किया था और कहा था कि पानी की क्वालिटी बहुत खराब है और पानी भी कम आ रहा है। आज के दिन यमुना के अंदर 2216 क्यूसिक पानी है और उसमें से भी हमें दिल्ली को भी कैटर करना पड़ता है । माननीय सदस्य की मांग बिल्कुल वाजिब है और हम इस केस के बारे में दोबारा से प्रपोजल बनाकर भेजेंगे। इसके अलावा हमने 46 करोड़ रुपये की लागत की एक नई स्कीम तंतरी गांव के लिए 200 क्यूसिक की कैनाल बनाने की प्रोपोजल यू.पी. गवर्नमैंट को भेजी है ताकि उसको हम गुड़गांव कैनाल से जोड़ दें। यह केस जनवरी, 2009 में बनाकर भेजा है लेकिन यू.पी.गवर्नमैंट इस मामले में भी मान नहीं रही है। इसका इलाज करने के लिए हमने मेवात कैनाल बनाने के लिए प्रोपोज की है जो लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी जोकि जवाहरलाल नेहरू कैनाल है वहां से निकलकर जो मेवात और पलवल का हिस्सा है उसमें यह कैनाल 88 किलोमीटर तक जायेगी। उसका प्रोपोजल हमने बनाया है ताकि अच्छा पानी मिले । अगर जे.एल.एन. कैनाल से पानी आयेगा तो मेवात के एरिया में जो दिक्कत आ रही है तो वह दूर हो जायेगी। मेवात का जो इनके हिस्से का पानी है वह हम हथनी कुण्ड बैराज से लाने की कोशिश करेंगे क्योंकि ओखला से जो पानी आता है उसकी क्वालिटी भी खराब है। इस बारे में एक प्रोपोजल सैन्ट्रल वाटर कमीशन को भेज दी है और हमारी सरकार ने इस स्कीम को मन्जूरी दे दी है। जहां तक बैराज बनाने की बात है, इस मामले में हम दोबारा से प्रोपोजल भेजेंगे। केवल इस बैराज की ही नहीं बल्कि करनाल और पानीपत के पास भी बैराज बनाने की हमारी योजना है। एक पलवल और फरीदाबाद के बीच में भी बैराज बनना चाहिए लेकिन क्योंकि इसमें इन्टर-स्टेट इश्यू इन्वोल्वड है इसलिए जब तक सी.डब्ल्यू.सी. इसकी मन्जूरी नहीं देगा तब तक यह कार्य नहीं हो सकता है।

श्री सुभाष चौधरी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि मंत्री जी बिल्कुल ठीक कह रहे हैं लेकिन सवाल यह है कि वहां 12 ट्यूबवैल्ज लगने हैं और दो ट्यूबवैल्ज मेवात में जो भारत सरकार ने रैनीवैल योजना बनाई है, वहां लगने हैं लेकिन यह स्कीम कामयाब नहीं होगी क्योंकि जो पाईप हैं उनको लोग उखाड़कर फैंक देंगे क्योंकि पलवल से हसनपुर और बल्लबगढ़ तक जो 50-60 गांव हैं वहां तक मार करेंगे। वहां पर एक ट्यूबवैल चल रहा है कभी-कभी दो ट्यूबवैल्ज चल जाते हैं। वहां पर वाटर लैवल 50-60 फीट नीचे चला गया है और हैंड पम्प के स्थान पर इन पांच गाँव के लोगों को सब-मर्शिबल लगाने पड़ रहे हैं । यह स्कीम पलवल तक मार करेगी । इसलिए मेरी आपसे यह प्रार्थना है कि चाहे यू.पी. सरकार से और चाहे भारत सरकार से जहां से भी सिंचाई मंत्री जी चाहें बात करके इसको जल्दी से जल्दी लागू करवायें ।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की बात से पूर्ण रूप से सहमत हूं लेकिन इसमें इन्टर-स्टेट इश्यू इन्वोल्व है। यू.पी. के अन्दर एक गोकुल गाँव है वहां एक बैराज बना रखा है। अब अपस्ट्रीम पर जो एरियाज हैं वहां अगर बैराज बन जाता है तो उस बात के लिए यू.पी. की सरकार को ऑब्जैक्शन है। इन्टर स्टेट इश्यू में जितने स्टेट हैं जिनका इसमें हिस्सा बनता है वे इसमें

इन्वोल्व हैं उसमें उन सब की कान्फ्रैंस लेनी जरूरी है और जब तक यू.पी. सरकार इसकी कान्फ्रैंस नहीं देगी तब तक यह कार्य नहीं हो पायेगा । अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस को अश्योर करता हूं कि हम दोबारा से प्रोपोजल बनाकर यही नहीं करनाल और पानीपत के बीच में भी बैराज बनाने के लिए और बीबीपुर लेक को भी विकसित करने की हम बात सोच रहे हैं यह जरूरी है और वाटर बोर्ड की रिक्वायरमैंट है । यह केस हम दोबारा से टेक-अप करेंगे । वहां पर एक बैराज बनाने के लिए अपनी तरफ से दोबारा प्रोपोजल बनाकर कोशिश करेंगे कि इस केस को दोबारा से टेक-अप करें ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, जैसा कि मंत्री जी ने माना कि वहां पर बैराज बनाने की जरूरत है। इन्होंने यह भी कहा कि इन्टर-स्टेट मामला है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मंत्री जी आपने इस मामले को कहां तक टाई-अप किया है और क्या दूसरे प्रदेश की सरकार से इसको टाई-अप किया ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय सदस्य को अभी बताया था कि हमने एक नई स्कीम के तहत पलवल एरिया से वाटर लिफ्ट करके तांतरी गांव में पम्प लगाकर 200 क्यूसिक की कैनाल बनाने की योजना बनाई थी जिसको हम चाहते हैं कि इसको हसनपुर डिस्ट्रीब्यूट्री से कनैक्ट करें जो पलवल एरिया में आगरा कैनाल के पास ऑफ टेक करती है। यह 46 करोड़ की स्कीम है, परन्तु यू.पी. सरकार इस स्कीम की कान्फ्रैंस नहीं दे रही है । जहां तक बैराज की बात है उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पिछले दिनों हमारी सभी इरीगेशन मिनिस्टर्ज की एक मीटिंग हुई थी । उस मीटिंग में वहां पर मैंने यह मामला उठाया था कि यह पलवल और फरीदाबाद के बीच में बैराज बनना चाहिए । उस समय उन्होंने यह कहा था कि पहले आप इस बारे में प्रोपोजल बनाकर भेजिए। मैंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दे रखे हैं कि इस बारे में योजना बनायें । यह बात वाजिब है और इस मामले को हम भारत सरकार और यू.पी. सरकार के साथ टेक-अप करेंगे । इस बारे में इरीगेशन मिनिस्टर्ज की कान्फ्रैंस में मैंने अपने यूनियन वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर श्री पवन कुमार बंसल जी के सामने भी यह मामला उठाया था ।

श्री जगदीश नय्यर : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में होडल रजबाहा, हसनपुर रजबाहा और उजीणा ये तीन रजबाहे हैं । लगभग तीन साल हो गये इन रजबाहों में पानी नहीं आता । दूसरा इस बांध के बारे में भी मैं चर्चा करना चाहूंगा क्योंकि इस बांध से संबंधित मेरा सारा एरिया पड़ता है । इस बांध के बनने से वहां पर वाटर लैवल इतना नीचा हो जायेगा कि किसान की सारी फसल बर्बाद हो जायेगी । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि वह एरिया जो बर्बाद हो जायेगा उसको आबाद करने के लिए आपने क्या स्कीम बनाई है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि उन्होंने दो सीन प्रश्न पूछे हैं लेकिन इनका यह सवाल इस प्रश्न से कनैक्टिड नहीं है। ये मुझे परफैक्ट प्रश्न दें तभी मैं ठीक उत्तर दे सकूंगा क्योंकि इस समय मुझे मालूम नहीं है कि स्थिति क्या है। अध्यक्ष महोदय, आज अवेलेबिलिटी आफ वाटर कम है। यमुना में आज भी पानी कम है इसलिए माननीय साथी इस बारे में अलग से अपना प्रश्न दे दें मैं इस बारे में जवाब दे दूंगा।

Repair of Raods

*172. **Shri Ganga Ram :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether it is a fact that the roads constructed by the Market Committee in Pataudi Constituency has never been repaired; if so, the time by which these roads are likely to be repaied ?

कृषि मन्त्री (सरदार परमवीर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी,

इन सड़कों की मरम्मत हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल की नीति अनुसार की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, सड़कों की रिपेयर पॉलिसी के तहत की गई है। माननीय साथी के यहां 12 सड़कों की रिपेयर हुई है, वहां 28 सड़कें मार्किटिंग बोर्ड ने बनाई हुई है। हमारी जो पॉलिसी है उसमें स्पैशल प्रायोरिटी पर 12 सड़कें रिपेयर हुई हैं और 3 सड़कों की रिपेयर के लिए एस्टीमेट्स का प्रोसैस चल रहा है। वह भी 7th प्रायोरिटी में है। उसमें ये हो जायेंगी।

श्री गंगाराम : अध्यक्ष महोदय, ये सड़कें नीति के अनुसार कब तक रिपेयर हो जाएंगी ?

सरदार परमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि 7th प्रायोरिटी पर जो सड़कें प्रोग्रैस में हैं वे सारी सड़कें हम 31 अक्टूबर तक रिपेयर करवा देंगे।।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहती हूं कि प्रायोरिटी का क्या क्राइटेरिया है ?

सरदार परमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि 1995 में यह पॉलिसी बनी थी। क्राइटेरिया यह है कि डेट आफ ओरिजनल कंस्ट्रक्शन से 31-3-98 तक बनी हुई सड़कों को फर्स्ट प्रायोरिटी पर लिया गया। 1-4-98 से 31-3-99 तक बनी हुई सड़कों को सैकेंड प्रायोरिटी पर लिया गया। 1-4-99 से 31-3-2000 तक बनी हुई सड़कों को थर्ड एण्ड फोर्थ प्रायोरिटी पर लिया गया। 1-4-2000 से 31-3-2001 तक बनी हुई सड़कों को फिफ्थ प्रायोरिटी पर लिया गया। 1-4-2001 से 31-3-2002 तक बनी हुई सड़कों को सिक्सथ प्रायोरिटी पर लिया गया। 7th प्रायोरिटी पर जो सड़कें इन प्रोग्रैस हैं वे 1-4-2002 से 31-3-2003 तक बनी हुई सड़कें हैं।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या किरण चौधरी जी ने नीति के बारे में पूछा है लेकिन मंत्री जी नीति बताने की बजाय प्रायोरिटी की बात कर रहे हैं। आज हरियाणा प्रदेश की मार्किटिंग बोर्ड की सड़कों की हालत यह है कि उन पर चलना मुश्किल हो गया है। मंत्री जी कृपया बताएंगे कि पूरे प्रदेश की सड़कों को कब तक रिपेयर करवाएंगें और ये प्रायोरिटी की बजाय नीति के बारे में बताएं ?

सरदार परमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, प्रायोरिटी जो है वह नीति के अनुसार ही है उसी का पार्ट है। फिर भी मैं इनको नीति के बारे में बता देता हूं Special repair will be done wherever required and will be executed on the basis of estimates which will be framed as per the

actual requirements. These repairs shall include heavy patch work, strengthening with varying coat if required along with pre mix carpet. स्पैशल रिपेयर में हम रफली 10 लाख रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से सड़कों पर खर्च करते हैं।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मंडी बोर्ड की सड़कों की रिपेयर करने का शिड्यूल क्या है ? सड़कें बनने के कितने वर्षों बाद उनकी रिपेयर करते हैं ? इस प्रायोरिटी के मुताबिक 8 वर्ष पहले जो सड़कें बनी थीं वे आई हैं यानि अभी वर्ष 2002 तक की बनी हुई सड़कें आई हैं । वर्ष 2002 तक की सड़कों को बने हुए 8 वर्ष हो गये और शिड्यूल 5 वर्ष का है ।

Mr. Speaker: Please listen. I will not allow you if you will discuss the entire State. This is not the way.

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जिस सवाल पर चर्चा चल रही है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि यह सही है कि मार्केटिंग बोर्ड की सड़कों को रिपेयर की ज्यादा जरूरत पड़ती है । इसी वास्ते सरकार ने फैसला किया है कि मार्केटिंग बोर्ड की जो सड़कें 6 कर्म या उससे ज्यादा कर्म की हैं उनकी मेनटीनैंस और रिपेयर पी.डब्ल्यू.डी.(बी.एंड आर.) को हैंड ओवर कर दी जायेगी ।

Death occurred in Accidents

***142. Shri Bharat Bhushan Batra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of accident cases registered U/S 304-A IPC in Haryana togetherewith the number of deaths that occurred during last two years i.e. from 1-1-2008 to 31-12-2009;

(b) the number of accidents in which more than one fatality occurred out of the above said cases; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to amend Punjab Police Rules, 1934 to exempt the required of post-mortem in the cases of death that occurred in road accidents ?

गृह राज्य मन्त्री (श्री गोपाल काण्डा) :

(क) राज्य में 1-1-2008 से 31-12-2009 के दौरान जो धारा 304ए भा०द०स० के तहत कुल 6806 केस दर्ज किये गये, जिनमें मृत्यु की संख्या 7627 है।

(ख) उपरोक्त वर्णित समय के दौरान राज्य में 499 केस जो धारा 304ए, भा०द०स० दर्ज हुए जिनमें एक से अधिक मौतें हुई है।

(ग) नहीं, श्री मान जी।

इसके साथ-साथ मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कई कारगर कदम उठाये हैं । हरियाणा राज्य में राष्ट्रीय राज्य मार्गों पर 22 पुलिस थानों की स्थापना की गई है तथा मोनेटरिंग के लिए एस०पी० और ए०एस०पी० लेवल के अधिकारियों को लगाया गया है जिनका मुख्यालय करनाल में है । तमाम हाईवेज पर एक राज्य स्तरीय योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय और राज्य मार्गों पर यातायात नियमों को आधुनिक तकनीक की सहायता से लागू कराना, दुर्घटना वाले स्थानों की पहचान करना व दुर्घटना रोकने के लिए उपाय करना, जहां पर सड़कों की मुरम्मत और चौड़ा करने का कार्य प्रगति पर हो व अनाधिकृत कब्जे हों वहां पर यातायात को सुचारू रूप से चलाना, सड़कों में रोड़-इंजीनियरिंग की कमियों को दूर कराना, व्यवसायिक वाहनों द्वारा क्षमता से ज्यादा माल या यात्रियों को ले जाने पर रोक लगाना और जो शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं उनकी एल्को सैंसर से पहचान करके उनके खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करना है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर हमारे डी०जी०पी० साहब चैनल के माध्यम से और एडवर्टाईजमैंट के माध्यम से पूरे प्रदेश को हिदायतें देते हैं। सड़क जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, सभी राज मार्गों पर 33 एम्बूलैंस लगाई गयी हैं ताकि दुर्घटना के वक्त तुरंत एम्बूलैंस उपलब्ध कराई जा सके और इसके लिए 50 ठेकेदार नियुक्त किए गए हैं । इसके अतिरिक्त अगला प्रश्न माननीय साथी ने यह पूछा है कि क्या सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के मामलों में पोस्ट-मार्टम की आवश्यकता में छूट देने के लिए पंजाब पुलिस नियमावली, 1934 को संशोधन करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है । इस बारे में मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह मैटर सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Shri Bharat Bhushan Batra : Speaker Sir, I want to know from the hon'ble Minister that why there can not be provision for amendment in the Punjab Police Rule, 1934 ? What is the hindrance in it ?

श्री गोपाल काण्डा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि सड़क दुर्घटना में किसी की मृत्यु हो जाने पर अनुसंधान के दौरान मृत्यु के कारणों का पता लगाना होता है ताकि किसी को किसी प्रकार की शंका न रहे इसलिए पोस्ट मार्टम कराना जरूरी है । कई बार क्या होता है कि मृत्यु के दो-तीन दिन बाद मृतक के रिश्तेदार शिकायत करते हैं कि मृत्यु किस कारण से हुई है, इसलिए पोस्ट मार्टम करना जरूरी होता है। अध्यक्ष महोदय, बीमा कम्पनी से मुआवजा प्राप्त करने के लिए भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट एक अतिआवश्यक दस्तावेज़ है जिसकी ज़रूरत उस समय महसूस होती है, इसीलिए ये रूल्ज़ लागू किए गए हैं ।

Shri Bharat Bhushan Batra: Sir, this is a matter regarding the concern of the public at large. अध्यक्ष महोदय, जब कोई एक्सीडैंट होता है तो उसमें एक ही परिवार के एक से ज्यादा व्यक्तियों की मौतें हो जाती हैं। गांव या शहर का कोई भी आदमी जिसके परिवार में अचानक मौतें हो जाती हैं तो उसको बहुत भाग-दौड़ करनी पड़ती है । वहां पर पुलिस भी बहुत मशक्कत करने के बाद आती है । We cannot imagine that agony because 24 से 36 घंटों के बाद लाश मिलती है और फिर उन्हें अपना ट्रांसपोर्ट करके उस लाश को अपने गांव या शहर में लेकर जाना पड़ता है । मंत्री महोदय ने जो बात कही है ऐसी कोई लीगल हिंडरैंस नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारी एडज्वाइनिंग स्टेट राजस्थान के अंदर राजस्थान पुलिस रूल्ज़, 1965 के अंदर अमेण्डमैंट हुई है और अब उसमें यह

प्रावधान किया गया है कि--

"Provided that in case of road and rail accidents, if the Investigating Officer has no doubt about the cause of death, it shall not be necessary for him to send the dead body for postmortem."

इसलिए अगर किसी को शंका हो तो यह पोस्टमॉर्टम के लिए जा सकता है लेकिन जहां पर 10-10 मौतें एक साथ हो जाती हैं वहां बहुत दिक्कत आती है। जैसा अभी पिछले दिनों कुरुक्षेत्र के पास एक हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मृत्यु हो गई। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि इस प्रकार की परिस्थितियों में ऐसी कंडीशन नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब इंवैस्टीगेटिंग ऑफिसर और एस०एच०ओ० को पता है कि एक्सीडैंट के वे सर्टीफिकेट न तो इंश्यारैंस, न ही एल०आई०सी० क्लेम और न ही मोटर व्हीकल क्लेम में कोई हिंडरैंस नहीं करते इसलिए मैं चाहूंगा कि जो पॉलिसी हमारी एडज्वाईनिंग स्टेट इतने सालों से फोलो कर रही है then what is hindrance to follow in our State. So, I would request the Hon'ble Minister through the Hon'ble Speaker that they should form a Committee under the Chairmanship of DGP and Home Secretary and they should conduct a survey in the neighbouring State like Rajasthan to see how they are following this rule in Rajasthan.

Mr. Speaker : Please don't deliver a speech. Please ask specific supplementary.

Shri Bharat Bhushan Batra : Sir, I am not making a speech. Implementation can be there and it will be beneficial for the State.

चौधरी आफताब अहमद : स्पीकर सर, जैसा कि अभी मंत्री जी ने पोस्टमॉर्टम में छूट देने की बात कही है, इस बारे में मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जहां पर एक्सीडैंट शाम को सनसैट के बाद होता है और सनसैट के बाद पोस्टमॉर्टम का प्रॉविज़न नहीं है । After sun set there is no provision to get the postmortem of the body. स्पीकर सर, जब दुर्घटना में किसी परिवार के सदस्य की मौत हो जाती है तो पूरा परिवार पीडित हो जाता है और पूरे परिवार को एक पीड़ा सहनी पड़ती है । क्या मंत्री जी यह बतायेंगे कि सरकार के पास कोई ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन है जिसके तहत इस सनसैट के बाद पोस्टमॉर्टम की कंडीशन को हटा लिया जाये? Speaker Sir, that condition should be removed.

श्री गोपाल कांडा : स्पीकर सर, माननीय सदस्य जिस कानून को हटाने की बात कर रहे हैं उस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि सिर्फ हरियाणा में ही नहीं अपितु पूरे हिन्दुस्तान में यही प्रावधान है कि सनसैट के बाद पोस्टमॉर्टम नहीं होता। इसलिए इनके सुझाव पर अमल किया जाना पॉसीबल नहीं है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि, जैसा कि उन्होंने अपने रिप्लाई में भी यह कहा है कि एक्सीडैंट्स रोकने के लिए जो अभियान चलाये जाते हैं उनमें से एनक्रॉचमैंट भी एक अभियान है । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि अब तक जो इस प्रकार के अभियान चलाये गये हैं उनमें से कितने अभियानों में वे कामयाब हुए हैं ?

श्री गोपाल कांडा : स्पीकर सर, जो माननीय सदस्या ने पूछा है कि ऐसे कितने अभियान कामयाब हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं उन्हें यह कहना चाहूंगा कि वे इस बारे में अपना सवाल मुझे लिखित रूप में अलग से दे दें तो मैं उनके सवाल का जवाब डिटेल में भेज दूंगा कि कहां-कहां सरकार ने एनक्रॉचमैंट हटाये हैं और कहां-कहां अभी हटाये जा रहे हैं।

Bus Service

***178. Shri Phool Singh Kheri :** Will the Transport Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to ply the Haryana Roadways Bus from Cheeka to Harnouli via Bhadupur, Kasoli, Madna and Gagarpur in Guhla Constituency; if so, the time by which the said bus service is likely to be started ?

परिवहन मन्त्री (श्री ओम प्रकाश जैन) : नहीं, श्री मान् जी,

बहरहाल हरियाणा परिवहन नीति 2010 में सामाहित सामेकित बस सेवा योजना में चीका से हरनौली वाया बाऊपुर, कसौली, मढ्ढा और गगड़पुर तक बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

श्री फूल सिंह खेड़ी : अध्यक्ष महोदय, गुहला निर्वाचन क्षेत्र में चीका से हरनौली रोड़ पर 10 गांव पड़ते हैं। इन 10 गांवों की यह समस्या है कि वहां पर हरियाणा रोडवेज़ की कोई भी बस नहीं चलती। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इन 10 गांवों की समस्या को ध्यान में रखते हुए यहां पर हरियाणा रोडवेज़ की बस चलाने का कोई प्रावधान करेंगे और अगर हां, तो वह बस सेवा सरकार द्वारा कब तक आरम्भ की जायेगी ?

श्री ओमप्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय सदस्य को बताया है कि वर्ष 2010 में प्राईवेट बस सर्विस की पॉलिसी जल्दी लागू हो जायेगी लेकिन फिर भी हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने आदेश दिये हैं कि हरियाणा में हर गाँव में बस पहुंचनी चाहिए । इस काम के लिए सरकार ने 616 नई बसों को खरीदने का ऑर्डर दे रखा है और 720 बसों को खरीदने की प्रशासनिक अनुमति मिल चुकी है । इस प्रकार से 1336 नई बसें इस साल तक आ जायेंगी तो मैं समझता हूँ कि हम हर गाँव मे बस पहुंचा देंगे । जब तक ये नई बसें नहीं आती हैं तब तक माननीय सदस्य के इलाके के लिए हम दो बसों का प्रावधान कर देंगे ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूँगी कि जिन रूट्स पर हरियाणा रोडवेज की बसें नहीं चल रही हैं और सरकार ने प्राईवेट बसों को परमिट दे रखे हैं और वे यदि वहाँ पर अपनी बसिज नहीं चलाते हैं तो क्या सरकार उनके ऊपर कोई कार्रवाई करती है ? क्या उनके लाईसैंस रद्द किये जाते हैं, क्या उनकी बसिज को इम्पाउंड किया जाता है या और कोई कार्रवाई उनके खिलाफ की जाती है ?

श्री ओमप्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, इस बात के लिए बाकायदा हमारा महकमा सतर्क है कि जो प्राईवेट बसिज हैं वे अपने निर्धारित रूट पर ही चलें। फिर भी यदि कोई प्राईवेट बसें जो अपने निर्धारित रूट्स पर नहीं चलती तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है । उनके चालान किये जाते हैं और उन पर भारी जुर्माना भी लगाया जाता है । अध्यक्ष महोदय, अभी वर्ष 2010 में प्राईवेट बस सर्विस के लिए हमारी नई स्कीम जल्दी ही आ जायेगी और उसके बाद इस प्रकार की कोई दिक्कत नहीं रहेगी ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि हम 1336 नई बसें हरियाणा रोडवेज के बेड़े में शामिल करने जा रहे हैं । मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री

जी से पूछना चाहता हूँ कि हरियाणा रोडवेज का टोटल बेड़ा कितना है, कितनी बसें चल रही हैं और कितनी बसें अपनी निर्धारित समय सीमा पूरी कर चुकी हैं और बदलने की कंडीशन में हैं ?

Mr. Speaker : It is neither the question nor its reply is possible.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद अपने जवाब में कहा है कि हम 1336 नई बसें हरियाणा रोड़वेज के बेड़े में शामिल करने जा रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चलो वह वॉलिंटैरिली पोर्सन ऑफ रिप्लाई दे दिया तो इसका मतलब यह नहीं है कि उन्होंने सारी किताब ही खोल ली है ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, टोटल बेड़े के बारे में तो माननीय मंत्री जी बता ही सकते हैं ।

श्री ओमप्रकाश जैन : हाँ सर, वह मैं बता देता हूँ । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि हरियाणा रोड़वेज के बेड़े में कुल 3205 बसें हैं और इस समय कोई भी बस बदलने की हालत में नहीं है । हमारी अपनी वर्कशॉप है और समय पर उनकी रिपेयर होती रहती है और 1300 जो नई बसें आयेंगी उसके बाद कोई दिक्कत नहीं रहेगी ।

श्रीमती सरोज : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में बस सर्विस न के बराबर है और जो प्राईवेट बस वाले हैं वे अपनी मनमर्जी से चलते हैं । सरकार की हिदायतों के अनुसार वे पूरे रूट्स कवर नहीं करते हैं जहाँ पर उनकी बस भर जाती है वहीं से बस को वापिस कर लेते हैं और अगले गाँव में यात्री इंतजार करते रह जाते हैं । इस कारण विद्यार्थी वर्ग को भी ज्यादा परेशानी होती है ।

Mr. Speaker : Madam Saroj, please put your question only. You can't read the speech. क्वैश्चन करो कि मेरा सवाल यह है । मैं आपको गाईड कर रहा हूँ ।

श्रीमती सरोज : सर, प्राईवेट बस सर्विस वाले अपने रूट पूरे कवर नहीं करते और जो लोग अपने हक की माँग करते हैं उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज करवा देते हैं ।

Mr. Speaker : Please take your seat. No need to reply.

श्री रामेश्वर दयाल राजोरिया : अध्यक्ष महोदय, जो रूट्स प्राईवेट बसों को दिये हुए हैं वे बन्द पड़े हैं और जो बसें चल रही हैं वे भी दूसरे रूटों पर चल रही हैं ।

Mr. Speaker : Please put the specific question otherwise I will have to say you to sit down.

श्री रामेश्वर दयाल राजोरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि क्या इसके बारे में कोई विचार करेंगे या वहाँ पर कोई रोडवेज की बस चलाने का सरकार का विचार है ?

श्री ओमप्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से कहना चाहूँगा कि वे लिखित में उनकी शिकायत करें, हम उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे ।

चौ० नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि फिरोजपुर झिरका जो मेवात का बॉर्डर से सटा हुआ एरिया है । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : No, this is not the question. Please take your seat.

श्री राम पाल माजरा : सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि ये जो वर्ष 2010 की परिवहन नीति बनाने जा रहे हैं, वह परिवहन नीति क्या है ? ये जो 1700 नए रूटस बनाएंगे . . . . .

Mr. Speaker : This is not the Question. Next question, please.

Setting up New Power House

***19. Shri Krishan Lal Panwar :** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a new Power House of 132KV at village Seenk (Panipat); if so, the time by which the said Power House is likely to be set up ?

बिजली मन्त्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह) : नहीं, श्रीमान् ।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, सींक गांव जिला पानीपत की टेल का गांव है । यहां पर बिजली की सप्लाई सफीदों, डिस्ट्रिक्ट जींद से आधे गांव में होती है और आधे गांव में मतलौडा डिस्ट्रिक्ट पानीपत से सप्लाई की जाती है लेकिन फिर भी वहां पर पूरी बिजली की सप्लाई नहीं होती है यह बहुत भारी समस्या है । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी वहां पर पूरी बिजली सप्लाई करवाएंगे ?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इन्होंने जो सवाल लिखित में पूछा है उसका जवाब "नहीं" में दिया गया है। इसमें इन्होंने बिजली घर के बारे में कहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, लेकिन माननीय सदस्य जो पूछना चाहते हैं उसके विषय में मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह सब-स्टेशन का सवाल है। सींक गांव को अहर-हैट के 30 के.वी. के उप-केन्द्र से सप्लाई की जाती है और इसमें यह प्रोब्लम है। सर, जो उप-केन्द्र ओवर लोडिड हैं उनको हम मांग के अनुसार ही अपग्रेड करते हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार की पिछली पांच साल की टर्म के दौरान इसराना में 8-9 सब-स्टेशन्ज अपग्रेड हुए हैं या नए लगे हैं। उन पर 10 करोड़ 72 लाख रूपए खर्च हुए हैं। जहां तक इनका सवाल है तो इसके लिए भी हमारी 'जापान सोसाइटी कम्पनी' के साथ अनुबन्ध की प्रक्रिया जारी है और उस अनुबन्ध के आधार पर ऋण लेकर सब-स्टेशन को लगाया जा रहा है । सर, इस 132 के०वी० के उपकेन्द्र के प्रस्ताव को स्वीकृति दी जा चुकी है। लेकिन इस 132 के.वी. के उपकेन्द्र को फीड करने की जरूरत होगी। बजेवा में 220 के०वी० उपकेन्द्र की भी स्वीकृति दी गई है और पहले वाले पर 34 करोड़ 40 लाख रूपए तथा दूसरे पर 10-12 करोड़ रूपए का खर्च आएगा । मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस बारे में टैण्डर प्रक्रिया को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। वर्ष 2011-12 तक दोनों स्टेशनों का काम पूरा हो जाएगा।

श्री कृष्ण लाल पंवार : सर, मैं आपके माध्यम से इसके लिए मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं ।

Housing Societies

*98. **Shri Krishan Pal Gurjar :** Will the Chief Minister be pleased to state the names of such Housing Societies in Haryana which have been allotted land and the construction work has not been started thereon so far ?

P.W.D. (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, 273 societies allotted Land by Haryana Urban Development Authority under its Group Housing Schemes floated from time to time have not started the construction work so far. The names of such societies are given at annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'.

TABLE SHOWING NAMES OF SOCIETIES WHO HAVE YET TO START CONSTRUCTION

URBAN ESTATE-FARIDABAD/PALWAL

SR. NO.	NAME OF SOCIETIES	PLOT NO. / SECTOR
1	THE N.I.C. EMP. CGHS LTD.	GH- 2 / 2, FBD
2	THE S.B.BIHARI JI CGHS LTD.	GH- 3 / 2, FBD
3	THE AMBIENCE COOP GHS LTD.	GH- 4/ 2, FBD
4	H.C.G.E.W. HOUSING ORGAN. LTD.	GH-5 / 2, FBD
5	THE SAMIYA COOP GHS LTD.	GH-7 / 2, FBD
6	THE REGENCY PARK CGHS LTD.	GH-9 / 2, FBD
7	THE MUSKAAN C.G.E. CGHS LTD.	GH-11 / 2, FBD
8	THE SAHYOG GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-12/ 2, FBD
9	THE KSHITIJ EWS CGHS LTD.	GH-13 / 2, FBD
10	THE MAA BHAGWATI CGHS LTD.	GH-15 / 2, FBD
11	THE EVER GREEN FRIEND CO-OP GHS LTD.	GH-16 / 2, FBD
12	AMAZING RAJVILLAS CGHS LTD.	GH-17 / 2, FBD
13	THE SAI JYOTI CGHS LTD.	GH-20/ 2, FBD
14	THE SWABHUTI KUTUMB CGHS LTD.	GH-21/ 2, FBD
15	VEDANTA COOP CGHS LTD.	GH-22/ 2, FBD
16	THE GOD GIFT GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-25/ 2, FBD
17	THE NEW PARK AVENUE CGHS LTD.	GH-26/ 2, FBD

18	THE A-KOHINOOR COOP GHS LTD.	GH-29/2, FBD
19	THE C.F. GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-32/2, FBD
20	THE MANAV APPTTS. CGHS LTD.	GH-33/2, FBD
21	THE JEEWAN SHAKTI CGHS LTD.	GH-35/2, FBD
22	THE P.D. ENCLAVE CGHS LTD.	GH-38/2, FBD
23	THE SAI CHETNA CGHS LTD.	GH-39/2, FBD
24	THE RENAISSANCE CGHS LTD	GH-40/2, FBD
25	THE BHIMESHWARI CO-OP SOCIETY MP/MLA	GH-41/2, FBD
26	THE MAYANK CGHS LTD.	GH-42/2, FBD
27	THE SIMRAN COOP GHS LTD.	GH-43/2, FBD
28	THE VARDHMAN COOP GHS LTD.	GH-44/2, FBD
29	THE SAI KIRPA DHAM CGHS LTD.	GH-45/2, FBD
30	THE MURLI DHAR COOP GHS LTD.	GH-46/2, FBD
31	THE DEW DROPS CGHS LTD	GH-47/2, FBD
32	THE NEW MLA 2005 CGHS LTD.	GH-10&18/2, FBD
33	THE VIJETA COOP GHS LTD.	GH-23&24/2, FBD
34	THE LION CGHS LTD.	GH-30&31/2, FBD
35	SPICE CLUB C.G. OFFICERS WEL.S.	GH-36&37/2, FBD
36	THE HEWO	GH-06/21-C, FBD
37	THE MALIBU TOWN CGHS LTD.	GH-I0/21-C, FBD
38	THE OM SHANTI CGHS LTD.	GH-17/21-C, FBD
39	THE POWER GRID CGHS LTD.	GH- /21-D, FBD
40	THE MY HOME APPTTS. CGHS LTD.	GH- 11/45, FBD
41	DEFENCE PERSONNEL CGHS LTD.	GH- 12/45, FBD
42	THE PARAS CGHS LTD.	GH- 13/45, FBD
43	SURAKSHA VIHAR CGHS LTD.	GH- 14/45, FBD
44	THE NEW HARE KRISHNA CGHS LTD.	GH- 15/45, FBD
45	HEWO CGHS LTD.	GH- 16/45, FBD
46	THE MASTERS COOP GHS LTD.	GH- 19/45, FBD
47	THE MOUNT VIEW CGHS LTD.	GH- 20/45, FBD

48	THE CHHATRAPATI SHIVAJI CGHS LTD.	GH- 23/45, FBD
49	THE KRISHNA KRISHNA HGE CGHS LTD.	GH- 24/45, FBD
50	THE DISHA COOP GHS LTD.	GH-2/48, FBD
51	THE Z PARK COOP GHS LTD.	GH-5/48, FBD
52	THE EVERWELL CGHS LTD.	GH-7/48, FBD
53	THE SUCH SAI RAM EWS CGHS LTD.	GH-1/62, FBD
54	THE T.B.J.K. CHETNA SAMOOH	GH- 2/62, FBD
55	SHRI SHRIRAM WEL. HOUSING SOC.	GH-3/62, FBD
56	THE KARTIKAY CGHS LTD.	GH-4/62, FBD
57	THE S.M.SADAN CGHS LTD.	GH-5/62, FBD
58	THE DIVYAM E.W.S.GHS LTD.	GH-8/62, FBD
59	THE OM JI COOP GHS LTD.	GH-9/62, FBD
60	THE GANESH COOP GHS LTD.	GH-10/62, FBD
61	THE BALAJI KUNJ NIWAS CGHS LTD	GH-11/62, FBD
62	THE SAWAN COOP. GHS. LTD.	GH-12/62, FBD
63	THE PARTIKSHA COOP. GHS. LTD.	GH-6&7/62, FBD
64	THE N.D.GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-L/64, FBD
65	THE PIONEER COOP GHS LTD.	GH-3/64, FBD
66	THE HIMALYA ENCLAVE CGHS LTD.	GH-S/64, FBD
67	THE S.A. HR. GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-6/64, FBD
68	YOUNGS COOP GHS LTD.	GH-7/64, FBD
69	THE KANAK COOP GHS LTD.	GH-8/64, FBD
70	THE NSG VIHAR CGHS LTD.	GH-1/65, FBD
71	DR.SATYA PAUL CGHS LTD.	GH-2/65, FBD
72	THE SHREE NARAYAN CGHS LTD.	GH-4/65, FBD
73	THE A.S & H.W. ORGANISATION	GH- 8/65, FBD
74	THE NEW AGE EXECUTIVES CGHS LTD.	GH-9/65, FBD
75	THE SIGMA COOP GS LTD.	GH-10/65, FBD
76	THE NEEL VARAN CGHS LTD.	GH-1/65, FBD
77	THE AVTAR COOP GHS LTD.	GH-2/65, FBD

78	THE JAWAHAR LAL CGHS. LTD.	GH-14/ 65, FBD
79	THE LAWRENCE COOP GHS LTD.	GH-15/65, FBD
80	THE KOMAL COOP GHS LTD.	GH-17/65, FBD
81	THE BABA M DASS (EWS) CGHS LTD.	GH-18/ 65, FBD
82	THE N.I. CENTRAL GOVT EMP. CGHS LTD.	GH-21/ 65, FBD
83	THE AARYAMAN EWS COOP GHS LTD.	GH-22 / 65, FBD
84	JAI MAA COOP GHS LTD.	GH-23/ 65, FBP
85	THE GEETANJALI CGHS LTD.	GH-24 / 65, FBD
86	SAI MANGLAM CGHS LTD.	GH-25/ 65, FBD
87	THE UTSARG GOVT EMP. CGHS LTD.	GH-26/ 65, FBD
88	THE KASHINATH COOP GHS LTD.	GH-28/ 65, FBD
89	THE GORAKHNATH EWS CGHS LTD.	GH-29 / 65, FBD
90	THE HARMONY CGHS LTD.	GH-30 / 65, FBD
91	THE PANCHMAHAL COOP GHS LTD.	GH-31/ 65, FBD
92	THE NAMOSIDHI CGHS LTD.	GH-32 /65, FBD
93	HEWO CGHS LTD.	GH-33/ 65, FBD
94	THE SRI SHIV MAHIMA CGHS LTD.	GH-34/ 65, FBD
95	THE RADHEY RADHEY CGHS LTD.	GH-35 /65, FBD
96	THE NEELAMRIT CGHS LTD.	GH-36/ 65, FBD
97	THE OM SHIVAM OM EWS CGHS LTD.	GH-37 / 65, FBD
98	HEWO CGHS LTD.	GH -38/ 65, FBD
99	THE LAXMI KUNJ .CO-OP GHS.	GH -39/ 65, FBD
100	THE VIJETA SHREE CGHS LTD.	GH-40/ 65, FBD
101	THE P.D.C.G.EMP. CGHS LTD.	GH-43/ 65, FBD
102	THE RAJDEEP CGHS LTD.	GH-19&20/65, FBD
103	THE ANSHUL COOP GHS LTD.	GH- 1/2, PALWAL
104	THE SWARAN JAYANTI COOP GHS LTD.	GH-2/ 2, PALWAL
105	THE VIDYA VIHAR COOP GHS LTD.	GH-3 / 2, PALWAL

106	THE BAJRANG CGHS LTD.	GH-4/2, PALWAL
107	THE NAND GRAM COOP GHS LTD.	GH-6/2, PALWAL
108	THE JAN KALYAN EWS COOP GHS LTD.	GH-7/2, PALWAL
109	THE SHREE BHU ALL WOMEN	GH-8/2, PALWAL
110	THE ASHIANA CGHS LTD.	GH-9/2, PALWAL
111	THE AAKAR COOP GHS LTD.	GH-L0/2, PALWAL
112	THE SHRI SHIV KIRPA, GHS LTD.	GH-11/2, PALWAL
113	THE SAI DHAM COOP GHS LTD.	GH-12/2, PALWAL
114	THE RAJAT COOP GHS LTD.	GH-14/2, PALWAL
115	THE MAHRISHI DAYANAND SARASWATI COOP GHS LTD.	GH-15/2, PALWAL
116	THE SARDAR PATEL COOP GHS LTD.	GH-16/2, PALWAL
117	THE DREAM LAND CGHS LTD.	GH-17/2, PALWAL
118	THE GURU RAM DEV COOP GHS LTD.	GH-18/2, PALWAL
119	THE KHUKHRAN COOP GHS LTD.	GH-19/2, PALWAL
120	THE PAWANPUTRA CGHS LTD.	GH-20/2, PALWAL
121	THE ELITE GOVT. OFFICERS WEL. ORGAN.	GH-21/2, PALWAL
122	THE BEETA COOP GHS LTD.	GH-22/2, PALWAL
123	THE SHIVAM COOP GHS LTD.	GH-23/2, PALWAL
124	THE OM COOP GHS LTD.	GH-24/2, PALWAL
125	THE BEVERLY PARK COOP GHS	GH-25/2, PALWAL
126	THE RANBIR COOP GHS LTD.	GH-26/2, PALWAL
127	THE KHATU SHYAM JI CGHS LTD.	GH-27/2, PALWAL
128	THE SACHIN COOP GHS LTD	GH-28/2, PALWAL
129	THE SAINIK COOP GHS LTD.	GH-30/2, PALWAL
130	THE SHRI GANESH EMP. CGHS LTD.	GH-31/2, PALWAL
131	THE SWASTIK BANK EMP. COOP. GHS.	GH-33/2, PALWAL
132	THE JAI MOHAN COOP GHS LTD.	GH-34/2, PALWAL
133	THE SURYA COOP GHS LTD.	GH-35/2, PALWAL

URBAN ESTATE -GURGAON-I

SR. NO.	NAME OF SOCIETIES	PLOT NO. / SECTOR
1	THE EPFO CGHS LTD.	GH-5 / 9-A, GGN
2	THE KINGDOM VILLA CGHS LTD.	GH- 6-B/ 9-A, GGN
3	THE BOFIO CGHS LTD.	GH-7/ 9-A, GGN
URBAN ESTATE -GURGAON-II		
1	THE SHRI GANESH EWS CGHS LTD.	GH-1 / 31, GGN
2	THE CENTRAL GOVT. EMP. CGHS LTD.	GH-2/ 31, GGN
3	THE NARKANDA CGHS LTD.	GH-4 / 31, GGN
4	THE BIMLA CGHS LTD.	GH-5 / 39, GGN
5	THE NEW PARADISE CGHS LTD.	GH-6A / 39, GGN
6	THE KEDAR CGHS LTD.	GH-7 / 39, GGN
7	THE BHAWANA CGHS LTD.	GH-17/ 43, GGN
8	THE NEW ERA CHS LTD.	GH-2L / 43, GGN
9	THE LORD KRISHNA CGHS LTD.	GH-22 / 43, GGN
10	THE BAJRANG CGHS LTD.	GH-24/ 43, GGN
11	THE SHIKHAR CGHS LTD.	GH-26/43,GGN
12	THE DRONACHARYA CGHS LTD.	GH-10 / 45, GGN
13	THE HEWO	GH-19/ 47, GGN
14	THE OM CGHS LTD.	GH-2 / 51, GGN
15	THE MANMEET CGHS LTD.	GP-3/ 51, GGN
16	THE SKYLARK CGHS LTD.	GH-14/ 52, GGN
17	THE CHALET-24 CGHS LTD.	GH-18/ 52, GGN
18	THE RAM SHANTI CGHS LTD.	GH-19/ 52, GGN
19	THE PEE OLD STUDENT WEL. ORG. CGHS LTD.	GH-20/ 52, GGN
20	THE SATGURU CGHS LTD.	GH-22/ 52, GGN
21	THE PRASHANT CGHS LTD.	GH-26/ 52, GGN
22	THE JAWAHAR CGHS LTD.	GH-27 / 52, GGN

URBAN ESTATE - REWARI

SR. NO.	NAME OF THE SOCIETY	PLOT NO / SECTOR
1	THE SHIVA GOVT., CGHS, LTD.	GH-6/ 3 (II), REWARI
2	THE LORD SHIVA CGHS, LTD.	GH-7/ 3 (II), REWARI
3	KANAHJI CGHS, LTD.	GH-8/ 3 (II), REWARI
4	SAKSHI CGHS, LTD, (SAKSHI CGHS, LTD)	GH-9/3 (II), REWARI
5	SAMJBAI NATH, EWS, CGHS, LTD.	GH-1/10, REWARI
6	HEM PUSHAP EMP WELFARE, GHS, LTD.	GH-2/10 , REWARI
7	THE JAI GURUDEV GOVT. EMP.	GH-3/10, REWARI
8	THE EKTA CGHS, LTD.	GH-4/ 10 , REWARI
9	SHREE NEEL KANTH MAHADEV	GH-5/10 , REWARI
10	SHREE NEEL KAMAL CGHS, LTD	GH-7 /10 , REWARI
11	THE NEW FRIENDS CGHS, LTD	GH-8/ 10 , REWARI
12	THE HARYANA T & T EMPLOYEES CGHS, LTD.	GH-9/10 , REWARI
13	THE VISUNDERA ENCLAVE CGHS, LTD.	GH-10/10 , REWARI
14	THE ABSOLUTE CGHS, LTD.	GH-10/10 , REWARI
15	THE SUB CITY CGHS, LTD.	GH-10/ 10 , REWARI
16	THE SUBHAM (EWS), CGHS, LTD.	GH-10/10 , REWARI
17	THE GREEN LAND CGHS, LTD.	GH-10/10, REWARI
18	SHRI GANPATI CGHS, LTD.	GH-10/10 , REWARI

URBAN ESTATE - PANCHKULA

SR. NO	NAME OF SOCIETIES	PLOT NO./ SECTOR
1	THE HARYANA OFFICERS CGHS LTD.	GH-I /6-MDC, PKL
2	THE V.R.S. CGHS LTD.	GH-3 / 6-MDC, PKL
3.	THE MANAV HUT CGHS LTD.	GH-4 / 6-MDC, PKL
4.	THE ALPHA APARTMENT CGHS LTD	GH-3/ 17, PKL
5.	THE S.S. CGHS LTD .	GH-29/ 20, PKL.

6.	THE DAFFODILLS CGHS LTD.	GH-50 / 20, PKL
7.	THE WHITE FIELD CGHS LTD.	GH-53 / 20, PKL
8.	THE NEW LOOK CGHS LTD.	GH-83-B / 20, PKL
9.	THE NEW AGGARWAL CGHS LTD.	GH-104-F/ 20, PKL
10.	THE QUEEN LAND CGHS LTD.	GH-2/ 23, PKL
11.	THE LOTPOT CGHS LTD.	GH-3-A / 23, PKL
12.	THE WEST WOOD CGHS LTD.	GH-3-B / 23, PKL
13.	THE GOLDEN PALM CGHS LTD.	GH-3-C / 23, PKL
14.	THE BANKE BIHARI CGHS LTD.	GH-4 / 23, PKL
15.	THE LITTLE HOME EMP. CGHS LTD.	GH-4/ 24, PKL
16.	THE B.E. OFFICERS CGHS LTD.	GH-5 / 24, PKL
17.	THE KHUSHIAN CGHS LTD.	GH-7-A / 24, PKL
18.	THE NAV PRERNA VIHAR CGHS LTD.	GH-11 / 24, PKL
19.	THE ALPS CGHS LTD.	GH-15/ 24, PKL
20.	THE MORNING STAR CGHS LTD.	GH-6/ 25, PKL
21.	THE HEWO	GH-6 -A / 25, PKL
22.	THE ADHI CGHS LTD.	GH-7/ 25, PKL
23.	THE JAHANVI CGHS LTD.	GH-1 / 27, PKL
24.	THE LORD VISHNU HARGOVIND CGHS LTD.	GH-2 / 27, PKL
25.	THE BLOSSOMS CGHS LTD.	GH-3 / 27, PKL
26.	THE MYSTIC APARTMENT CGHS LTD.	GH-4/ 27, PKL
27.	THE NEW SAHDEV CGHS LTD.	GH-5 /27, PKL
28.	THE NEW JAWANI NIWAS CGHS LTD.	GH-6/27, PKL
29.	THE SPITI CGHS LTD.	GH-7/ 27, PKL
30.	THE HOUSE LAY APPT. CGHS LTD.	GH-8/27, PKL
31.	THE NADHA SAHIB EWS CGHS LTD.	GH-9/27, PKL
32.	THE UNIQUE CGHS, LTD.	GH-10/27, PKL
33.	THE HEWO	GH-13/ 27, PKL
34.	THE AZAD EWS CGHS LTD.	GH-14 /27, PKL

35.	THE SALASAR CGHS LTD.	GH-17/27, PKL
36.	THE SHRI HARI PARTAP CGHS LTD.	GH-18/27, PKL
37.	THE LAMBA APPT. CGHS LTD.	GH-19/27, PKL
38.	THE SHREE JEE CGHS LTD.	GH-20/27, PKL
39.	THE DIVYA APPT. CGHS LTD.	GH-21/27, PKL
40.	THE FEB SQUARE CGHS LTD.	GH-11& 12/27, PKL
4L.	THE SUBHASINI CGHS LTD.	GH-15/27, PKL
42.	THE NEW KRISHNA, CGHS LTD.	GH-16/27, PKL
43.	THE VISHAL BHAWAN CGHS LTD.	GH-23/27, PKL
44.	THE SAVVY CGHS LTD.	GH-24/27, PKL

URBAN ESTATE-PANIPAT

SR. NO.	NAME OF SOCIETIES	PLOT NO. /SECTOR
1	THE UNIQUE DEFENCE GROUP CGHS LTD.	GH-1/13-17, PPT
2	THE ENGLEBER CGHS LTD.	GH-3/13-17, PPT
3	THE SKY VIEW CGHS LTD.	GH-4/13-17, PPT
4	THE NEW SATYAM CGHS LTD.	GH-5/13-17, PPT
5	THE NEW SHRI SURYA CGHS LTD.	GH-6/13-17, PPT
6	THE SATKARTAR CGHS LTD.	GH-7/13-17, PPT
7	THE S.L.D.C EMPLOYEES CGHS LTD.	GH-8/13-17, PPT
8	THE HEWO.	GH-9/13-17, PPT
9	THE LEGEND CGHS LTD.	GH-10/13-17, PPT
10	THE BARSANA DHAM CGHS LTD.	GH-11/13-17, PPT
11	THE SAVITRI CGHS LTD.	GH-12 & 13/13-17, PPT
12	THE BHUMIKA CGHS LTD.	GH-14/13-17, PPT
13	THE SHRI ASHIRWAD CGHS LTD.	GH-1/18, PPT
14	THE YOUNG FRIENDS CGHS LTD.	GH-4/18, PPT
15	THE MAHARISHI DAYANAND CGHS LTD.	GH-5/18, PPT

16	THE SUKRITI CGHS LTD.	GH - 6/18, PPT
17	THE BHAWYA CGHS LTD.	GH -7 / 18, PPT
18	THE REAL CGHS LTD.	GH - 8/18, PPT
19	THE KARAN EMPLOYEE CGHS LTD.	GH - 9 /18, PPT

URBAN ESTATE - SONIPAT

SR. NO.	NAME OF SOCIETIES	PLOT NO./SECTOR
1	THE MORNI HOUSING WELFARE GROUP HOUSING SOCIETY.	GH-1/ 12, SONIPAT
2	THE HEWO	GH-2 / 12, SONIPAT
3	THE SAMIKSHA CGHS LTD.	GH-3/ 12, SONIPAT
4	THE AGROHA DHAM CGHS LTD.	GH-4 / 12, SONIPAT
5	THE JAI SADH CGHS LTD.	GH-5 / 12, SONIPAT
6	THE ISHAN CGHS LTD.	GH-6 / 12, SONIPAT
7	THE GOLDEN HEIGHT CGHS LTD.	GH-7 / 12, SONIPAT
8	THE SARASWATI VALI CGHS LTD.	GH-8 / 12, SONIPAT
9	THE HEWO	GH-9 / 12, SONIPAT
10	THE PRAGATI CGHS LTD.	GH-I0 / 7, SONIPAT
11	THE NEW CLIMAX CGHS LTD.	GH-11 / 7, SONIPAT
12	THE RAGHAV CGHS LTD.	GH-12/ 7, SONIPAT
13	THE DARSHANJI CGHS LTD.	GH-13/ 7, SONIPAT
14	SHREE ISKON CGHS LTD.	GH-14/ 7, SONIPAT
15	THE SHIVAM CGHS LTD	GH-17 & 18 / 7, SONIPAT
16	THE KITTY CGHS LTD.	GH-5 / 7, SONIPAT
17	THE NEW VRINDHAVAN CGHS LTD.	GH-6 / 7, SONIPAT
18	THE NEW SARASWATI CGHS LTD.	GH-7/ 7, SONIPAT
19	THE ALAKH GOVT. EMPLOYEES GROUP HOUSING SOCIETY	GH-8 / 7, SONIPAT

20	THE ABHINAV EMPLOYEE CGHS LTD.	GH-9/7, SONIPAT
21	THE LAXMI (EWS) CGHS LTD.	GH-10/23, SONIPAT
22	THE AJAY (EWS) CGHS LTD.	GH-11/23, SONIPAT
23	THE GOLD CGHS LTD.	GH-12/23, SONIPAT
24	THE HARYANA KRISHAN CGHS LTD.	GH-01/23, SONIPAT
25	THE GOURIKA COOP. GROUP HOUSING WELFARE ORG.	GH-13/23, SONIPAT
26	THE SHREE GURU JI CGHS LTD.	GH-14/23, SONIPAT
27	THE POLICE OFFICERS MULTI STATE CGHS LTD.	GH-15, 16 & 17/23, SONIPAT
28	THE VEER RAKSHAK MILITARY AND PARA MILITARY OFFICERS CGHS LTD.	GH-02/23, SONIPAT
29	THE MAHARAJA SURAJ MAL CGHS LTD.	GH-03/23, SONIPAT
30	THE KRISHI NIKETAN CGHS LTD.	GH-04/23, SONIPAT
31	THE TULSI CGHS LTD.	GH-05/23, SONIPAT
32	THE PUSHPANJALI GOVT. EMPLOYEES CGHS LTD.	GH-07/23, SONIPAT
33	THE NATIONAL EX-SERVICE MAN WELFARE CGHS LTD.	GH-08/23, SONIPAT
34	THE LAXMI (EWS) CGHS LTD.	GH-09/23, SONIPAT

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि ये जो सोसाईटीज़ के नम्बर बताये गये हैं उनको परमिशन किन-किन शर्तों पर दी गई थीं और क्या उन शर्तों के अनुसार उनको कम्पलीट करने के लिए कोई समय सीमा तय की गई थी । अगर की गई थी तो वह समय सीमा क्या थी और वहां पर काम अभी तक शुरू क्यों नहीं हुआ, उसका क्या कारण है, मंत्री जी बताएं ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, हरियाणा में एडवरटाइजमैंट्स के द्वारा हुडा ने कुल 755 रजिस्टर्ड कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज या वैलफेयर हाउसिंग आर्गेनाइजेशन को यह स्कीम प्लोट करने के लिए समय-समय पर मंजूरी दी है। इनमें से 359 सोसायटीज ऐसी हैं जिन्होंने आकुपेशन सर्टिफिकेट ले लिया और कंस्ट्रक्शन करके वह सम्पूर्ण हो गयी । इसके अलावा 123

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

सोसायटीज ऐसी हैं। जो वैरीयस स्टेजिज ऑफ कंस्ट्रक्शन पर हैं और 273 सोसायटीज ऐसी हैं जिनका अभी तक समय पूरा नहीं हुआ था जिन्होंने अभी तक कंस्ट्रक्शन कम्पलीट नहीं की है। इनमें से तीन सोसायटीज का फर्दर डिविजन है। इन 273 सोसायटीज में से 219 सोसायटीज ऐसी हैं जिनको पुजैशन ऑफर हो गया लेकिन कंस्ट्रक्शन पूरा होना अभी बाकी है। 5 सोसायटीज ऐसी हैं जिनको पांच साल पुजैशन लिए हुए हो गए लेकिन उनका अभी तक कंस्ट्रक्शन का काम पूरा करना बाकी है। 49 सोसायटीज ऐसी हैं जिनको लिटीगेशन की वजह से पुजैशन नहीं दे पाए। सर, इनके काम पूरा करने का समय पांच साल का होता है और पांच साल की फर्दर इनको एक्सटैंशन भी दी जा सकती है। सर, केवल पांच सोसायटीज ऐसी हैं जो पांच साल के बिऑड एक्सटैंशन पर हैं। सर, जैसे मैंने पहले बताया कि 273 सोसायटीज में 219 सोसायटीज ऐसी हैं जो अभी पहले पांच साल के कंस्ट्रक्शन ओरिजनल अलोटमैंट पीरियड के अंदर हैं ।

Consolidation of Land Holdings

*69. **Col. Raghbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to start consolidation of land holdings in the areas where such work was not under-taken; and

(b) if so, the details thereof specifically mentioning the areas where such work is proposed to be under-taken during the years 2009-2010, 2010-2011?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री शिव चरण लाल शर्मा) :

(क) जी हां।

(ख) वर्ष 2009-2010 में गांव बराही, जिला झज्जर, खोल फतेहगढ़, जिला यमुनानगर, जूई खुर्द तथा मण्डौली कलां, जिला भिवानी में चकबन्दी कार्य शुरू किया गया। यह कार्य वर्ष 2010-2011 में सम्पन्न होने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त गांव निदाना, जिला रोहतक, महुदीनपुर, जिला करनाल, गांव चन्दोली तथा गांव निजामपुर जिला पानीपत, गांव कमोदा, जिला कुरुक्षेत्र, गांव मोहम्बदपुर जिला हिसार तथा गांव जगरामवास, जिला भिवानी में वर्ष 2010-2011 में चकबन्दी कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

कर्नल रघबीर सिंह : स्पीकर सर, मेरा जो सवाल था उसका पूरा विवरण इस प्रश्न में नहीं आया है क्योंकि मैंने अपने क्षेत्र के कुछ गांवों के नाम उसमें मेंशन किए थे और पूछा था कि वहां पर आज तक चकबंदी नहीं हुई है जिसकी वजह से वहां पर लोगों को रिहायशी प्लाटस काटने के लिए, मकान बनाने के लिए और खेतों में आने जाने के रास्ते छोड़ने के लिए भी तंगी हो रही है। सर, अपने सवाल में मैंने माई कलां, माई खुर्द, चन्देनी, खोरड़ा, बेरला और गोपालधास गांवों का नाम मेंशन किया था कि क्या इन गांवों में चकबंदी करवायी जाएगी और यदि करवायी जाएगी तो कब तक करवा दी जाएगी ? मंत्री जी का यह जो जबाव है उसमें केवल बाढ़डा विधान सभा क्षेत्र के एक गांव का ही जिक्र किया गया है ।

श्री अध्यक्ष : आपके क्वैश्चन में इन गांवों का नाम नहीं लिखा हुआ है ।

कर्नल रघबीर सिंह : सर, मैंने जो अपना क्वैश्चन दिया था उसमें इन गांवों के नाम लिखकर दिए थे । यदि आपकी तरफ से उसमें नाम मेंशन नहीं हुए हों तो मैं नहीं कह सकता । हो सकता है कि ये बाद में अमैंड कर दिए गए हों। मैं जानना चाहता था कि जिन गांवों का नाम मैंने लिया है उन गांवों के अंदर चकबंदी करवायी जाएगी या नहीं और अगर करवायी जाएगी तो कब तक करवायी जाएगी ?

श्री शिव चरण लाल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 7081 गांव हैं जिनका क्षेत्रफल 1 करोड़ 8 लाख 19 हजार 185 एकड़ है । इसमें से 1 लाख 21 हजार 328 एकड़ भूमि के 109 गांव चकबंदी के अयोग्य हैं और 1 करोड़ 3 लाख 41208 के करीब क्षेत्रफल के 6781 गावों में चकबंदी का कार्य यानी चकबन्दी का 98 परसैंट कार्य पूरा हो चुका है। शेष 191 गावों में जिनका क्षेत्रफल 3 लाख 56 हजार 849 एकड़ है उनमें से 63 गांव जिनका क्षेत्रफल 1 लाख 58 हजार 203 एकड़ है, में विभिन्न चरणों में चकबंदी का कार्य चल रहा है। 128 गांवों में चकबन्दी का कार्य शुरू किया जाना है।

श्री अध्यक्ष : शर्मा साहब, इन्होंने यह बात कही है कि उनके क्षेत्र के कुछ गावों में चकबंदी का कार्य कब शुरू होगा । जबकि आप यह कह रहे हैं कि सबमें यह कार्य शुरू करने जा रहे हैं । आप बैठिए।

कर्नल रघबीर सिंह : स्पीकर साहब, बाढड़ा क्षेत्र के जिन गांवों का मैंने पहले जिक्र किया था क्या उनमें चकबंदी का कार्य शुरू किया जाएगा और यदि किया जाएगा तो कब तक यह कार्य हो जाएगा ?

श्री शिव चरण लाल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि कुछ जगहों पर चकबंदी का काम चालू है और कुछ में सर्वे चल रहा है और वर्ष 2011 में काम पूरा हो जाएगा। माननीय सदस्य के हल्के के 25 गांव इसमें आ रहे हैं और एक चकबंदी करने में दो या अढ़ाई साल लग जाते हैं। (विघ्न)

चौ० परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसमें चकबंदी करने के लिए जींद जिले का नाम नहीं है। जींद जिले के काफी ऐसे गांव हैं जिनमें आज तक प्राथमिक रूप से भी चकबंदी का कार्य नहीं किया गया है । विशेष तौर से मेरे हल्के में एक माली गांव है उसमें चकबंदी न होने के कारण बहुत सारे मुकदमे चले हुए हैं क्या माली गांव में भी चकबंदी करना प्रस्तावित है, यह जानना चाहूंगा ?

श्री अध्यक्ष : हर गांव में कंसौलिडेशन होनी है, कहीं काम शुरू हुआ हुआ है जब वहां काम खत्म होगा तो फिर अगली जगह पर शुरू होगा । कंसौलिडेशन सारी स्टेट में होनी है। This is a basic principle.

Col. Raghbir Singh : Speaker Sir, I would like to ask from the Hon'ble Minister that the staff is available in my area for the last couple of years but they are not doing their job. I would like to know from the Hon'ble Minister whether they would instruct the staff to do their job. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : कर्नल साहब, मैंने अपने ऑफिस से आपका ओरीजनल सवाल जो आपने लिखकर दिया था वह मंगवा लिया है इसमें कहीं गांव के नाम नहीं लिखे हुए हैं, आप कहते हैं कि मैंने गांव के नाम दिये हैं मुझे लगता है कि वह नाम आपने सपने में लिये होंगे यहां पर ओरीजनल सवाल में आपने गांवों के नाम नहीं लिखे।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करूंगी कि वे राज्य में सभी जगह चकबंदी करवा रहे हैं साथ ही यह भी जानना चाहती हूं कि इसमें मेरे भिवानी डिस्ट्रिक्ट को भी मेंशन किया गया है उसमें मेरे हल्के के 9 गांवों में भी किलाबंदी होनी है ये गांव हैं मिरान, थिलौर, संडवा, दरियापुर, पटौदी, सरल, जुई खुर्द, असलवास बरेठा, लेघा मनान इन गांवों में किलाबंदी के लिए हमने लिखकर भी भेजा हुआ है, क्या वर्ष 2010-11 में मेरे हल्के के इन गांवों में चकबंदी करवाएंगे या नहीं ?

श्री शिव चरण लाल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि इन गांवों का भी नंबर आ रहा है। वर्ष 2011 में सभी जगह पर चकबन्दी करने का नंबर आ जाएगा।

Construction of Bye-Pass and Under-Pass

*77. **Shri Ashok Kumar Arora :** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bye-Pass for Thanesar City (Kurukshetra); if so, the time by which such Bye-Pass is likely to be constructed; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct under-passes at the two railway crossings on the Kurukshetra-Narwana railway line passing through the Thanesar City; if so, the time by which these under-passes are likely to be constructed?

PWD (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :

(a), (b) No, Sir.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को पता नहीं कुरुक्षेत्र से क्या नाराजगी है मेरे मित्र ने बजट में भी कुरुक्षेत्र का जिक्र नहीं किया और आज मैंने पूछा है कि क्या कुरुक्षेत्र में बाई-पास बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है तो भी 'ना' में जवाब दिया है। अध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र में रोजाना हजारों लोग बाहर से आते हैं क्योंकि वह पवित्र स्थान है ।(विघ्न)

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I would request the Hon'ble Member that he may ask specific question.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं सवाल पर ही आ रहा हूं । कुरुक्षेत्र के अंदर इतनी भारी तादाद में बाहर से लोग आते हैं कोई साइंस पैनोरमा देखने, कोई कल्पना चावला तारामंडल देखने, कोई सरोवर में स्नान करने और कोई गुरुद्वारों में मत्था टेकने आते हैं इसलिए वहां रश बहुत ज्यादा है । मेरे सवाल का पार्ट 'ए' जो हैं उसमें मैं जानना चाहूंगा कि क्या बाई-पास बनाने के बारे में मंत्री जी पुनर्विचार करेंगे और दूसरा जो रेलवे लाईन कुरुक्षेत्र से नरवाना इसमें रैगुलर गाड़ियों के 8 टाइम हैं और मालगाड़ियां भी लगातार चलती रहती हैं जिसकी वजह से भी कुरुक्षेत्र शहर में ट्रैफिक की व्यवस्था बहुत खराब हो गई है । एक-एक घंटे तक जाम लगा रहता है । मेरा मंत्री जी से सवाल है कि क्या इस समस्या को देखते हुए आप इस लाइन पर अण्डरपास बनाने के लिए भी पुनर्विचार करेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे काबिल दोस्त ने दो प्रश्न यहां उठाये, पहला यह था कि सरकार कुरुक्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर नहीं है विशेष तौर पर सड़कों के मामले में उन्होंने बात उठाई। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए आपकी अनुमति लेकर बताना चाहूंगा कि सर, 5 मार्च, 2005 से अब तक थानेसर विधान सभा क्षेत्र में सड़कों की थाईडनिंग का काम, स्ट्रैन्थनिंग का काम और सीमेंट कंक्रीट से सड़कें बनाने का काम किया गया है ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैंने बाई-पास के बारे में प्रश्न पूछा है आपने कहा था कि स्पेस्फिक सवाल पूछिये । इसलिए मैंने जो सवाल पूछा है मंत्री जी उसी का जवाब दें ।

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, he raised two questions. One he said that his constituency is neglected by the Congress Government. आप रिकार्ड निकलवाकर देख लीजिए। And second again he has raised the question of bye-pass. I will answer both. कांग्रेस की मौजूदा सरकार ने पिछले पांच वर्षों में थानेसर विधान सभा क्षेत्र में सड़कों पर 4744 लाख 78 हजार रुपये खर्च किये हैं जबकि माननीय सदस्य पिछली सरकार के समय मंत्री थे उस समय इन्होंने केवल 1184 लाख रुपये खर्च किए गये थे । इसी प्रकार से थानेसर विधान सभा क्षेत्र में बिल्डिंग बनाने पर वर्तमान सरकार ने 3794 लाख 99 हजार रुपये खर्च किए हैं जबकि माननीय सदस्य जब पिछली सरकार में मंत्री थे तब इन्होंने मात्र 1866 लाख रुपये खर्च किए थे । थानेसर विधान सभा क्षेत्र में मार्च, 2005 के बाद 16 मेजर रोड वर्क्स पूरी की जिनकी लागत 3966 लाख रुपये है । 6 मेजर रोड वर्क्स जिनकी लागत 1610 लाख रुपये है थानेसर विधान सभा क्षेत्र में इस समय चालू हैं। माननीय सदस्य ने बाई-पास बनाने की चर्चा की उसका जवाब मैं पहले ही दे चुका हूं कि इस बारे में कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है । तीसरा इन्होंने कुरुक्षेत्र और नरवाना लाइन पर आर.ओ०बी० बनाने की बात की है । अध्यक्ष महोदय, आप भी उस शहर के निवासी हैं । जो जगह माननीय सदस्य बता रहे हैं वह जगह विश्वकर्मा चौक से केवल मात्र तीस मीटर दूर है और इतने छोटे डिस्टैंस के अन्दर it is just not possible to make a R.O.B. that is why the answer is 'No'.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैंने दो जगहों का नाम दिया है एक अम्बेडकर चौक और दूसरा विश्वकर्मा चौक, इन दोनों जगहों में से एक पर तो यह आर०ओ०बी० बना दिया जाए ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, जो अम्बेडकर चौक है वहां पर म्यूनिसिपल काउंसिल की रोड है इसलिए वहां के लिए म्यूनिसिपल काउंसिल से प्रोपोजल आना है that is still awaited अभी तक म्यूनिसिपल काउंसिल, कुरुक्षेत्र से कोई प्रोपोजल सरकार के पास नहीं आया है।

श्री जगदीश नय्यर : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी अण्डर पास बनाने के लिए एक क्वैश्चन दिया हुआ था।

श्री अध्यक्ष : नहीं जगदीश जी, आप बैठ जाईये, आपका कोई स्पेस्फिक क्वेश्चन नहीं है । अगर आप ऐसे ही बोलते रहेंगे तो मैं आगे से आपको बोलने की परमिशन नहीं दूंगा।

श्रीमती किरण चौधरी : माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूं कि जब वे तोशाम में आये थे तो उन्होंने तोशाम-भिवानी-हिसार बाई-पास बनाने के बारे में घोषणा की थी। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या मुख्यमंत्री जी की घोषणा को प्रीयोरिटी बेसिज पर लिया जायेगा या नहीं ?

श्री अध्यक्ष : बीबी जी, यह प्रश्न तो थानेसर से संबंधित है, it is not relevant. फिर भी अगर मंत्री जी को जबानी कुछ याद होगा तो वे जरूर बता देंगे। (विघ्न) नहीं बीबी जी it is not relevant.

Smt. Kiran Chaudhery : Speaker Sir, I just want to know from the Hon'ble member that सी०एम० साहब ने जो घोषणा की थी क्या उसको प्रीयोरिटी बेसिज पर लेंगे या नहीं । (विघ्न) अच्छा आप तोशाम की बात छोड़िए, जो सी०एम० साहब ने एनाउंसमैंट्स की हैं उनको प्रीयोरिटी बेसिज पर लेंगे या नहीं ।

श्री अध्यक्ष : वह तो हमेशा प्रीयोरिटी देते ही हैं ।

तारांकित प्रश्न संख्या 87

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री शेरसिंह बड़शामी सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Shortage of Rooms

*127. **Smt. Sumita Singh :** Will the Education Minister be pleased to state whether it is a fact that the students are sitting on carpets on the ground due to shortage of class rooms in the Government P.G. College, Sector-14, Karnal; if so, the steps likely to be taken by the Government to provide sufficient number of rooms in the said college ?

Education Minister (Smt. Geeta Bhukkal Matanhail) : Sir, There is shortage of class rooms in P.G. Govt. College, Sector-14, Karnal. The Administrative approval of Rs. 252.11 lac has been issued for construction of a new Academic Block.

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने करनाल के कालेज के नये ब्लॉक के लिए इतना पैसा दिया है । इसके साथ ही साथ मैं माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगी कि जब तक यह नया ब्लॉक बनकर तैयार नहीं हो जाता क्योंकि उसको बनाने में तो कुछ समय लगेगा, तब तक जो कालेज के स्टुडैंट्स जमीन पर बैठकर पढ़ते हैं क्या उनके लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम किया जायेगा ? जब तक कोई दूसरा इंतजाम नहीं होता तब तक क्या उन बच्चों को चेयर और टेबल प्रोवाईड की जायेंगी ?

श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगी कि हरियाणा सरकार और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हरियाणा को एक एजूकेशन हब बनाना चाहते हैं क्वालिटी एजूकेशन देना और क्वांटिटी एजूकेशन is the priority of our Government. मुझे करनाल के सैक्टर 14 के कालेज के बारे में बताया गया है कि यह कालेज 1991 में नई बिल्डिंग में शुरू हुआ था उस समय वहां बच्चों की स्ट्रैंथ 1481 थी और अब वह संख्या बढ़कर 3438 हो गई है क्योंकि वहां पहले सफीशिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर था। Twenty four class rooms, gymnastic hall, girls common room, smart class room, EDUSET room, 15 offices for respective head of the departments are there and we have also given amount for other considerable activities. क्योंकि यह नया कालेज है इसमें Many of the new job oriented courses and post graduate classes have been started in the college in the recent past due to which the strength of the students has been increased so that the shortage of class rooms, tables and chairs has emerged. एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल यहां से हो चुकी है और अतिशीघ्र इसके एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक की कंस्ट्रक्शन शुरू हो जाएगी । माननीय सदस्या की चिंता वाजिब है इसलिए मैं उनको बताना चाहूंगी कि जब तक इस ब्लॉक की कंस्ट्रक्शन वर्ष 2010-2011 में शुरू होगी तब तक पूरा-प्रयास किया जाएगा कि बच्चे नीचे न बैठें और इसके लिए कोई न कोई व्यवस्था जरूर की जाएगी ।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि कितने एडीशनल कालेजिज़ की एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दी गई है । ऐलनाबाद में मुख्यमंत्री महोदय ने नया कालेज खोलने की अनाउंसमैंट की थी तो मंत्री महोदय कृपया बताएंगें कि यह नया कालेज कब तक खोल दिया जाएगा क्योंकि अब कोई आचार संहिता की भी प्रोब्लम नहीं है ।

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : मैं अपने काबिल दोस्त को बताना चाहूंगा कि ऐलनाबाद में हमने कालेज खोलने की जो अनाउंसमैंट की थी वह कालेज इस साल शुरू करवा देंगें ।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री महोदय का वैलकम करता हूं । मुख्यमंत्री महोदय जी को पहले ही कह देना चाहिए था कि हम यह कालेज बनाएंगें। अच्छी बात है, अच्छी बात कहने में क्या हर्ज है। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह सवाल पूछा ही नहीं । (विघ्न) मैं एक बार कह चुका हूं और बार-बार कहने की जरूरत नहीं है।

Supply of Drinking Water

***122. Shri Kali Ram Patwari :** Will the Public Health Minister be pleased to state the details of the Scheme for providing drinking water in such villages of Safidon Constituency where there is no provision of water works and also there is no supply of water in canal togetherwith the name of villages which are covered under the said scheme ?

PWD (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, a Statement is placed on the table of the House.

Statement

There are 14 villages of Saffidon Constituency where no separate water works exist, as detailed below :-

Sr. No.	Name of villages where there is no water works	Name of water works from where water is being provided	Present water status (in lpcd)	Remarks
Tubewell based schemes				
1.	Beri Khera	Budha Khera	40	Tubewell has been installed in village Beri Khera and electric connection awaited.
2.	Rampura	Paju Kalan	55	Shallow tubewell installed in village Rampura.
3.	Theh Malikpur	Malikpur	55	–
4.	Anchra Khurd	Sarfabad	55	Boosting station existing in village Anchra Khurd.
5.	Bagru Kalan	Sarfabad	55	Boosting station existing in village Bagru Kalan.
6.	Bagru Khurd	Sarfabad	55	Boosting station existing in village Bagru Khurd.
7.	Rojhla	Ratta Khera	40	Shallow tubewell exists in village Rojhla. The status of water supply in Rojhla is being upgraded from 40 to 70 lpcd against an estimate costing Rs. 25.85 lacs.
8.	Kheri Taloda	Taloda	55	To update the water supply status from 55 to 70 lpcd in village Kheri Taloda, an augmentation estimate for water supply Taloda is in progress at a cost of Rs. 18.78 lacs.
9.	Mohammad Khera	Kharak Gadian	70	–
10.	Teli Khera	Kharak Gadian	70	–

Canal based schemes

11.	Ritauli	Baniya Khera	70	--
12.	Kalawati	Butani	70	--
13.	Ram Nagar	Hatt	55	To upgrade the water supply in village Ram Nagar from 55 to 70 lpcd, an augmentation scheme for water supply Hatt is under progress at a cost of Rs. 130.58 lacs.
14.	Pillu Khera	Dharauli	55	--

In the 17 canal based schemes covering 21 villages of Saffidon Constituency, there is no shortage of canal water.

श्री कलीराम पटवारी : अध्यक्ष महोदय, मेरे सफीदों हल्के में 17 जलघर ऐसे हैं जहां नहर के सिवाय कोई पानी का साधन नहीं है । अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं कि नहर में पानी रूल्ज के अनुसार 32 दिन के बाद आता है । जब से कांग्रेस की सरकार आई है नहर में पानी 2-2 महीने के बाद भी नहीं आता । क्या मंत्री महोदय, नहर के अलावा इन जलघरों में कोई ट्यूबवैल या टैंक की क्षमता बढ़ाने के लिए कोई प्रावधान करेंगे ताकि पूरा पानी उपलब्ध करवाया जा सके।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैंने जो टेबल दिया है उसमें ट्यूबवैल बेस्ड स्कीम के बारे में बताया है, उसमें मैंने आखिर में कहा है these schemes covering 21 villages of Safidon Constituency. क्योंकि माननीय साथी ने पूछा है इसलिए मैं आपकी अनुमति से सदन को बताना चाहता हूं कि 33 के करीब ऐसे गांव हैं जिनमें 25 स्कीमों पर इस समय काम जारी है जिनमें से अधिकतर स्कीमें लगभग पूरी हो गई हैं। धाटर सप्लाई स्कीम पाजूकलां है जिसके तहत 18 लाख रुपये की लागत से पाजूकलां, खुर्द, अफताफगढ़, रामपुर में काम चल रहा है और इसका लगभग 90 परसैंट काम पूरा हो गया है। बागरूखुर्द में 9 लाख रुपये की लागत से काम जारी है और इसका लगभग 95 परसैंट काम पूरा हो गया है। बरोत में 4 लाख 70 हजार रुपये की लागत से अगुमैंटेशन का काम हो रहा है और 90 परसैंट काम पूरा हो गया है । खटला में साढ़े 9 लाख रुपये की लागत से काम चल रहा है और 95 परसैंट काम पूरा हो गया है । बेरी खेड़ा में 12 लाख 75 हजार रुपये यानि लगभग 13 लाख रुपये की लागत से काम चल रहा है और 70 परसैंट काम पूरा हो गया है। बुरेण में साढ़े 13 लाख रुपये यानि कुल 16 लाख रुपये खर्च होंगे और इसके लिए एक्स्ट्रा पैसे देने का हमने निर्णय कर लिया है, इसका 95 परसैंट काम पूरा हो गया है । छप्पड़ में 6 लाख रुपये के एस्टीमेटस मंजूर किए थे, करीब सवा 7 लाख के एस्टीमेटस होने की उम्मीद है और 90 परसैंट काम पूरा हो गया है इसके लिए एक्स्ट्रा पैसे हम दे रहे हैं । डिडवाड़ा में 9 लाख 70 हजार रुपये की लागत से एक्स्ट्रा ट्यूबवैल लगा रहे हैं और इसका 85 परसैंट काम पूरा हो गया है । हरीगढ़ में 11 लाख 20 हजार रुपये के काम अभी शुरू किए हैं। इसी तरह निमनाबाद में साढ़े 10 लाख रुपये की लागत से काम चल रहे हैं । (विघ्न)

Mr. Speaker : Please let him say. This is not the way. (Noise and Interruptions).

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, he wanted to ask me which are the new works that are going on and when will be completed. None of them are canal based. He wanted to ask me what are none canal based that you are going to do in his constituency. Speaker Sir, I have said that we will spend Rs. 841 crores for 33 villages. Speaker Sir, I am giving details. दरोली के अंदर जो कि पिल्लुखेड़ा मण्डी के साथ है तकरीबन 15 लाख रुपये की लागत से काम शुरू है और 40 प्रतिशत काम पूरा भी हो गया है । रत्ताखेड़ा और रोझला दोनों के लिए 5.50 लाख रुपये के काम चालू हैं और 40 प्रतिशत काम यहां भी पूरा हो चुका है । सिवाह में 23 लाख रुपये की लागत से काम चालू है लगभग 29 लाख रुपये का खर्चा आयेगा इसलिए यहां के लिए अतिरिक्त पैसे देंगे।

श्री कली राम पटवारी : सिवाह गांव तो मेरे हल्के में नहीं है ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह पुरानी डिलिमिटेशन लिस्ट में आता था हमारी लिस्ट में रह गया होगा । इसी तरह से डाटरथ के अंदर काम चालू है । वहां के लिए 57.52 लाख रुपये दिए हैं और टोटल 58 लाख रुपये देने पड़ेंगे । इसी तरह से हाट और राम नगर के लिए 130.58 लाख रुपये दिए हैं और 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इसी तरह से खरकगड़ियां, मोहमद खेड़ा, तेली खेड़ा, बनिया खेड़ा और रिटौली गांवों में 124.79 करोड़ रुपये की लागत से काम शुरू है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से ये 33 गांव माननीय सदस्य के हल्के के हैं जहां पर काम शुरू है। मुझे लगता है कि अब माननीय साथी की रूचि खत्म हो गई क्योंकि इतना ज्यादा पैसा इनके हल्के के लिए चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने दिया है। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ मैं एक तथ्य यह भी बताना चाहूंगा कि इन्होंने अपनी सरकार के 6 साल के कार्यकाल के दौरान इस पूरे विधान सभा क्षेत्र को 156 लाख रुपये दिया था और हमारी सरकार के समय में 308 लाख रुपये के कार्य पूरे हो गये हैं तथा 841.95 लाख रुपये के काम प्रगति में हैं।

श्री कली राम पटवारी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जैसे गांगोली, खरक गागर, हरीगढ़, मुआना, मौरखी, लुदाणा आदि गांवों में नहर बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम के अलावा ट्यूबवैल आधारित कोई स्कीम बनाई जायेगी जिससे वहां पर पीने के पानी की समस्या दूर हो सके क्योंकि ये गांव केवल नहर बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम पर आधारित हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के हल्के में कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम्ज में सैफीशियंट वाटर एवेलेबल है यदि फिर भी कोई दिक्कत है तो माननीय साथी मुझे लिखकर भिजवा देंगे तो इनकी दिक्कत दूर की जायेगी ।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि जो पानी के टैंकस आदि हैं क्या इनकी सफाई के लिए सरकार ने कोई पॉलिसी बना रखी है कि कितने दिन में इनकी सफाई कराई जायेगी ? क्योंकि हमारे करनाल शहर में बहुत से एरियाज में गंदा पानी आता है । अध्यक्ष महोदय, मैं साथ-साथ दूसरा सवाल यह पूछना चाहती हूं कि यदि सरकार ने इनकी सफाई के लिए कोई पॉलिसी बना रखी है और अधिकारी उसके मुताबिक समय पर सफाई नहीं करवाते हैं तो क्या उनके खिलाफ सरकार कोई एक्शन लेती है ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या की चिंता वाज़िब है । मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि अंडर ग्राउंड टैंकस और सरफेस वाटर टैंकस दो तरह के टैंकस होते हैं जहां पर पानी साफ होकर नीचे जमा हो जाता है। इन टैंकस को जरूरत अनुसार समय-समय पर डिविजनल आधार पर साफ किया जाता है। यदि कोई स्पेसीफिक केस माननीय सदस्यों द्वारा या दूसरे पब्लिक रिप्रजनटेटिव्ज जैसे पंचायत मैंबर, सरपंच, जिला परिषद् सदस्य, नगरपालिका सदस्य, आदि द्वारा नोटिस में लाये जाते हैं तो हम कोशिश करते हैं कि उन पर जल्दी से कार्यवाही हो । जहां तक सिस्टम में लीकेजिज का सवाल है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि यह जरूरी नहीं है कि टैंकस की सफाई न करने के कारण गंदा पानी आता हो इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि अंडर ग्राउंड पाईप्स लीक हों उसकी वजह से भी गंदा पानी आ जाता है । इस बारे में जहां-जहां से भी इस प्रकार शिकायत प्वायंट आऊट होती हैं हम तुरंत प्रभाव से पाईप्स को ठीक करवाने की कोशिश करते हैं और कई जगहों पर जो पुरानी पाईप्स होती हैं उनको भी हम बदलते हैं ताकि इस तरह की समस्या न रहे ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री जी को कुछ चिट्ठियां लिखी थी जिनके साथ कुछ फोटोज और सीडीज भी भेजी थी कि जो ओवर हैड टैंकस नये बनाये गये हैं उनमें पानी की लीकेज हो रही है मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं क्या उन टैंकस को बनाने वाली कंट्रेक्टर्ज के खिलाफ कार्यवाही करके उनको ब्लैक लिस्ट किया जायेगा तथा जो अधिकारी भी इसके लिए दोषी हैं उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जायेगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तीन दिन पहले ही मुझे माननीय सदस्या का पत्र मिला था इसके लिए हमने एक चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई है । एक हफ्ते तक उस कमेटी की रिपोर्ट आने की उम्मीद है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्या को और सदन को आश्वासन देना चाहूंगा कि उस कमेटी की रिपोर्ट आने पर रिपोर्ट के अनुसार दोषियों के खिलाफ कार्यवाही भी करेंगे और माननीय सदस्या को इस बारे में सूचित भी करेंगे ।

श्री बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि नांगल चौधरी के अंदर पीने के पानी की बहुत समस्या है । वहां पर पानी को लेकर हर रोज लोग जाम लगाते हैं । गर्मी के मौसम को देखते हुए उस एरिया के लिए मंत्री जी क्या कोई प्लान बना रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, आपका सवाल रैलेवैंट नहीं है।

श्री बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे वहां पीने के पानी की बहुत समस्या है । हम आपको वहां पर मुफ्त में जमीन दे देते हैं आप वहां रहने के लिए आ जायें तो शायद कुरुक्षेत्र की तरह नांगल चौधरी के एरिया की भी पानी की समस्या दूर हो जायेगी।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, प्लीज आप बैठें। आपका सप्लीमैंटरी रैलेवैंट नहीं है । आनरेबल मैंबर्ज अब प्रश्नकाल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Reservation of 50 seats of J.B.T.

*133. **Sh. Pardeep Chaudhary :** Will the Education Minister be pleased to state whether it is a fact that 50 seats of J.B.T. teacher in the Teacher Training Institute have been reserved for the villages of Shivalik area of Morni and Raitan, if so, whether these reserved seats have not been provided during the current year; together with the reasons thereof ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) : हां, श्रीमान जी, चालू सत्र में सीटें दी गई थी, परन्तु भरी नहीं गई।

Recruitment of Anganwari Workers

*53. **Smt. Kiran Chaudhary :** Will the Women & Child Development Minister be pleased to State —

(a) whether there is any proposal for recruitment of Anganwari Workers and for opening of such centres in the State;

(b) if so, the procedure of recruitment and eligibility of candidates togetherwith the criteria for opening of such centres; and

(c) the time by which the said proposal is likely to be implemented ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) : श्रीमान, विवरणी विधानसभा के पटल पर रखी है।

विवरणी

(क) हां श्रीमान। राज्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती करने तथा 8255 आंगनवाड़ी केन्द्रों जिनमें 260 लघु आंगनवाड़ी केन्द्र भी शामिल हैं, के खोले जाने का प्रस्ताव है।

(ख) आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती चयन कमेटी के माध्यम से विभागीय दिशानिर्देशों के अनुरूप की जाती है। 18 से 44 वर्ष आयु के उम्मीदवार इसके लिए पात्र हैं। विधवा एवं निराश्रित महिलाओं के लिए अधिकतम आयु सीमा में 50 वर्ष तक की छूट देने का प्रावधान है। शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक पास है। मेवात, मोरनी, लोहारू इत्यादि जैसे पिछड़े क्षेत्रों में जहां मैट्रिक पास उम्मीदवार उपलब्ध न हों वहां आठवीं पास उम्मीदवार भी पात्र हैं। जिस स्थान पर नियुक्ति की जानी है आवेदक वहीं की स्थाई निवासी होनी चाहिए। भारत सरकार द्वारा निर्धारित नार्मज़ के अनुसार 400 से 800 की जनसंख्या पर एक आंगनवाड़ी केन्द्र तथा 150 से 400 की जनसंख्या पर एक लघु आंगनवाड़ी केन्द्र खोला जाता है।

(ग) नये आंगनवाड़ी केन्द्रों को वर्ष 2010-2011 में खोले जाने की संभावना है।

Construction of Grain Market

*147. **Shri Charanjeet Singh Rori :** Will the Agriculture Minister be pleased to state the time by which the construction work of the New Grain Market of Kalanwali is likely to be completed togetherwith the total amount to be incurred on the said project ?

कृषि मन्त्री (सरदार परमवीर सिंह) : हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल द्वारा नई अनाज मण्डी कालांवाली का निर्माण कार्य शुरू किया गया है और योजनानुसार समस्त विकास कार्य अगस्त 2011 तक पूर्ण कर लिए जायेंगे ।

इस मण्डी के विकास हेतु 1572. 26 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है, जिसमें मण्डी की चारदीवारी के लिये 55.07 लाख रुपये की राशि भी शामिल हैं। अब तक इस कार्य पर 357 लाख रुपये खर्च किये जा चुके हैं।

Upgradation of Civil Hospital

*140. **Shri Satpal Sangwan :** Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Civil Hospital, Charkhi Dadri from 50 bedded hospital to 100 bedded hosipital ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती गीता भुक्कल मातनहेल) : हां, श्रीमान जी,

---

Sewerage System of Sonepat

*151. **Smt. Kavita Jain :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the capacity of sewerage treatment plant and to desilt the sewerage lines for improving the sewerage system in Sonipat city; and

(b) if so, the time by which the work on the above said proposal is likely to be started; and if not, the reasons thereof ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

(क) जी हां, श्रीमान् जी।

(ख) उक्त प्रस्ताव पर कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है जैसे कि 25 एम०एल०डी० क्षमता वाले मल शोधन संयंत्र के लिये भूमि अर्जित की जा रही है। मल शोधन संयंत्र के निर्माण हेतू इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भारत सरकार को यमुना एक्शन प्लान फेज-III के अन्तर्गत स्वीकृत करने हेतु भेजी जा रही है जिस पर वर्ष 2010-11 के दौरान कार्य शुरू होने की संभावना है। रूके हुए सीवर में से गाद निकालने का कार्य अगले वित्त वर्ष के दौरान किया जाएगा।

Shortage of Irrigation Water

*167. **Shri Ghanshyam Dass Garg :** Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is acute shortage of irrigation water in the Bhiwani Constituency; if so, the details of the steps taken by the Government for making proper arrangement of irrigation water ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : हां, श्रीमान जी। पानी की कमी विशेषकर भिवानी में ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में है। यद्यपि सभी क्षेत्रों में पानी की समान आपूर्ति देने के प्रयास किये जा रहे हैं और इस उद्देश्य के लिए पांच समूह बारी की प्रणाली को लागू किया हुआ है।

Construction of Bridge on Yamuna River

*160. **Shri Jagdish Nayar :** Will the PWD (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Pucka Bridge on the Yamuna River near Hasanpur Town in Hodal Constituency; if so, the time by which the said Bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं श्रीमान् जी।

To include village Bhoda Kalan in Pataudi Constituency

*173. **Ch. Ganga Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to include village Bhodakalan of Pataudi constituency in Pataudi Tehsil which is at present attached with Tehsil Farukhnagar ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : श्रीमान जी, नहीं।

Haryana Prevention of Damage to Public Property Act, 1984

*143. **Shri Bharat Bhushan Batra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases registered in Haryana for causing damage to public properties by way of defacement i.e. affixing of posters etc. under the Haryana Prevention of Damage to Public Property Act, 1984 during the last 10 years;

(b) the number of prosecution launched for causing the aforesaid offences togetherwith the number of such cases in which conviction or fine have been awarded during the aforesaid period ; and

(c) the steps being taken by the Government to prevent wall writings, damage to public properties, and affixing of posters etc. on public property i.e. Government Schools, Colleges, Hospitals, Bus Stands, Judicial Complexes and Administrative Offices of the State etc. situated within the State of Haryana ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) (i) हरियाणा सार्वजनिक सम्पति विरुपण निषेध अधिनियम-1989 के अन्तर्गत अंकित अभियोगों की संख्या

वर्ष	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	Total
अंकित अभियोग की संख्या	1	6	3	6	29	3	4	0	13	0	65

(ii) लोक संपति नुकसान निवारण अधिनियम -1984 के अन्तर्गत अंकित अभियोगों की संख्या

वर्ष	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	Total
अंकित अभियोग की संख्या	13	35	16	20	21	33	47	43	61	15	304

(ख) (i) हरियाणा सार्वजनिक सम्पति विरुपण निषेध अधिनियम-1989 के अन्तर्गत अंकित अभियोगों में से अभियोजन हेतु भेजे गये अभियोगों की संख्या

वर्ष	अभियोजन हेतु भेजे गये अभियोगों की संख्या	सजा	निर्दोष
2001	0	0	0
2002	0	0	0
2003	3	0	1
2004	2	0	0
2005	8	0	0
2006	3	0	0
2007	1	1 (जुर्माना 1,000/-)	0
2008	0	0	0
2009	9	0	0
2010	0	0	0
Total	26	1	1

उपरोक्त के अतिरिक्त लोक सम्पत्ति का विरुपण करने वाले व्यक्तियों से दण्ड के रूप में 74350/-रुपये की राशि वसूल की गई।

(ii) लोक सम्पति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के अन्तर्गत अंकित अभियोगों में से अभियोजन हेतु भेजे गये अभियोगों की संख्या

वर्ष	अभियोजन हेतु भेजे गये अभियोगों की संख्या	सजा	निर्दोष
2001	10	1	5
2002	17	4	8
2003	7	-	1
2004	10	-	-
2005	9	2	3
2006	19	1	3
2007	40	-	2
2008	27	-	-
2009	34	1	-
2010	-	-	-
Total	173	9	22

न्यायालय द्वारा लोक संपति नुकसान निवारण अधिनियम-1984 दण्ड के रूप में 78650/- रुपये की राशि वसूल की गई।

(ग) राज्य सरकार द्वारा लोक सम्पति नुकसान निवारण हेतु निम्नलिखित पग उठाए गए हैं :--

1. सर्वसाधारण को अपील के माध्यम से समय-समय पर अनुरोध किया जाता है कि वह हरियाणा सार्वजनिक सम्पति विरुपण निषेध अधिनियम, 1989 का उल्लंघन न करे।
2. समय-समय पर विशेष अभियान चला कर सार्वजनिक सम्पति के विरुपण करने वाले सामान को उपायुक्तों द्वारा हटवा दिया जाता है।
3. विज्ञापनों को प्रदर्शित करने के लिए स्थान निर्धारित किये गये है, ताकि उन स्थानों के इलावा कहीं ओर इश्तिहार ना लगाएं जाएं।
4. हरियाणा सार्वजनिक सम्पति विरुपण निषेध अधिनियम, 1989 की धारा 5 के अन्तर्गत उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को नोटिस जारी किये जाते हैं।
5. जहां लोक सम्पति को क्षति पहुंचाने की सम्भावना हो ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त की जाती है।
6. किसी संगठन द्वारा बंद या उपद्रव की घोषणा किये जाने पर सार्वजनिक सम्पति को क्षति से बचाने के लिए विशेष पुलिस बन्दोबस्त किए जाते हैं।
7. शरारती तत्वों जोकि उपद्रव और सार्वजनिक सम्पति को क्षति पहुंचाने में संलिप्त हों के विरूद्ध सार्वजनिक सम्पति क्षति निवारण अधिनियम-1984 के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाई जाती है।

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

11.00 बजे **श्री राम पाल माजरा :** स्पीकर सर, मैंने एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया हुआ था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, आपको हमारी बात सुननी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माजरा साहब एवं अशोक अरोड़ा जी, आप पहले आपस में यह फैसला कर लें कि आप में से पहले कौन बोलेगा ? (शोर एवं व्यवधान) Please speak one by one.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, मैं बैठ जाता हूं। आप श्री माजरा जी को बोलने के लिए अलाऊ कर दीजिए ।

श्री अध्यक्ष : माजरा जी, अब आप बोलिए आप क्या कहना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैंने भी एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, आपने माजरा जी को बोलने के लिए अलाऊ किया है इसलिए आप उन्हें बोलने दीजिए ।

श्री अध्यक्ष : अरोड़ा जी, पहले तो आप दोनों बोल रहे थे और जब मैंने आप दोनों में से एक को बैठने के लिए कहा तो आप दोनों ही बैठ गए । हां, माजरा जी, आप बोलिए ।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मेरे द्वारा दिया गया कालिंग अटैंशन मोशन हरियाणा प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है। स्पीकर सर, किसानों की धान की फसल के ऊपर सरकार द्वारा 50 रूपये प्रति एकड़ के बोनस का एलान किया गया था लेकिन वह बोनस आज तक भी किसानों को नहीं मिल पाया है। इस प्रकार से हरियाणा प्रदेश के किसानों का लगभग 50 करोड़ रूपये बीच में ही लटका हुआ है। सरकार कहती है कि हमने किसानों के बोनस का पैसा दे दिया है जबकि किसानों को उनका पैसा मिला नहीं है। स्पीकर सर, मैं चाहता हूं कि आप मेरे कालिंग अटैंशन नोटिस को एडमिट करें और सरकार उस पर अपना वक्तव्य दे। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : माजरा साहब, your Calling Attention Notice has been disallowed. हां जी, विज साहब अब आप बोलिए ।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैंने कालिंग अटैंशन नोटिस दिया है कि जो हमारे पहाड़ी प्रदेश हैं हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड और जम्मू व कश्मीर उनमें एक्साईज़ फ्री जोन की सीमा बढ़ाये जाने के कारण हमारे प्रदेश के उद्योगों पर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है मैं यह चाहता हूं कि हमारे प्रदेश के उद्योगों को भी एक्साईज फ्री जोन डिकलेयर किया जाए । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Vij Sahib, I have received your Calling Attention Notice and I have sent it to the Government for comments. As and when the comments are received, I will take up सुभाष चौधरी जी, आप क्या कहना चाहते हैं ?

श्री सुभाष चौधरी : अध्यक्ष जी, कल एक महिला विधायक ने एक गुज्जर सदस्य के लिए एक बड़े आश्चर्यजनक बात कही थी ..... (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : It was expunged. (शोर एवं व्यवधान) सुभाष जी, आप मेरी बात सुनें। It was expunged and it was not the part of the proceedings. (शोर एवं व्यवधान) सुभाष जी, यह एक्सपंज हो गया था इसलिए अब आप कृपया बैठ जायें । (Interruptions) Everybody take your seat.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर सर, श्री सुभाष चौधरी जी ने जो सवाल उठाया उससे स्वाभाविक है कि कुछ लोगों की भावनायें आहत हुई होंगी । मैंने माननीय सदस्य से इस बारे में बात की है उन्होंने मुझे बताया है कि उनकी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने या आहत करने की कोई मंशा नहीं थी।

श्री अध्यक्ष : महेन्द्र प्रताप जी, जब यह पार्ट सद** की कार्यवाही से ही एक्सपंज हो गया है तो अब इस बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। अब आप कृपया बैठ जाईये ।

श्री ओमप्रकाश चौटाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members I have received a notice of breach of privileges from Shri Kuldeep Sharma, M.L.A. against Shri Om Prakash Chautala, M.L.A. for making false statement on the floor of the House on 11th March, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made willfully, deliberately and knowingly by Shri Om Prakash Chautala today thereby misleading the House and amounting to committing the contempt of the House-Breach of Privilege. I give my consent to the raising this question of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to be discussed is in order and I now ask Shri Kuldeep Sharma, M.L.A. to rise and ask for leave to raise the question of breach of privilege. (Noises & Interruptions)

Shri Kuldeep Sharma: Hon'ble Speaker Sir, kindly allow me the leave to raise the question of breach of privilege by Shri Om Prakash Chautala.

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला (उचाना कलां) : अध्यक्ष महोदय, प्रिविलेज मोशन तो हमने भी दिया था कि वित्त मंत्री जी ने सदन को गुमराह किया लेकिन उसको तो आपने डिस्अलाऊ कर दिया । वित्त मंत्री ने अपने भाषण में सरचार्ज के मुतलिक जिक्र नहीं किया और प्रैस गैलरी में जा कर कह दिया कि हमने 5 परसैंट सरचार्ज लगाया है तो उसके बारे में आपने कोई निर्णय नहीं लिया। आप सोच विचार कर तो निर्णय लिया करें । आपने विपक्ष के खिलाफ अपनी सोच बना ली है । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Now, I request those Members who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage, all the Ruling Party Members present in the House rose in their seats.)

Mr. Speaker : As the number of Members who rose in favour of the motion exceeds 15, the leave is granted.

(The leave was granted.)

Mr. Speaker : Now, Shri Kuldeep Sharma, MLA may please move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges. (Interruptions)

Shri Kuldeep Sharma : Sir, I beg to move—

> That the matter of making false statement on the floor of the House on 11th March, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made willfully, deliberately and knowingly by Shri Om Prakash Chautala thereby misleading the House and amounting to committing the contempt of the House/ Breach of Privilege by him, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

> That the matter of making false statement on the floor of the House on 11th March, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made willfully, deliberately and knowingly by Shri Om Prakash Chautala thereby misleading the House and amounting to committing the contempt of the House/ Breach of Privilege by him, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is—

> That the matter of making false statement on the floor of the House on 11th March, 2010 regarding imposing VAT on Salt which was made willfully, deliberately and knowingly by Shri Om Prakash Chautala thereby misleading the House and amounting to committing the contempt of the House/ Breach of Privilege by him, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

Mr. Speaker : The matter is referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

वाक-आऊट

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, यह प्रिविलेज मोशन प्रिविलेज कमेटी को दिये जाने के विरोध में हम सदन से वाक-आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नैशनल लोकदल के सभी सदस्य और शिरोमणी अकाली दल का एक मात्र सदस्य सरदार चरणजीत सिंह रोड़ी, श्री ओमप्रकाश चौटाला के विरूद्ध प्रिविलेज मोशन प्रिविलेज कमेटी को दिये जाने के विरोध में सदन से वाक-आऊट कर गये ।)

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 121, regarding nominations of various Committees.

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ -

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231, 233, 235 तथा 270 के उपबंध जहां तक कि वे :-

(i) लोक लेखा समिति ;

(ii) प्राक्कलन समिति ;

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति ; तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति के गठन से संबंधित हैं, को वर्ष 2010-11 के लिए निलंबित किया जाये

तथा मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ-

कि यह सदन, अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को प्राधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की अनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2010-2011 के लिए पूर्वोक्त समितियों के सदस्यों को नामजद करें।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the:-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2010-11 be suspended.

Also

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2010-11, keeping in view the proportionate strength of various parties/ groups in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the:-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2010-11 be suspended.

Also

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2010-11, keeping in view the proportionate strength of various parties/ groups in the House.

The motion was carried.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : सर, मैं एक सुझाव देना चाहता हूं ।

Mr. Speaker : I will listen to your suggestion. Please sit down.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : सर, मैं अच्छा सुझाव देना चाहता हूं। सर, सदन में एक मोशन आया है और हम उससे सहमत हैं कि उसमें स्पीकर को कमेटीज गठित करने के लिए अथौराईज किया गया है । परन्तु मेरी इस बारे में एक प्रार्थना है कि जो भी पार्टी के लीडर हैं उनसे नाम लिए जाएं कि किस कमेटी में उनके किस सदस्य को रखा जाए। (विघ्न) हमारा कहना है कि आप उनको रेशो के हिसाब से ले लें।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : स्पीकर सर, जो पहले से ट्रैण्ड चलता आ रहा है उसी ट्रैण्ड को रखा जाए । यही मेरा आपसे कहना है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है । (विघ्न)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, पहले भी ऐसा होता रहा है बाकी आपकी जैसी मर्जी। हमने तो आपको एक अच्छा सुझाव दिया है । (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, जो ट्रैण्ड चल रहा है वही चलेगा । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला, एम०एल०ए० के विरुद्ध विशेषाधिकार विषय पर चर्चा

डा. रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आप से रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि हाउस के ऑनरेबल मैम्बर के खिलाफ एक ब्रीच ऑफ प्रिवीलेज मोशन आया है लेकिन सदन के सभी मैम्बर्ज साहिबान बैठे हैं, प्रैस भी बैठी है, आफिसर साहिबान बैठे हैं उनमें एक क्यूरिसीटी है कि उस मोशन की क्या डिटेल है, इसे क्यों लाया गया। उस बारे में बोलने के लिए आपके द्वारा अलाऊ किया जाना चाहिए । सबको पता होना चाहिए कि मोशन को लाने के पीछे क्या कारण था जिसके बेसिज़ पर यह ब्रीच ऑफ प्रिवीलेज मोशन लाया गया है ।

श्री अध्यक्ष : चलो ठीक है । बोल लें (विघ्न)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मोशन मूव हो चुका है और पास भी हो चुका है अब उस पर बोलने की क्या जरूरत है ? (विघ्न) मोशन पास हो चुका है । (विघ्न) सर, यह नई रिवायत पैदा हो रही है । (विघ्न)

Mr. Speaker : Pandit ji, I allow you to speak on this issue.

श्री कुलदीप शर्मा (गन्नौर) : ऑनरेबल स्पीकर सर, मैं सदन में पहली बार चुनकर आया हूं और मैं समझता था कि जो पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं और विभिन्न स्थानों पर सदस्य रहे हैं वे सदन की मर्यादाओं को जानते होंगे। इनसे मुझे काफी कुछ सीखने को मिलेगा। (विघ्न) मुझे हाउस में इनका बिहेव देखकर बहुत निराशा हुई। (विघ्न) मुझे बहुत ही दुःख हुआ कि जब विपक्ष के नेता सदन के पटल पर एक ऐसा ब्यान दे रहे हैं जिसके बारे में वे जानते हैं कि वह गलत है, बिल्कुल ही झूठ है । (विघ्न) चौटाला जी के बारे में नरेश जी ने कह दिया कि ये सदन में झूठ बोलते हैं मैं यह नहीं कहूंगा लेकिन अब मैं यह कहूंगा कि ये कभी सच बोलते ही नहीं हैं । (विघ्न) सर, मैंने कल इनके सारे ब्यान को पढ़ा और सारे ब्यान में कहीं पर भी सच्चाई नहीं थी । (विघ्न) कल चौटाला साहब आरोप लगा रहे थे कि हरियाणा के सारे उद्योग हरियाणा को छोड़ कर जा रहे हैं ।

वाक-आऊट

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात नहीं है । जब मोशन मूव हो चुका है, पास हो चुका है और तो उसके बाद बोलने की इजाजत क्यों दी जा रही है ? (विघ्न)

डा० अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप इस तरह से नई प्रथा डाल रहे हैं, यह ठीक नहीं है। (विघ्न)

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, यह सब गलत हो रहा है । (विघ्न)

(इस समय इण्डियन नेशनल लोक दल के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर जोर जोर से बोलने लग पड़े)

डा० अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सदन में यह मुद्दा दुबारा उठा कर गलत बात की जा रही है इसलिए हम इसके विरोध में सदन से वाक-आऊट करते हैं ।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोक दल के सभी सदस्य और शिरोमणि अकाली दल के एक मात्र सदस्य सदन से वाक-आऊट कर गए ।)

श्री ओम प्रकाश चौटाला, एम०एल०ए० के विरुद्ध विशेषाधिकार विषय पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, कल चौटाला साहब आरोप लगा रहे थे इस बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैं गन्नौर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं । वहां पर चौटाला साहब के राज में हरियाणा की जो सबसे बड़ी यूनिट थी जिससे सरकार को टैक्स के रूप में सबसे ज्यादा धन मिलता था, उस पर उन्होंने ताला लगवा दिया था और 3677 मुलाजिमों को घर भेज दिया था। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, गन्नौर की मंडी का व्यापार बर्बाद हो गया था । इसी तरह से करनाल में इन्होंने लिबर्टी शूज फैक्ट्री के सामने पैसा अर्जित करने के लिए गुण्डागर्दी का सबूत देते हुए सड़क पर गढ्ढे खुदवा दिए थे । इसी तरह से सोनीपत की एटलस फैक्ट्री इनकी वजह से वहां से बाहर चली गयी थी। (शोर एवं व्यवधान) सम्मानित सदस्य ने कल बोलते हुए महात्मा गांधी और कांग्रेस पार्टी का नाम लिया और कहा कि महात्मा गांधी जी ने जिस नमक के लिए सत्याग्रह आंदोलन चलाया था उसी नमक पर कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री ने टैक्स लगा दिया । सम्मानित अध्यक्ष महोदय, हमारे लिए यह बड़े अचंभे की बात थी कि इतना सीनियर लीडर सदन में इस तरह का व्यवहार कर रहा है। (शोर एवं व्यवधान) सम्मानित अध्यक्ष महोदय, ऐसा व्यक्ति फिर से किस प्रकार झूठे आरोप लगा रहा है जबकि वह स्वयं भी जानते हैं कि वह झूठ है । इस तरह के आरोप वे फिर न लगा पाएं इसके लिए यह मैटर प्रिवलेज कमेटी में जाना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, यहां पर प्रमुखता से लिखा है कि one must not either enter an Assembly Hall or he must speak there with all the righteousness. सम्मानित अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी सदन के सम्मानित सीनियर मैम्बर हैं उनके खिलाफ प्रिवलेज भोशन आया है और यह मैटर प्रिवलेज कमेटी में जाना चाहिए।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, ये क्या बोल रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, क्या आपने इनको बोलने के लिए एलाउ कर रखा है ? (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य और शिरोमणि अकाली दल के एकमात्र सदस्य सदन की वैल में आ गए और जोर-जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी अपनी अपनी सीटों पर जाकर बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : सम्मानित अध्यक्ष महोदय, इनको मेरी बात तो सुननी चाहिए । ये मेरी बात सुनना नहीं चाहते हैं। ये बाद में अपना जबाव दे दें । इसके लिए प्रिवलेज कमेटी कांस्टीच्यूट हुई है और उसमें यह मैटर जब जाएगा तो उसमें यह फैक्ट फाईडिंग होगा इसलिए सम्मानित सदस्य वहां जाकर भी अपनी वकालत कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा साहब, प्लीज, आप बैठें।

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now general discussion on budget estimates for the year 2010-11 will resume. Prof. Sampat Singh, M.L.A. was on his legs. He may resume his speech. सम्पत सिंह जी, आपको बोलने के लिए 15 मिनट दिए जाते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह (नलवा) : स्पीकर साहब, मैं तो आज्ञाकारी हूं। जो आप आज्ञा देंगे वहीं मैं करूंगा। मैं आपसे रिक्वैस्ट कर लूंगा, अगर आप मानेंगे तो ठीक है नहीं तो वहीं पर मैं अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, कल मैंने बजट पर अपनी स्पीच की शुरूआत की थी। बोलते समय थोडा बहुत लय में तो फर्क आ ही जाता है यह स्वाभाविक है क्योंकि कल मेरा बोलते हुए थोड़ा सा कनैक्शन कट गया था, उस समय दो बजे हाउस एडजर्न हो गया था। सर, कल मैंने भूमिका बनाकर बताते हुए कहा था कि जिन हालातों में वित्त मंत्री जी ने बजट पेश किया था वे विकट हालात थे। जिस तरह से हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्टेट को उभारा गया था उसके लिए मैंने इनको बधाई भी दी थी। सर, आज मैं बताना चाहता हूं कि इन्होंने कैसे स्टेट को उभारा है। सर, वही वित्त मैनेजमैंट अच्छा होता है, वही अनुशासिक बजट होता है जिस बजट के अंदर बैलेंस बनाकर रखा जाए और वह बजट डिवैल्पमैंट ओरियंटेड हो। सर, खर्चा हम करते हैं और हर बजट सैशन में खर्चा करने की परमिशन हाउस से भी लेते हैं लेकिन यह देखना होता है कि वह एक्सपैंडीचर कहां पर कर रहे हैं? क्या वह ऐक्सपैंडीचर प्रोडक्टिव चीजों पर हो रहा है या नॉन प्रोडक्टिव चीजों पर हो रहा है और क्या वह चीजें कल को स्टेट को फायदा देंगी या हानि देंगी ? हमारे यहां डाउनट्रोडन लोग हैं, सोसायटी में ऐसे भी लोग हैं जिनको कैश इंसैंटिव की जरूरत है क्या उनको वह पैसा जा रहा है या वह नॉन प्लान ऐक्सपैंडीचर बढ़ते-बढ़ते बढ़ता जा रहा है। जो नॉन प्रोडक्टिव है, यह पैमाना यदि हम देखते हैं तो बजट पर वित्त मंत्री जी खरे उतरे हैं। सबसे पहले मैं प्लान ऐक्सपैंडीचर का जिक्र करना चाहूंगा। सर, इन परिस्थितियों में जहां प्लान इतना बढ़ता आ रहा था उसको सस्टेन करना मुश्किल है लेकिन फिर भी इन्होंने उसमें बढ़ोतरी की है अदरवाइज ऐसे हालात में माइनस भी चला जाता है और नॉमिनल भी रह जाता है। कल जब कृष्ण पाल गुर्जर साहब बोल रहे थे तो मुझे उनको टोकते हुए थोड़ा डर भी लग रहा था क्योंकि उन्होंने अपनी स्पीच शुरु करने से पहले कहा था कि पंडित को खाते हुए और गुर्जर को बोलते हुए टोकने से पाप लगता है लेकिन वैसे मैं उन्हें आज टोक तो नहीं रहा बल्कि कल की बात का जिक्र कर रहा हूं। वैसे सर, उसमें एक यह भी है कि जाट को सोते हुए नहीं छेड़ना चाहिए । (हंसी)

श्री महेन्द्र प्रताप : अध्यक्ष महोदय, ये बात इस तरह से है कि यदि ब्राह्मण ज्ञान न दे और मार्शल रक्षा न करे तो पाप लगता है । (शोर एवं व्यवधान)

प्रो.संपत सिंह : कल बोलते हुए गुर्जर साहब ने कहा कि यह प्लान एक्पैंडिचर बहुत कम बढ़ा है इतना तो मंहगाई की वजह से ही बढ़ गया है। ये मंहगाई का जिक्र करते-करते तेल का जिक्र कर गए। सर, गवर्नमैंट ऑफ इंडिया का भी जो बजट है उसमें भी जो आलोचना का विषय रहा है, बजट पर वहां भी कोई आलोचना नहीं आई। (विघ्न) **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)**

श्री विनोद शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, सदन में कल और आज कुछ ऐसी चर्चाएं हुई हैं जिनमें कॉस्ट के बारे में टिप्पणी की गई हैं । हमारे साथियों की तरफ से भी ऐसी टिप्पणी हुई हैं और विपक्ष के साथियों की तरफ से भी हुई हैं। मैं समझता हूं कि सदन में ऐसी टिप्पणियां शोभा नहीं देती। हमें आगे के लिए इस बात पर विचार करना चाहिए और सहमति होनी चाहिए कि सभी सदस्य एक दूसरे के बारे में सम्मानपूर्वक शब्द प्रयोग करें। विधान सभा की कार्यवाही में भी यह बात आ जाए कि कॉस्ट के बारे में टिप्पणियां बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। इसके बारे में ध्यान रखा जाए। धन्यवाद।

प्रो.संपत सिंह : यह बहुत ही अच्छी राय है और इस राय से सभी को सहमत होना चाहिए क्योंकि कई बार बात तो लाइट-वे में चलती है लेकिन उसके कई बार सीरियस इम्प्लीकेशंज हो जाते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, न किसी की कास्ट पर टिप्पणी होनी चाहिए और न ही किसी व्यक्ति विशेष पर होनी चाहिए। यह बात प्रौसीडिंग्ज में आ जानी चाहिए ताकि आगे के लिए हर आदमी इस बात का ध्यान रखे ।

प्रो.संपत सिंह : यह बहुत अच्छी राय है और इसको सारे हाउस को मानना चाहिए। कल बोलते हुए गुर्जर साहब ने वाजपेयी जी के समय में डीजल और पैट्रोल के दाम बढ़ने के बारे में उदाहरण भी दिया था। उस टाइम हुई बढ़ोतरी के विषय में मैं नहीं जाना चाहूंगा क्योंकि उस बारे में माननीय श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने बता दिया। उस बात को रिपीट करने का कोई फायदा नहीं है। ये बोलते हुए कह गए कि आज कल तेल का रेट 40-50 और 60 डालर प्रति बैरल चल रहा है। (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि यू०पी०ए० की सरकार के समय तेल का भाव 38 और 40 डालर प्रति बैरल भी हुआ है लेकिन सरकार ने तब भी पैट्रोल के रेट कम नहीं किए थे।

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने रेट कम किए थे, यह ऑन रिकार्ड है।

प्रो० सम्पत सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो सिर्फ इतना बताना चाहता हूं कि उस समय 160 डालर प्रति बैरल का रेट नहीं था । मैंने वर्ष 1978 से लेकर इस वीक एंड तक के सारे फिगर इकट्ठे किए हैं। मैंने सारी रात इसी काम पर लगाई है। तेल के रेट जो मैक्सिमम गये हैं वह 137.11 डालर प्रति बैरल गये हैं। यह भी Organisation of Petrolium Exporting Countries (OPEC) का रेट है। वर्ष 1997 में हम ओपैक से जुड़ गये थे। कई देश अब भी इण्डीपैंडेंट पैट्रोल के रेट फिक्स करते हैं। ओपैक से जुड़ने के बाद मैक्सिमम पैट्रोल का रेट 4.7.2008 को आया है। जब यू०पी०ए० की सरकार थी उस समय पैट्रोल का रेट 137.11 डालर प्रति बैरल हुआ है । जहां पहले इन्होंने जिक्र किया कि 160 डालर प्रति बैरल या 140 डालर प्रति बैरल जितना भी किया है उस पर तो ये स्टैण्ड करते होंगे । सर, मैं आपके माध्यम से सदन को वर्ष 2001 का एक एग्जाम्पल देना चाहता हूं जिससे सारी बातें क्लीयर हो जायेंगी । जो रेट 14 दिसम्बर, 2001 को थे वे ओपैक के रेट थे वह रेट 16.7 डालर प्रति बैरल था न की 160 डालर प्रति बैरल। सर, इसमें जीरो फालतू लगा दिया होगा, मैं आपको रिसीट दिखा सकता हूं। जब आप कहेंगे मैं उसकी कापी आपको दे दूंगा । डिप्टी स्पीकर सर, उससे पहले उस टाईम जो रेट था वह 32.32 डालर प्रति बैरल था । वर्ष 2000 और वर्ष 2001 में आधा रेट आ गया। आधा रेट आने के बाद सरकार ने समझा कि इससे तुम्हारी आमदनी घट रही है क्योंकि उत्पाद शुल्क भी गिर रहा है, आयात शुल्क भी गिर रहा है। उस आयात और उत्पाद शुल्क को बचाने के लिए न कि लोगों को सुविधा देने के लिए सस्ता किया गया । लोगों को सुविधा देने के लिए सस्ता नहीं किया गया बल्कि उत्पाद शुल्क को बढ़ा दिया गया। डिप्टी स्पीकर सर, उत्पाद शुल्क के अलग रूल्ज हैं जैसे हमारे वैट के हैं पहले सेल्स टैक्स होता था अब वैट आ गया । इसी तरह से उसके भी रूल्ज हैं कि इतने परसेंट होगा इससे ज्यादा आप बढ़ा नहीं सकते हैं। कोई प्रोविजन रख देते हैं कि मान लो 50 प्रतिशत का प्रोविजन रख दिया । आप 30,40 और मैक्सिमम 50 प्रतिशत का प्रोविजन तक कर सकते हैं 50 प्रतिशत से ऊपर नहीं बढ़ा सकते। यह पार्लियामेंट तो कर सकती थी लेकिन उस समय पार्लियामेंट का सैशन नहीं था

[प्रो० संपत सिंह]

इसलिए राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम के द्वारा एक आर्डीनैंस जारी करवाया गया। आर्डीनैंस जारी करवाकर उत्पाद शुल्क दुगुना कर दिया गया ताकि रेट वहीं रह जाएं और सरकार को आमदनी भी हो जाए । डिप्टी स्पीकर सर, असलियत तो यही है । ये ऐसे ही इस तरह की बात कर रहे थे । मैं कहता हूं कि तथ्यों के आधार पर बात करें। कृष्णपाल जी, सामाजिक रिलेशन हमेशा वहीं रहते हैं । राजनीतिक रिलेशंज तो बदलते हैं लेकिन सामाजिक रिलेशंज वहीं रहेगें । चाहे मैं आज राजनीतिक तौर से कांग्रेस पार्टी में हूं इनका हुकूम मानता हूं इनके नेतृत्व को मानता हूं लेकिन सामाजिक तौर पर आप अगर कोई भी इन्फर्मेशन मेरे से लेना चाहें तो you are most welcome और यही बात मैं अपने पुराने नेता रहे चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी से भी कहता हूं । मैं किसी बात के लिए कोई मना नहीं करता क्योंकि आज भी मैं उनकी इज्जत करता हूं। अगर वे मुझे सोशली तौर पर कोई हुकुम देंगे तो मैं उस बात को मानने के लिए तैयार हूं, बताने के लिए तैयार हूं। ये इतने बड़े आदमी हैं, इनका इतना बड़ा ओहदा है, ये बहुत साल मुख्यमंत्री रहे हैं, बहुत साल विपक्ष के नेता रहे हैं, सीजन्ड और बहुत पुराने पार्लियामेंटेरियन हैं,एसैम्बली में रहने का इनको एक्सपीरियंस हैं, पार्लियामेंट का भी इनका एक्सपीरियंस है। इसलिए इनको ये बातें वैरीफाई करनी चाहिएं इस में कोई बुराई नहीं है । हम यहां जो बोलें इनको कम से कम वैरीफाई तो कर लें। तभी वह ज्यादा इम्प्रैसिव लगेगी हाउस को और लोगो को ज्यादा प्रभावित करेगी । लोग यहाँ बड़ी उम्मीद के साथ देखते हैं कि सीनियर लोग क्या बोलते हैं । सीनियर आदमी जो बोलते हैं उनसे जूनियर सीखते हैं। ऐसी हाउस में परम्पराएं होनी चाहिए। मैंने पहले भी कहा था कि हमारी क्लासिज लगाई जानी चाहिएं। चाहे जितने भी सीनियर मैम्बर हो जाएं सबके लिए क्लासिज लगाई जानी चाहिएं। सीनियर पार्लियामैंटेरियंस को irrespective of any party affiliation पार्लियामैंट से और पूरे कंट्री से भी बुलाया जाए ताकि यहां सभी मैम्बर्ज को सिखाया जा सके क्योंकि आदमी कभी अपने आप में परिपूर्ण नहीं होता । उनसे हम जितना भी ज्ञान लेंगें उतना हमें फायदा होगा ।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है । अभी सम्पत सिंह जी सारी डिटेल बता रहे थे इसलिए मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि वर्ष 2004 से अब तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की क्या कीमतें थी ? डीजल और पैट्रोल के रेट यहां पर क्या थे, ये रेट कैसे कैसे बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ये कैसे कैसे घटे हैं ?

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो जो इन्होंने कहा है मैंने बता दिया है । मेरा पूरा प्रयास रहता है कि मैं सारी इन्फर्मेशन साथ लेकर आऊं और मैं लेकर भी आया हूं। वैसे यह बताने का काम तो केन्द्रीय पैट्रोलियम मंत्री का है मेरा नहीं है। चूंकि कल ये रिमार्कस पास कर गए थे तो स्वाभाविक है मेरी भी इच्छा बताने की रही थी इसलिए मैंने सारा सौदा तैयार किया है । वर्ष 2004 के रेटों के बारे में मैं बता देता हूं। (विघ्न) I am not sure about the date so anybody can correct me शायद जून 2004 में यू०पी०ए० की गवर्नमैंट आई । 11 जून, 2004 में यह रेट 32.93 डालर प्रति बैरल था और उसके बाद यह रेट बढ़ता गया । जुलाई, 2004 में पहले यह रेट 35 डालर प्रति बैरल हो गया, फिर जुलाई में ही यह 38 डालर प्रति बैरल हो गया, अगस्त में 40 डालर प्रति बैरल हो गया, अक्तूबर में 42 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया । इसी तरीके से मई, 2005 में यह रेट 46 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया । बाद में यह रेट 53.50 डालर प्रति बैरल को क्रोस कर गया । 2005 में ही यह रेट 60 डालर प्रति बैरल क्रोस कर गया और 2006 में यह रेट 66 डालर प्रति बैरल क्रोस कर गया । मैक्सीमम

यह रेट 69 डालर प्रति बैरल तक चला गया । फिर ये रेट 69 डालर प्रति बैरल के बाद 71 डालर प्रति बैरल तक चले गए । जुलाई 2007 में ये रेट 73 डालर प्रति बैरल से ज्यादा चला गया यानि दुगने से भी फालतू हो गया । वर्ष 2008 में मैक्सीमम 137 डालर प्रति बैरल हो गया। जैसे मैने बताया था यह रेट बढ़ता ही गया हैं। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, कंक्ल्यूड कीजिए ।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर: उपाध्यक्ष महोदय, ये पूरा स्पष्टीकरण दें । मैं पूछ रहा हूं कि जैसे इन्होंने बताया है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही है तो ये यह भी बताएं कि हिन्दुस्तान में ये रेट कैसे कैसे बढ़े ? (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनको पूरे पेपर दे दूंगा । ये स्टडी कर लेंगें और कुछ निकालना चाहें तो निकाल लेंगें । (विघ्न) ये जो इन्फर्मेशन चाहते हैं वह मैं इनको बता दूंगा । ये मुझे रोज मिलते हैं । ये मेरे पुराने साथी रहे हैं । ये मेरे आज के साथी नहीं बल्कि 1987 से भी पहले के साथी हैं । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, प्लीज कंक्ल्यूड करें । (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात का जवाब नहीं आया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, ये अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के बारे में बता रहे थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : कृष्ण पाल गुर्जर जी, आप बैठिए, डिस्ट्रब न करें, इनको बोलने दीजिए।

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रश्नकाल नहीं है इसलिए इनको बिठाएं । (विघ्न) He can not ask like this (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के रेट बढ़ते गए। ये रेट बाद में घटे भी हैं तो हमने घटाए भी हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : गुर्जर जी, आप बैठें । इन्हें खत्म करने दीजिए ।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर: उपाध्यक्ष महोदय, ये रेट घटे भी हैं या नहीं ये इस बारे में भी बताएं । (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, ये रेट घटे भी हैं । ये रेट 2008 में 137 डालर प्रति बैरल थे। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : कृष्ण पाल जी , प्लीज आप बैठें और प्रोफैसर साहब आप वाईड-अप करें ।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, पैट्रोल का रेट अकेला क्रूड आयल पर निर्भर नहीं करता है। उस क्रूड आयल को जब आप ऑयल में कनवर्ट करेंगे, पैट्रोलियम में कनवर्ट करेंगे और गैस में कनवर्ट करेंगे तो उसके खर्चे बढ़ते हैं, घटते नहीं हैं । ज्यों-ज्यों महंगाई बढ़ेगी उसी के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ते हैं। यह हमेशा होता रहता है यह कोई एक दिन की बात नहीं है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह कोई विशेष बात नहीं है, विशेष बात तो तब हुई थी कि केवल एक रैवेन्यू बढ़ाने के लिए एक्साईज ड्यूटी भी बढ़ाई गई थी। जहां तक मैं प्लान का जिक्र कर रहा था कि प्लान में इतना भयंकर संकट होते हुए भी 3.64 प्रतिशत बढ़ा है और उसमें अलोकेशन्ज बहुत बढ़िया हैं । उपाध्यक्ष महोदय, जैसे पावर की बात है, पावर के अंदर 11.70 प्रतिशत हिस्सा होगा और इसी तरह से एग्रीकल्चर रूरल पर 5.3 प्रतिशत है, एजूकेशन पर 16.12 प्रतिशत है, सोशल वैलफेयर पर 5.48

[प्रो० संपत सिंह]

प्रतिशत है, रोड्ज पर 4.9 प्रतिशत है। यह कहीं भी पहले नहीं हो पाया था। मैं भी ऐसा प्रावधान नहीं कर पाया था। उससे दोगुना आज ये हर प्लान हैड में खर्चा कर रहे हैं। इससे हमारा इन्फ्रास्ट्रैक्चर डवैल्पमैंट ज्यादा बढ़ेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हम दिखाने के लिए कई बार प्लान बना लेते हैं लेकिन रिसोर्सिज के क्रंच की वजह से प्लान को पूरा नहीं कर पाते । प्लान अच्छी वही बनती हैं जिनको हम 100 प्रतिशत कवर कर लें या 99 प्रतिशत कवर कर लें तो भी ठीक है । मैं कांग्रेस की सरकार को बधाई देता हूं कि during the last five years जो प्लान यह सरकार लेकर आई है और जो सदन से पास करवाई थी उसमें उनको बढ़ाया है, कम नहीं किया गया । केवल एक वर्ष छोड़कर जिसमें 2005-06 के दौरान प्लान बढ़ाने का प्रतिशत 99.65 था । उसके बाद 2006-07 में 128 प्रतिशत, 2007-08 में 108 प्रतिशत, 2008-09 में 106 प्रतिशत और 2009-10 में 104 प्रतिशत रहा । इस प्रकार से पिछले पांच साल की एवरेज 107 प्रतिशत प्लान बढ़ाने की रही है । मैं इसके लिए उस समय के वित्तमंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को, मौजूदा वित्तमंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव जी को और मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को बधाई देता हूं । हम अपने समय में जो प्लान होती थी उसका 87.75 तक ही खर्च कर पाये थे इससे ज्यादा नहीं बढ़ा पाये थे । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं नॉन प्लान एक्सपैंडीचर के बारे में चर्चा करना चाहूंगा कि नॉन प्लान एक्सपैंडीचर जितना आप कम करोगे या जो बढ़ोत्तरी हो रही है उसका रेशो कम होगा तो वह एक अच्छे बजट का हिस्सा माना जायेगा। 2009-10 में 20150 करोड़ रुपये रिवाईज्ड एस्टीमेट्स के थे, अब 21737 करोड़ रुपये के हैं और इससे पहले 2008-09 में 17440 करोड़ रुपये के थे । यानि 2008-09 के मुकाबले 2009-10 में 15.50 प्रतिशत नॉन प्लान बजट बढ़ा था और अब 15.50 प्रतिशत के मुकाबले 7.8 प्रतिशत है जो कि जस्ट हाफ है। उपाध्यक्ष महोदय, बजट के लिए यह बहुत अच्छी निशानी है कि नॉन प्लान पर खर्चे को कर्टेल किया गया और प्लान पर बढ़ाया गया है। यह एक अच्छे वित्तीय प्रबन्धन की बहुत अच्छी निशानी है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कैपीटल एक्सपैंडीचर की बात करना चाहूंगा कि जो हम कैपीटल खड़ी करते हैं वह भी स्टेट को आने वाले समय में काम आती है । जहां तक कैपीटल एक्सपैंडीचर की बात है सरकार इसको भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ा रही है । पिछली बार कैपीटल एक्सपैंडीचर 4931.96 करोड़ रुपये था और इस साल 5178 करोड़ रुपये है । पिछली बार कैपीटल एक्सपैंडीचर दो प्रतिशत बढ़ा था और इस साल इसमें चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है । उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक कैपीटल एक्सपैंडीचर की बात करें during five years की तो उससे पहले जो preceding five years थे 8308 करोड़ रुपये थे और अब हो रहा है 17879 करोड़ रुपये जोकि 150 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी है । उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बजट डैफीसिट की बात है यह भी बजट का बहुत अहम बिंदु होता है ।

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आपका समय हो गया है । प्लीज अब आप वाईंड-अप करें ।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से वाईंड अप भी करूंगा । उपाध्यक्ष महोदय, जो रैवेन्यू डैफीसिट है उसको देखा जाता है as compared to gross state domestic product. यह पिछली बार जहां 1.7 प्रतिशत था इस बार 1.61 प्रतिशत है यानि घट रहा है । मेरे कहने का मतलब यह है कि इस तरह से ग्रोस स्टेट डोमैस्टिक प्रोडैक्ट बढ़ रहा है । इसके बढ़ने के साथ जो खर्चा है उसके साथ कंपेयर करते हैं। जो हमें अलाऊड है, उससे उसे कम सीमा रखते हैं तो वह गुड मैनेजमैंट होता है। डिप्टी स्पीकर सर, इसी तरीके से रेवेन्यू रिसीट्स के बारे में होता है जो उसके

कम्पेरेज़न में होता है । इसी प्रकार से पर-कैपिटा इन्कम की बात है । पर-कैपिटा इन्कम अगर हम देखें तो आज हरियाणा की पर-कैपिटा इन्कम केवल गोवा स्टेट से कम है। डिप्टी स्पीकर सर, जो गोवा स्टेट है वह एक छोटी स्टेट होने के साथ-साथ एक टूरिस्ट स्टेट भी है इसलिए उसकी पर-कैपिटा इन्कम ज्यादा होना स्वाभाविक है लेकिन जहां पर वाकई में काम करके कोई पोजिशन अचीव की जाती है, हरियाणा स्टेट एक ऐसी स्टेट है जहां इण्डस्ट्री और मैन्युफैक्चरिंग से और सर्विस सैक्टर से इन्कम कुलैक्ट की जाती है। डिप्टी स्पीकर सर, यह इन्कम आज Rs. 79560 per annum हो गयी है। डिप्टी स्पीकर सर, इसके अलावा एक बात मैं यह कहना चाहूंगा कि पंजाब हमारा पैरेंट स्टेट है। हमारी हरियाणा स्टेट पंजाब में से ही निकलकर आई थी और जब हरियाणा बना उस समय हमारे पास कुछ भी नहीं था। उसके बावजूद भी आज हम पंजाब से बहुत ज्यादा आगे हैं । डिप्टी स्पीकर सर, प्लान का तो मैंने जिक्र कर दिया है कि जहां हमारा 12000 करोड़ रुपये के पास हो गया है वहां हमारे मुकाबले अभी पंजाब 9100 करोड़ रुपये के पास ही अटका हुआ है। डिप्टी स्पीकर सर, अब मैं जी.एस०डी०पी० के बारे में बताना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर सर, सबसे पहले यह देखना पड़ता है कि इसमें कौन-कौन से फैक्टर ऐसे होते हैं जो कंट्रीब्यूट करते हैं। डिप्टी स्पीकर सर, इसमें पहले अकेला एग्रीकल्चर सैक्टर था जो इसको कंट्रीब्यूट करता था। अगर अकेला एग्रीकल्चर सैक्टर कंट्रीब्यूट करेगा और उसी पर हम सारा भार डालेंगे तो इसका मतलब यह होगा कि अदर एक्टीविटीज़ हम नहीं कर रहे हैं। इसमें जितनी आप मैन्युफैक्चरिंग एक्टीविटीज़, ट्रेडिंग एक्टीविटीज़, इण्डस्ट्रियल एक्टीविटीज़ और सर्विस सैक्टर की बढ़ोतरी करेंगे उतना ही आपका फायदा होगा। यह एक निशानी है कि जहां आज प्राईमरी सैक्टर का कंट्रीब्यूशन 19.1 प्रतिशत, सैकेण्डरी सैक्टर का कंट्रीब्यूशन 28.1 प्रतिशत और सर्विस सैक्टर 51.4 प्रतिशत कंट्रीब्यूशन रहा है। डिप्टी स्पीकर सर, यह सब मैं आपको आंकड़े दे कर बता रहा हूं ।

उपाध्यक्ष महोदय : सम्पत सिंह जी, अब आप वाईंड-अप कीजिए ।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, अगर आप इज़ाज़त देते हैं तो मैं हाउस को इस बारे में थोड़ी सी जानकारी देना चाहता हूं । डिप्टी स्पीकर सर, सरकार द्वारा जो नये इंसैंटिव्ज़ दिये गये हैं जिनसे आने वाले समय में सारी स्टेट की तस्वीर बदलेगी उनमें से एक है पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप । डिप्टी स्पीकर सर, आज के दौर में कोई भी गवर्नमैंट अपने दम पर सभी क्षेत्रों में अपनी सारी जिम्मेदारियां अकेली नहीं निभा सकती जब तक कि आप पब्लिक-प्राईवेट पार्टनरशिप नहीं करेंगे और लोगों की इंवॉल्वमैंट आप नहीं करेंगे। सरकार के साथ जब तक आप कुछ जोड़ेंगे नहीं, तब तक काम चलने वाला नहीं। डिप्टी स्पीकर सर, आज जब एक तरफ ग्लोबलाईजेशन आ गई है तो दूसरी तरफ लिब्रलाईजेशन आ गई है जिस कारण सारी इकोनॉमीज़ एक दूसरे के साथ आपस में लिंक्ड हैं। आज हम इंटरनेशनल लैवल पर लिंक्ड हो गये हैं। पहले तो प्रत्येक देश और प्रत्येक प्रदेश अपने आप तक ही सीमित था लेकिन आज इकोनॉमी इतनी वास्ट हो गई है कि सारी दुनिया से हमें कम्पीट करना पड़ रहा है। हालांकि इसके अंदर पहले भी ये सारी चीज़ें चल रही हैं उनमें से कुछ टर्न की बेसिज़ पर चल रही थी जिसके अंतर्गत पहले थर्मल वगैरह का काम प्राईवेट कम्पनीज़ को दे दिया जाता था और बाद में हैंडिंग और टेकिंग ओवर हो जाती थी और उसको पब्लिक सैक्टर की अण्डरटेकिंग ले लेती थी । डिप्टी स्पीकर सर, गवर्नमैंट का जो यह स्टैप है यह बहुत ही सराहनीय है । डिप्टी स्पीकर सर, सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर डिवैल्पमैंट बोर्ड का गठन किया है । डिप्टी स्पीकर सर, इंफ्रास्ट्रक्चर डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाकर भी सरकार ने हरियाणा प्रदेश के विकास की दिशा में एक बहुत बड़ा स्टैप उठाया है ताकि जिस-जिस इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

[प्रो० संपत सिंह]

है, चाहे आपको फ्लाई-ओवर की जरूरत है, चाहे आपको ट्रांसपोर्ट की ज़रूरत है और चाहे आपको इरीगेशन की ज़रूरत है वह प्रोवाईड किया जा सके। (शोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर सर, इसी प्रकार से एक लैण्ड मार्किंग का काम है। आज के दौर में एक्टीविटीज़ बढ़ाने के लिए कनैक्टिविटी बढ़ानी पड़ती है और कनैक्टिविटी के लिए जिस प्रकार से ईस्ट-वैस्ट और साऊथ-नार्थ का जो कॉरीडोर खोला जा रहा है उस कॉरीडोर की वजह से ट्रेडिंग एक्टीविटीज़ बढ़ेंगी जो इण्डस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ायेंगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, कृपा वाईड-अप कीजिए क्योंकि आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है ।

प्रो० सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, मैंने तैयारी की है । मैं ऐसे ही नहीं बोल रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर सर, मैं सिर्फ चेयर की तरफ देख रहा हूं । दूसरे साथी क्या बोल रहे हैं मैं उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा हूं । It is upto you Sir. डिप्टी स्पीकर सर, यह सब मैं इसलिए बता रहा हूं (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है इसलिए अब आप कृपा वाईड-अप कीजिए । आप कृपा दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

प्रो० सम्पत सिंह : ठीक है डिप्टी स्पीकर सर, मैं कन्कलूड कर देता हूं । (शोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपकी परमिशन से कुछ सुझाव देना चाहता हूं। बजट की चाहे कोई माननीय सदस्य सराहना करे या आलोचना करे लेकिन सभी को अपने अच्छे सुझाव भी देने चाहिएं। हम भी स्टेट के पार्ट एण्ड पार्शल हैं और हमारे से प्रदेश की जनता भी उम्मीद करती है कि हम हरियाणा प्रदेश के बहुमुखी विकास के लिए अपने अमूल्य सुझाव दें । उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से सुझाव दे सकता हूँ । एक एम०एल०ए० होने के नाते मैं राज्य को अपने सुझाव दे सकता हूँ और वित्त मंत्री जी को भी अपने सुझाव दे सकता हूँ । जहाँ तक डिटेल की बात है वह मैं अपनी बात डिटेल में लिख कर या उनसे मिल कर भी उनको दे सकता हूँ यहाँ भी मैं आपकी अनुमति से अपनी तरफ से कुछ सुझाव वित्त मन्त्री जी को देना चाहता हूँ ।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, आप जल्दी कीजिए ।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, नॉन कंफर्मिंग जोन में जो इंडस्ट्री लगी हुई थी उनको रैगूलराईज करने के लिए एक बहुत अच्छी पॉलिसी सरकार ने बनाई थी । अगर वे रैगूलराईज होंगी तो सरकार को भी इन्कम होगी क्योंकि ऐसी हजारों इंडस्ट्रीज हैं। आप सोनीपत और पानीपत में देखिये जहां सारी की सारी इलीगल चल रही थी । इस बारे में सरकार का बहुत अच्छा फैसला आया है और वह फैसला सरकार ले चुकी है और मैं चाहता हूँ कि वह फैसला जल्दी इम्पलीमैंट हो । उस पर सरकार ने जो भी फीस रखनी है वह रखे । उससे सरकार के खजाने में आमदनी भी आयेगी और वे लोग भी बेचारे सुख का सांस ले सकेंगे और कोई नेता या अधिकारी उनको तंग भी नहीं करेगा । दूसरी बात, मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार ने बहुत अच्छा फैसला लिया था कि जो ओल्ड इंडस्ट्रियल इस्टेट हैं, वे सारी शहरों के अन्दर आ गई हैं जिस कारण पोल्यूशन के कारण वहाँ पर बुरे हालात हो गये हैं। सरकार यह फैसला ले चुकी है कि हम उनको कमर्शियल कनवर्शन की इजाजत दे देंगे । इस बारे में भी मैं चाहता

हूँ कि इस फैसले को जल्दी लागू किया जाये क्योंकि इससे भी राज्य सरकार को काफी आमदनी होगी । तीसरी बात ट्रांस्पोर्ट सैक्टर के बारे में है इस बारे में मैं एक सुझाव देना चाहता हूँ । जिस समय श्री अशोक अरोड़ा जी, परिवहन मंत्री थे उस वक्त इनके साथ, ट्रांस्पोर्ट कमिश्नर और मैं भी केरल में ट्रांस्पोर्ट सैक्टर की स्टडी के लिए गये थे । वहाँ हमने जो सिस्टम देखा वह बहुत अच्छा है। उससे प्रभावित होकर मैं चाहता हूँ कि हमारे मौजूदा ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर और साथ में अधिकारी केरल जा कर वहां का ट्रांस्पोर्ट सिस्टम जरूर स्टडी करें । केरल का सिस्टम स्टडी करें या श्री पराशर साहब जो उस समय वित्तायुक्त परिवहन थे और श्री राजन गुप्ता, उस समय ट्रांस्पोर्ट कंट्रोलर थे उन्होंने जो रिपोर्ट तैयार की थी उस रिपोर्ट को अमल में लाया जाये, क्योंकि वह रिपोर्ट बस्ते में बंद हो गई थी । वह रिपोर्ट बहुत बढ़िया थी। अगर वह रिपोर्ट लागू होती है तो उससे ट्रांस्पोर्ट सिस्टम सुधरेगा । आज केरल में 24000 बसें चलती हैं और वहाँ पर कोई आदमी थ्री व्हीलर या फोर व्हीलर पर लटकता नजर नहीं आता । उससे एक फायदा तो यह होता है कि स्टेट को उससे रिवैन्यू मिलता है और दूसरे आम नागरिकों को अच्छी सुविधा मिलती है । इसलिए मैं यह सुझाव देना चाहता हूँ कि वहाँ जायें और वहां का सिस्टम देखें और साथ में वित्त मंत्री जी को भी जाना चाहिए क्योंकि उससे फाईनैंस की भी बढ़ोतरी होगी। मैं श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी का आभार प्रकट करता हूँ इन्होंने माईन्ज के बारे में जानकारी दी थी। उसके बारे में मैं इनको कहना चाहता हूँ कि इस दिशा में थोड़ा सा और तेजी से काम करें । उसको वैल पलैंड वे में चलाया जाये क्योंकि पहले वैल पलैंड वे में नहीं चलती थी । लोग अपनी मर्जी के हिसाब से कहीं पर भी काम शुरू कर देते थे। अगर हम उसको वैल मैनेज्ड-वे में चलायेंगे तो एक तो हमारे रिसोर्सिज बचेंगे और अनऑथोराईज-वे में उनको कोई नहीं निकालेगा और दूसरा उससे स्टेट को आमदनी भी होगी तथा लोगों को सस्ता माल मिलेगा । उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह सुझाव भी देना चाहता हूं कि जिस प्रकार बिजली के मामले में हमने बोर्ड की अनबंडलिंग की है । बोर्ड और कारपोरेशन की जिम्मेवारियाँ अलग-अलग हो गई हैं । आज हमारे पास कुछ दूसरे ऐसे बोर्ड्ज़ और कारपोरेशंज हैं जिनकी बंडलिंग की जरूरत है, उनको इकट्ठा करने की जरूरत है क्योंकि उनसे हमारा खर्चा काफी बढ़ रहा है। ज्यादातर बोर्ड्ज़ और कारपोरेशन्ज की वही ड्यूटीज हैं क्योंकि जो एक बोर्ड या कारपोरेशन कर रहा है वही दूसरा कर रहा है । वैसे तो भारत सरकार की वजह से हमें कई बार इनको अलग बनाना पड़ता है लेकिन ये एक छत के नीचे काम करके कम कर्मचारियों से काम चला सकते हैं । एक बात मैं और कहना चाहता हूँ कि जीरो बजटिंग सिस्टम भी हो । जो स्कीम हमारी पहले से ही चल रही है उसी प्रकार की एक और स्कीम आ जाती है और पहले वाली भी कंटीन्यू रह जाती है । इस पर भी हमें रिव्यू करना चाहिए । उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि जितनी भी हमारी बिल्डिंग्ज हैं चाहे वह रैजिडैंशियल है या ऑफिशियल हैं पहली बार श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने उनकी रैनोवेशन की है । उनको इस लायक बनाया है कि लोग उन बिल्डिंगों में रह सकें और अच्छे वातावरण में काम कर सकें । **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, मैं फरदर एक और सुझाव भी देना चाहूँगा कि काफी बिल्डिंग ऐसी हैं, काफी एरिया ऐसा है..... (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : No further suggestions. Please sit down.

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा (थानेसर) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। अध्यक्ष महोदय, वित्तमंत्री माननीय कैप्टन अजय सिंह यादव ने जो बजट पेश किया है, उसमें प्रदेश की जनता को उम्मीद थी कि जब प्रदेश का बजट आएगा तो उससे

[श्री अशोक कुमार अरोड़ा]

उनको कोई फायदा होगा। आज देश के अन्दर महंगाई बढ़ी हुई है और हमारे देश के प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री जी भी बार-बार यह कहते हैं कि प्रदेश सरकारें महंगाई घटाने में योगदान दें। इससे प्रदेश के लोगों को और उम्मीद हो गई थी कि प्रदेश के लोगों को इस बजट में कुछ राहत मिलेगी। सर, अजीब सी बात है, पता नहीं इनको इस हाउस पर विश्वास नहीं है या कैप्टन अजय सिंह जी पर विश्वास नहीं था कि जब कैबिनेट की मीटिंग हुई उसमें यह फैसला लिया गया कि पांच तारीख को विधान सभा का सत्र बुलाया जाएगा और उस सत्र में बजट भी पेश किया जाएगा। सर, उसी मीटिंग में वैट को चार प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया । ऐसा करके इन्होंने प्रदेश की जनता को तोहफा देने का और मंहगाई बढ़ाने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने वैट का जिक्र करते हुए कहा था कि कांग्रेस की सरकार यह कह कर सत्ता में आई थी कि हमारी सरकार के आने के बाद हम वैट को खत्म करेंगे। अध्यक्ष महोदय, आज ये सदन में बड़े जोर शोर से कह रहे हैं कि प्लान बढ़ गया है। सर, मैं यह कहना चाहूंगा कि जब से हरियाणा बना है तब से उन 38 सालों में हरियाणा पर 23,319 करोड़ रुपए कर्जा था । इनके पिछले पांच साल के राज में 16 हजार करोड़ रुपए के कर्जे बढ़े हैं और इस बजट में 6 हजार करोड़ रुपए कर्ज के और बढ़ेंगे। सर, 38 सालों में तो 23,319 करोड़ रुपए और इनके छः सालों में टोटल 22 हजार करोड़ रुपए के कर्जे और बढ़ जाएंगे। मुझे समझ नहीं आता है कि ये किस प्रकार से प्लान की बात करते हैं कि हमने प्लान बढ़ा दिया। अध्यक्ष महोदय, जिस वैट का इन्होंने विरोध किया था उस वैट को हमने हरियाणा प्रदेश में लगा कर पूरे देश के लोगों को एक नई राह दी थी, जिसकी प्रशंसा पार्लियामैंट में भी हुई थी। अब ये कहते हैं कि हमने प्लान बढा दिया। (विघ्न)

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda) : Speaker Sir, I want to put the record straight. I was leader of opposition when they introduced the VAT. I never opposed but I had said that inisolation, it should not be imposed in Haryana only. It should be uniform in the country. On the record I said it. That is why at that time आपको याद होगा कि मैंने यह कहा था कि आप वैट को इनआईसोलेशन हरियाणा में न लगाएं, इससे व्यापारियों को, इन्डस्ट्रीज को नुकसान होगा। जब सब स्टेट्स लगाएंगी तभी लगाना । इसके बारे में इम्पावरमैंट कमेटी बनी हुई है और उसने फैसला किया हुआ है। Don't mislead the House.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के शायद ध्यान में न हो, यह बात इनके चुनावी घोषणा पत्र में है। क्या ये कांग्रेस के सदस्य नहीं थे। आज ये हाउस में कह रहे हैं कि मैंने उस वक्त एतराज नहीं किया। इनके चुनाव घोषणा पत्र में यह लिखित में है कि हम वैट को समाप्त करेंगे लेकिन इन्होंने फिर वैट लगा दिया।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : सर, यह ऑन रिकार्ड है कि मैंने यह कहा था कि हम हरियाणा में वैट के इनआईसोलेशन के विरोध में है, यह सारे देश में यूनिफार्मली लागू हो। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह इनके घोषणा-पत्र में है और घोषणा-पत्र किसी व्यक्ति विशेष का नहीं होता है वह पार्टी का घोषणा पत्र होता है जिसमें इन्होंने कहा है कि वैट खत्म करेंगे। (विघ्न)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने यह नहीं कहा था कि वैट न लगाएं। (विघ्न) हमारे घोषणा पत्र में कोई नहीं था, तुम्हारे घोषणा पत्र में था। (विघ्न) इन्होंने

व्यापारियों को बहकाकर हरियाणा बंद भी करवाया था । इन्होंने केवल वैट को लेकर ही नहीं बल्कि फार्म 38 पर भी हरियाणा बंद करवाया था लेकिन आज फार्म 38 भी लगाया हुआ है और वैट भी ये बढ़ाने जा रहे हैं। सर, मैं एक बात और कहना चाहूंगा । जब हमारी सरकार थी तो हमने पांच साल के अंदर 11 हजार करोड़ रुपये का कर्जा लिया और हमने जो वापस किया वह 19 हजार करोड़ रुपये किया और इन्होंने अपने पांच साल के अंदर 16 हजार करोड़ रुपये का कर्जा लिया और वापस केवल 8 हजार करोड़ रुपये किया । अध्यक्ष महोदय, ये ऐनुअल प्लान का जिक्र करते हैं । प्रो. सम्पत सिंह ने 2006, 2007 और 2008 की ऐनुअल प्लान के बारे में बताया। इस सरकार की पिछले साल की जो ऐनुअल प्लान थी वह 10 हजार 400 करोड़ रुपये की थी और अब की बार यह ऐनुअल प्लान 10 हजार 500 करोड़ रुपये की है यानी इसमें केवल एक परसैंट की इंक्रीज है।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से अपने अजीज भाई को बताना चाहता हूं कि सैंट्रल स्पोंर्स्ड स्कीम्ज के साथ यह प्लान 11863 करोड़ रुपये बन जाती है । मैंने जो बताया था वह यह था कि साढ़े तीन परसैंट से फालतू की इंक्रीज है । ये जो आंकड़े बता रहे हैं वह सैंट्रल स्पोंर्स्ड स्कीम से अलग बता रहे हैं। सर, मैं भी वैट लगाने का पार्ट रहा हूं इसलिए मुझे पता है कि आइसोलेशन में हरियाणा में वैट चार परसैंट से पांच परसैंट नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, एम्पावर्ड कमेटी की दिल्ली में रैगुलर मीटिंग्ज होती रहती हैं । उसमें मैं भी एज ए फाईनैंस मिनिस्टर जाता रहा हूं, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी जाते थे और अब कैप्टन साहब भी जाते रहते हैं । एम्पावर्ड कमेटी ने यह वैट बढ़ाया है और उस कमेटी की पांच परसैंट वैट करने की बात को हरियाणा ने भी, पंजाब ने भी और दिल्ली ने भी यानी सभी ने माना है।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं भी वही कह रहा हूं कि सबसे पहले वैट लगाने की बात हरियाणा ने मानी है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, वैट बढ़ाने की बात सबसे पहले केवल हरियाणा ने नहीं मानी है बल्कि पहले पंजाब ने वैट पांच परसैंट लगाया है।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर साहब, कल जब चौटाला साहब कह रहे थे कि यह सरकार जुगाड़ की सरकार है तो हमारे मित्र धर्मबीर कह रहे थे कि हमने भी 21 मैम्बर्ज से सरकार बनायी थी । स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि हमने 21 मैम्बर्ज से सरकार बनायी और ऐसी हालात में सरकार बनायी जब शराब माफिया की वजह से हरियाणा प्रदेश की कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से ठप्प हो गयी थी । हरियाणा प्रदेश की सड़कों में इतने ज्यादा गढ्ढे हो चुके थे कि उन पर चलना मुश्किल हो गया था । इस तरह के हालात में कांटों का ताज चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने अपने सिर पर लिया था और प्रदेश की स्थिति को संभाला था । उसके बाद जब उनको लगा कि ये दल बदल को बढ़ावा देने वाले लोग हैं तो उन्होंने 6 महीने के अंदर ही चुनाव करवाने की घोषणा कर दी थी ।

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मेरी व्यवस्था की बात है । इनकी इस बात का बजट से कोई मतलब नहीं है ।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, हम 6 महीने के अंदर ही दोबारा से लोगों के बीच में गए और लोगों का वरडिक्ट लिया तथा दोबारा सत्ता में आए । मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि वे भी ऐसा ही अनुसरण करें । * * *

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : इनकी यह बात रिकार्ड न की जाए ।

Shri Bhupinder Singh Hooda : Speaker Sir, he should withdraw his words. क्या यह गरिमा है ? इनको अपने शब्द वापस लेने चाहिए । इनकी यह बात बिल्कुल भी प्रजातांत्रिक नहीं है। He cannot take the House in his own way.

श्री अध्यक्ष : अरोड़ा साहब, मैं आपसे ऐसी बात की उम्मीद नहीं करता था । This is not fair. इनकी वह बात रिकार्ड से निकलवा दी गयी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी का नाम नहीं लिया है फिर भी अगर किसी को मेरी बात से पीड़ा हुई है तो मैं अपने शब्द वापस लेता हूं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, मामला खत्म हो गया।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं और हाउस को चलने दें । सांगवान साहब, कोई प्वायंट ऑफ आर्डर 12.00 बजे वाली बात नहीं है, आप अभी बैठें। मेरी आप सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि कोई भी कंट्रोवर्शियल बात न करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ********

Mr. Speaker : Chautala ji, be relevant. श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो बात कही है वह रिकार्ड न की जाए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के जो हिस्सेदार हैं उन पर इन्होंने कमैंट किए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : सर, प्रोफैसर साहब ने ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का जिक्र किया और बजट स्पीच के अंदर भी वित्त मंत्री जी ने कहा कि हम 4500 बसों का बेड़ा बनाना चाहते हैं । ये होना भी चाहिए क्योंकि आज प्रदेश के अंदर बसों की बहुत कमी है परन्तु जो ये पी०पी०पी० के अंदर करने जा रहे हैं जिसमें इन्होंने 1700 रूट छांटे हैं। मैं उनके बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि इस तरह के प्राइवेट रूट पहले भी दिये गये लेकिन उन रूट्स पर हालात ये हैं कि प्राइवेट रूट पर सरकार बस चलाने के लिए बाउंड है जिसके नतीजे में प्राइवेट ऑनर मर्जी से बसें चलाते हैं और जब उनको किसी शादी की बारात का ऑफर मिल जाता है वे उसमें चले जाते हैं और अपने रूट पर नहीं जाते जिससे उस रूट की सवारियों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। मेरी इस बारे में सरकार से प्रार्थना है कि उन प्राइवेट रूट ऑनर्स को वहां बसें चलाने के लिए बाउंड करे । वैसे तो ये कह रहे हैं कि 4500 बसें लायेंगे लेकिन आज असलियत ये है कि हरियाणा सरकार के बेड़े में 3500 बसें हैं और वह भी पूरी नहीं है। मंत्री जी ने एक प्रश्न के जवाब में माना है कि कुल 3175 बसें हैं, मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि वह भी पूरी नहीं हैं। यह कहा गया कि इस सरकार ने, मुख्यमंत्री जी ने किसानों के लिए बहुत कुछ किया है और यहां तक कहा कि हमने उत्पादन बढ़ाने के लिए अच्छे बीज दिये परन्तु हालात ऐसे हैं कि बीज के लिए लाइनों में लगना पड़ता है, बीज के लिए धक्का निकालते हैं, बीज लेने के लिए 3-3 दिन शाहबाद

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

की मंडी में उमरी बीज प्लांट के अंदर लोग लाइनों में खड़े रहते हैं । मेरे हल्के में अमीन गांव का एक लड़का तीन दिन तक उमरी प्लांट में बीज के लिए लाइन में खड़ा रहा और वापस जाते समय ऐक्सीडैंट में उसकी मौत हो गई। ये हालात हैं। खाद के बारे में कल मंत्री जी ने कहा कि खाद की कोई कमी नहीं है इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि आज तो कोई कमी नहीं है लेकिन जब जरूरत होती है तो कमी क्रिएट कर दी जाती है । जब किसान को जरूरत होती है तो उसकी कमी हो जाती है या डी०ए०पी० के साथ बीज का थैला लगा देते हैं, कोई दवाई का डिब्बा लगाना शुरू कर देते हैं, यूरिया के लिए राशन कार्ड मंगाते हैं। आपने कल मेरे माननीय साथी श्री रामपाल माजरा जी के कालिंग अटैंशन मोशन पर बोलते हुए माना है कि जितनी ऐलोकेशन है उतनी ही मांग है। मैं कहना चाहूंगा कि मांग के मुताबिक जब जरूरत हो तब उसकी ऐलोकेशन होनी चाहिए। ये नहीं कि जब जरूरत हो तो मार्किट से गायब कर दो,जब जरूरत न हो मार्किट में फेंक दो, इस से किसान का बहुत नुकसान होता है। अभी बिजली बिलों की माफी का जिक्र आया। 1600 करोड़ रुपये की कर्ज माफी की गई। अभी कल ही एक सवाल के जवाब में बिजली मंत्री जी ने माना कि अब भी 3200 करोड़ रुपये बकाया हैं इसका मतलब क्या है इसका यह मतलब है कि या तो 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ ही नहीं किये गये या फिर 3200 करोड़ बढ़े हैं तो किस प्रकार से बढ़े हैं यह स्पष्ट करना चाहिए। लोगों को बहकाना नहीं चाहिए कि हमने इतना कर्ज माफ किया। इस प्रकार से बिल और बढ़ते जा रहे हैं अब 3200 करोड़ रुपये बिलों का कर्जा हो गया है। चलो 6 साल के बाद ही सही इनको याद तो आ गया । इसलिए इन्होंने जो कल्पना चावला मैडीकल कालेज करनाल में खोलने की घोषणा की है मैं उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। वह हमारा एरिया है। लेकिन मैं वित्त मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी ने घोषणा तो कर दी लेकिन क्या इस वित्त वर्ष में इसके लिए कोई पैसे का प्रावधान किया गया है या नहीं या फिर यह खाली घोषणा ही रहेगी और पांच साल ऐसे ही चलता रहेगा ? अब मैं हैल्थ के बारे में बात करना चाहूंगा। आज प्रदेश में बहुत से ऐसे गरीब लोग भी हैं जो दवाई भी नहीं ले सकते । इस सरकार ने सरकारी होस्पिटल्ज के प्राईवेट कमरों का नहीं बल्कि जनरल वार्ड के लिए 100 रुपये प्रति बैड प्रति दिन के रेट कर दिए हैं। किस प्रकार सरकार कहती है कि हम गरीब की मदद करना चाहते हैं ? स्पीकर सर, हमारे साथी श्री कृष्णपाल गुर्जर जी ने कल एक बात सही कही थी कि आज जमीन के रेट बढ़ गये हैं। हर जगह बढ़ गये हैं । मैंने पिछले सैशन में भी कहा था कि यह सरकार अगर यह श्रेय ले कि जमीनों के रेट बढ़ा दिए तो यह गलत है । आज देश में नहीं बल्कि बाहर के देशों में भी जमीन के रेट बढ़े हुए हैं। मैं एक बात इस बारे में कहना चाहूंगा कि सिवाए जिस जमीन पर आपने पानी की टंकी बनानी हो या कोई सड़क बनानी हो, इसके अलावा किसी और काम के लिए किसान की जमीन एक्वायर न की जाए। अगर उसकी जमीन एक्वायर की जाए तो उसे मार्केट रेट दिया जाए । सरकार हुड्डा के लिए जमीन एक्वायर करती है और फिर छोड़ देती है जिससे उस किसान का नुकसान होता है। मेरा एक प्रश्न भी था और मेरा सरकार से अनुरोध भी है कि जो गांवों से बाहर डेरे और ढाणियां बसी हुई हैं उनको भी बिजली की सुविधा दी जाए। आज सरकार ने टयूबवैल्ज की बिजली और गांवों की बिजली को अलग-अलग कर दिया है। विशेष रूप से ज्यादातर डेरे और ढाणियां आपके और हमारे एरिया में ज्यादा हैं। आज उनकी हालत यह है कि बिजली आती नहीं, 24 घण्टे में से मुश्किल से 4 घण्टे बिजली आती है जिससे वहां रहने वाले लोग बहुत परेशान हैं । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन डेरे और ढाणियों को भी गांवों की बिजली के साथ जोड़ दिया जाए ताकि उन लोगों को भी सुविधा मिल सके । स्पीकर सर, एक बात बहुत अजीब है कि कुरुक्षेत्र एक होली सिटी डिक्लेयर किया हुआ है । स्पीकर सर, आपने भी

[श्री अशोक कुमार अरोड़ा]

अखबार में पढ़ा होगा और सरकार के पास आंकड़े होंगे कि सरकार ने कुरुक्षेत्र जैसे पवित्र शहर के अन्दर शंख बजाने पर पाबन्दी लगा दी है । वहां पर लोगों के चालान इसलिए किए गये क्योंकि उन्होंने अपनी दुकानों पर शंख रखे थे । शंख रखने वाले दुकानदारों के चालान हो गये । स्पीकर साहब, आज आप देखते हैं कि कुरुक्षेत्र के होटलों के अन्दर शराब और मांस परोसा जाता है लेकिन उनके कोई चालान नहीं होते। यह कैसी सरकार है ? इस प्रकार से हिन्दु संस्कृति पर इन्होंने कुठाराघात किया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, बड़े अफसोस की बात है कि हमारा आस्था का प्रतीक शंख दो बजे बजता है तीन बजे बजता है, पंडित जी, ये न तो दो बजे बज रहा था और न ही तीन बजे बज रहा था, यह तो दुकान से उठाकर उसका पर्चा दर्ज किया गया । मैं यह कहना चाह रहा था । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुए हैं उनके मुकदमे वापस लिए जाएं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : शंख के बजाने पर कोई पाबन्दी नहीं है और सरकार ने ये केस विदड्रा कर रखे हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें इंटरवीन नहीं करना चाहता क्योंकि मेरे साथी बोल रहे हैं और इनको बोलने का पूरा अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, आप इनको बोलने के लिए मना न करें। जहां तक कुरुक्षेत्र का सवाल है तो वहां के मंदिरों का अधिग्रहण करने की नोटिफिकेशन इनकी सरकार ने ही की थी । हमारी सरकार ने तो उस नोटिफिकेशन को विदड्रा किया था । हमारी तो धर्म के प्रति पूरी आस्था है। यह बात सबको पता है, सारे हरियाणा को यह पता है।

श्री अशोक कुमार अरोड़ा: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि हमारी सरकार ने मंदिरों का अधिग्रहण किया था तो मैं कहना चाहूंगा कि हमने मंदिरों का अधिग्रहण इसलिए किया था ताकि माता मनसा देवी की तरह, माता वैष्णो देवी की तरह और शीतला माता मंदिर की तरह कुरुक्षेत्र के मंदिरों का विकास हो ताकि लोगों की धर्म के प्रति और आस्था बढ़े । हमने कुरुक्षेत्र का नाम बढ़ाने के लिए गीता जयन्ती उत्सव को बढ़ावा दिया था । उस समय हमने इंटरनैशनल मैप पर कुरुक्षेत्र को लाने की कोशिश की थी । कभी समय था कि कुरुक्षेत्र में गीता जयन्ती उत्सव पर देश के उप राष्ट्रपति आते थे, कभी देश के उप प्रधानमंत्री आते थे और सैंटर से वजीर आते थे। अध्यक्ष महोदय, हमने कुरुक्षेत्र की महत्वता को देखते हुए गीता जयंती उत्सव का खर्चा 2 करोड़ रुपये किया था लेकिन कांग्रेस सरकार ने उस राशि को घटाकर 30 लाख रुपये किया था। अध्यक्ष महोदय, ये किस प्रकार से कुरुक्षेत्र की महानता को बढ़ाना चाहते हैं । इनकी सरकार ने सारे काम पी०पी०पी० यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के शू करवा दिए। इन्होंने पानीपत और गुडगांव का बिजली का डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट हाथों में दिया । इस बात को खुद मंत्री जी ने माना था कि इन दोनों जिलों में बिजली की डिस्ट्रीब्यूशन ठीक नहीं है इसलिए इसको प्राइवेट हाथों में देने जा रहे हैं। मेरा सुझाव है कि डिस्ट्रीब्यूशन अच्छा बनाया जाए। (विघ्न) यह अच्छी बात है, इससे सरकार की इच्छाशक्ति का पता लगता है। अध्यक्ष महोदय, इनको चाहिए तो यह था कि ये कुछ सुधार करते लेकिन इन्होंने तो रिलांयस को पकड़ा हुआ है। इन्होंने सारे काम रिलांयस को दे दिए। इनकी तो यह सोच है कि सड़कें ठीक नहीं बन रही हैं इसलिए इनका काम रिलांयस को दे दो । इसका मतलब सरकार ठीक नहीं चल रही है तो सरकार भी ठेके पर रिलांयस को दे दो (विघ्न) । सारे काम रिलांयस

को दिए जा रहे हैं । (विघ्न) एक तरफ तो वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि हमारा प्लान बढ़ा है परन्तु जो आज प्राइवेट कालेजिज है उनमें नॉन टीचिंग स्टाफ और टीचिंग स्टाफ को तीन-तीन महीने से तनख्वाह नहीं दी जा रही। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में एक कालेज ऐसा है जहां के कर्मचारी पिछले 4 महीनों से हड़ताल पर बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर 3 महीनों तक टीचिंग स्टाफ को, नॉन टीचिंग स्टाफ को और चौकीदार तक को तनख्वाह नहीं मिलेगी तो गरीब आदमी कैसे अपने बीवी बच्चों का पेट पाल सकेंगे ? मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि उनको टाइम पर तनख्वाह मिले इसके लिए पूरा इंतजाम करवाया जाए। सरकार ने कहा है कि हम शहरों की अवैध कालोनियों को नियमित करने जा रहे हैं। कालोनियों को नियमित करने जा रहे हैं यह अच्छी बात है परन्तु कुछ ऐसी कालोनियां हैं जहां आज बाहर से लोग आकर रह रहे हैं इसलिए इस तरफ जरूर ध्यान दिया जाए । कई कालोनियां ऐसी हैं जो 100 परसैंट पूरी तरह बन गई हैं लेकिन उनको सरकार नियमित नहीं कर रही हैं । हमारे शहर में तो ऐसा है कि मेला एरिया के अंदर नगरपालिका ने नक्शे पास कर दिए । एक कमेटी बिठाई गई । कमेटी की रिपोर्ट में माना गया कि मेला एरिया में नक्शे पास किए जाएं परन्तु आज तक उस रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, सरकार को यह देखना चाहिए कि जो आउटर कालोनियां हैं उनमें पानी की, बिजली की और सीवरेज की पूरी सुविधाएं दी जाएं। आज हर विभाग में कर्मचारी ठेके पर लगाए जा रहे हैं। यूनिवर्सिटीज में ठेके पर कर्मचारी लगाए जा रहे हैं । स्वीपर्ज तक भी ठेके पर लगाए जा रहे हैं । पब्लिक हैल्थ के कर्मचारी ठेके पर लगाए जा रहे हैं । ठेकेदार को ठेका दे दिया जाता है और जो डी०सी० रेट हैं उसमें से भी ठेकेदार अपनी कमीशन ले लेता है तो इस प्रकार गरीब आदमी कैसे अपना गुजारा चलाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से मांग है कि इस ठेकेदारी प्रथा को खत्म किया जाए। कर्मचारी रैगुलर लगाएं जाएं ताकि उनके बीवी बच्चों को नौकरी की चिंता न रहे। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त एक बात सरकार की तरफ से यह भी कही गई है कि इन्होंने कर्मचारियों की भर्ती की है लेकिन इसमें सच्चाई यह है कि 2006 में जो पोस्टें एडवरटाईज की गई थी उनको चार साल हो गये आज तक उनकी भर्ती नहीं हुई है। अब 2010 चल रहा है और पोस्टें 2006 में एडवरटाईज हुई थी लेकिन आज तक पोस्टें भरी नहीं गई हैं । अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बहुत प्रचार किया और श्रेय लेने की कोशिश की कि इन्होंने हरियाणा में पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा दिया है । वित्तमंत्री जी अपने रिप्लाई में यह जरूर बतायें कि पंजाबी भाषा को प्रदेश में दूसरी भाषा का दर्जा देने के लिए बिल कौन सी तारीख को लाया गया, किस तारीख को राज्यपाल महोदय से इसकी नोटिफिकेशन हुई और किस तारीख को सक्रेटरी साहब ने इसकी अनाउंसमैंट की थी। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो पांच साल तक इसको लटका कर रखा है । किसी भाषा को बढ़ावा देने के लिए खाली यह कह देना कि पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा दिया जायेगा यह काफी नहीं है । आज के दिन भी पंजाबी भाषा को प्रदेश में दूसरी भाषा का दर्जा देने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है । आज के दिन प्रदेश में पंजाबी भाषा पढ़ने वाले बच्चे हैं लेकिन स्कूलों में टीचर नहीं हैं । सरकार कहती है कि जिस स्कूल में पंजाबी पढ़ने वाले पांच बच्चे भी होंगे तो वहां पंजाबी भाषा का टीचर लगायेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जब टीचर ही नहीं होंगे तो बच्चे कहां से आयेंगे । ये यह बता दें कि मुर्गी पहले आई थी या अण्डा । यदि सरकार पंजाबी भाषा को प्रदेश में दूसरी भाषा का दर्जा देना चाहती है तो पहले पंजाबी भाषा के टीचर्स की भर्ती करनी चाहिए और फिर इस भाषा को प्रमोट करो । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं और इस बजट का पुरजोर विरोध करता हूं ।

श्री अनिल विज (अंबाला कैंट) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात शुरू करने से पहले एक प्रार्थना करना चाहूंगा कि कल सदन 2 बजे एडजर्न कर दिया था और चार मैंबर मुश्किल से बजट पर बोले थे । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप समय का ध्यान रखें । सदन की कार्यवाही के लिए सदन का समय बढ़ाना है या नहीं वह बाद में देखा जायेगा । प्लीज, आप बजट पर बोलें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आज सदन लम्बे समय तक चलाया जाये । ऐसा पहले भी चलता था और भोजन की व्यवस्था भी विधान सभा में ही होती थी ।

श्री अध्यक्ष : विज साहब, यह बाद में देखेंगे । आप बजट पर बोलना शुरू तो करो।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्तमंत्री महोदय कैप्टन अजय सिंह यादव जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है उस पर मैं संक्षिप्त में बात करने के लिए खड़ा हुआ हूं । अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी से एक गलती हो गई है कि कैबिनेट एक्सटैंशन के बाद मंत्रियों को विभाग बांटने से पहले इन्हें जो 'थ्री इडियट' फिल्म आई है यह देखनी चाहिए थी । अध्यक्ष महोदय, क्या आपने थ्री इडियट फिल्म देखी है ? मैंने तो यह फिल्म देखी है, मैं कोई आक्षेप नहीं कर रहा हूं । इस पिक्चर में अनेक बातें हैं जिन पर हमें विचार करना चाहिए । (विघ्न) इस पिक्चर के अंदर बहुत सी बातें बताई गई हैं । इसमें यह बताया गया है कि इस दुनिया में हर आदमी हर काम के लिए नहीं बना । हर आदमी में अलग दिमाग और अलग काबिलियत होती है और अगर उसको उसकी काबिलियत के मुताबिक काम नहीं दिया जायेगा तो रिजल्ट अच्छे नहीं निकलेंगे । यदि इंजीनियर को डाक्टर बनायेंगे तो डाक्टर फेल हो जायेगा और डाक्टर को इंजीनियर बनायेंगे तो इंजीनियर फेल हो जायेगा । यदि मुख्यमंत्री जी ने यह फिल्म देखी होती तो कैप्टन अजय सिंह यादव को वित्त मंत्री नहीं बनाते । (हंसी)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, थ्री इडियट्स पिक्चर गत विधान सभा इलैक्शन के बाद में आई और अगर कहीं यह पिक्चर इलैक्शन से पहले आ जाती और अम्बाला कैंट के लोग उसे देख लेते तो विज साहब को विधायक कभी न बनाते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, एक फौजी जिसके हाथ में बंदूक होती है उसके हाथ में मुख्यमंत्री जी ने बजट का ब्रीफकेस पकड़ा दिया । (शोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर सर, मुझे मालूम है कि विज साहब की मंशा ऐसी नहीं होगी परन्तु जो देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले लोग हैं उनसे बहादुर और उनसे काबिल कोई दूसरा नहीं हो सकता इसलिए हमें इस बात का फख्र है कि उनमें से एक हमारे वित्त मंत्री हैं ।

Mr. Speaker : Vij Sahib, you are going to loose your time. Please continue and don't waste the time.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैं बजट पर ही बोलूंगा और अगर कहीं इर-रैलेवैंट बोलूं तो आप मुझे रोक देना, मैं बैठ जाऊंगा । स्पीकर सर, मैं वित्त मंत्री महोदय की काबलियत पर शक नहीं कर रहा

हूं। मैं कहना चाहता हूं कि ये और काम बहुत अच्छे तरीके से कर सकते थे और मुख्यमंत्री जी के पास तो और बहुत से काबिल-काबिल लोग हैं।

श्री अध्यक्ष : मुख्यमंत्री जी को आपके सलाह लेने के लिए अम्बाला कैंट आने की जरूरत नहीं थी । It is his prerogative. Mr. Vij, please speak on budget.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, इनकी कठिनाई यह थी कि इन्होंने यह उम्मीद की थी कि इनके 70 एम.एल.एज़. चुनकर आयेंगे लेकिन आये सिर्फ 40 एम०एल०एज़० । इस कारण इनको कठिनाई आ गई । स्पीकर सर, इनकी इस कठिनाई का हल मुझे भी समझ में नहीं आता। स्पीकर सर, छोटे होते हुए हमने एक कहानी पढी थी " अली बाबा चालीस चोर " उसके बारे में मैं यहां कहना नहीं चाहता लेकिन (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Mr. Vij, would you start your budget speech?

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैं बजट पर ही आ गया हूं । स्पीकर सर, जब वित्तमंत्री महोदय अपना बजट प्रस्तुत कर रहे थे तो उस समय बहुत मेजें थपथपाई गई थी कि हमारी स्टेट 7 प्रतिशत आर्थिक विकास हासिल करने जा रही है जिसके लिए वित्त मन्त्री जी ने प्रेरित किया है। इसके साथ-साथ इसमें इन्होंने अपनी पार्टी की नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी का भी आभार प्रकट किया कि हमें उनका मार्गदर्शन मिलता है और इसीलिए हम 7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर प्राप्त करने की ओर अग्रसर हैं । कुल मिलाकर ऐसा बताने की कोशिश की गई । इसके अलावा काफी विज्ञापनों में भी कहा जाता रहा है कि हरियाणा नम्बर वन है । स्पीकर सर, इस बारे में मैं आपको कुछ तथ्य बताना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश की आर्थिक विकास दर 8.67 प्रतिशत है और गुजरात की आर्थिक विकास दर 11.05 प्रतिशत है । इसके अलावा बिहार भी इस मामले में हमारी स्टेट से आगे है और उसकी आर्थिक विकास दर 11.03 प्रतिशत है। स्पीकर सर, *******(शोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। जो श्री विज जी ने अभी बोला है इस पोर्शन को सदन की कार्यवाही से निकलवाया जाये। जो इस हाऊस के मेम्बर नहीं है ये उसके बारे में ऐसा नहीं बोल सकते।

श्री अध्यक्ष : ठीक है जी, इस पोर्शन को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैं व्यंग्य नहीं कर रहा हूं और अगर आपको यह व्यंग्य लगता है तो मैं अपने शब्द वापस ले सकता हूं। (शोर एवं व्यवधान) इस दस्तावेज में श्रीमती सोनिया गाँधी और श्री मनमोहन सिंह का नाम लिखा हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जब महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर उनका जिक्र आ सकता है और बजट पर उनका जिक्र आ सकता है तो उस वक्त कैसे ये मैम्बर मान लिये गये ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : क्रिटिसिजम में उनका जिक्र नहीं आ सकता । (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य उनका जिक्र करते हैं तो उसमें गलत क्या है ? या इनको ही बोलने की इजाजत है और हमें इजाजत नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Anil Vij : Speaker Sir, I beg to move कि इस दस्तावेज में से श्रीमती सोनिया गाँधी और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी का नाम निकाल दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : No, No, जो मैम्बर ऑफ दा हाउस नहीं है, उसको एप्रिसिएट तो किया जा सकता है, उसकी तारीफ तो की जा सकती है लेकिन उसको क्रिटिसाईज नहीं किया जा सकता । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैंने क्रिटिसाईज नहीं किया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जो आप कह रहे थे it amounts to criticism. (शोर एवं व्यवधान)

Shri Anil Vij : Speaker Sir, my humble submissions is कि दूसरे प्रदेश विकास दर में हमारे से भी आगे निकल रहे हैं । मैं यह कहना चाहता हूँ (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, अब आप वह आदत छोड़ो, अब आप बुजुर्ग हो गये हैं । आपकी दाढ़ी बड़ी हो गई है और चिट्टी भी हो गई है । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, only on a point of order. सर, मैं आपकी अनुमति से सदन के ध्यान में दिलाना चाहूँगा जो आज के समाचार पत्रों में भी बहुत विस्तार से छपा है। आदरणीय विज साहब ने बोलते हुए यह कहा कि हरियाणा ग्रोथ में सबसे पीछे हैं। सर, ऐसोचैम, यानी ऐसोसिएटिड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इंडिया है, उसके सैक्रेट्री जनरल ने एक रिपोर्ट आज पूरे देश के बारे में पेश की है। सर, यह इकॉनॉमिक टाईम्स और टाईम्स ऑफ इंडिया दोनों समाचार पत्रों में छपी है। मैं इकॉनॉमिक टाईम्स में छपा उसकी रिपोर्ट का एक पोर्शन आपकी अनुमति से यहाँ सदन में पढ़ कर बताना चाहूँगा। वह इस प्रकार है :-

> "Haryana has registered a phenomenal 70% implementation rate of pledged investments - despite global slowdown during 2008-09 - against 33% witnessed in other States. (Noise & interruptions) According to a study undertaken by ASSOCHAM on "Achieving double-digit growth in Haryana", there were 635 live investment projects worth around Rs. 3.50 lakh crore in Haryana till 2009-end. The Associated Chambers of Commerce and Industry of India, (ASSOCHAM) Secretary-General D.S. Rawat said, "The present status of these investments projects reveals that about 70% of investments are seeing implementation. About 29% of the live investments are in the announcement stage. During the three months period till September 2009, seven projects worth Rs.3,840 crore were completed." While implementation rate of pledged investments for Gujarat, Maharashtra, Tamil Nadu and Karnataka were 45%, 40%, 38% and 34%. Haryana is inching towards double-digit growth. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, मिस्टर विज, अब आप बोलिए ।

Shri Anil Vij : Speaker Sir, the word 'Budget' has been derived from French. बाकेट (Bougette) जिसका मतलब होता है पर्स, जिसका मतलब होता है कि प्राप्तियाँ और खर्चों की सूची,

उसको बजट कहते हैं सर । वित्त मंत्री जी ने यह बजट प्रस्तुत किया है । इसमें एट ए ग्लांस पर जो कंसोलिडेटिड फंड दर्शाये गये हैं उनकी तरफ मैं इनका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । इन्होंने रैवेन्यू अकाउंट्स में जो रिसीप्ट दिखाई हैं सर, वे दिखाई हैं 24540.83 करोड़ रुपये, उसकी जो फरदर बाईफर्केशन की गई हैं उसमें सर, 18663 करोड़ रुपये टैक्स रिवैन्यू दिखाया गया है । उसमें सेल्ज टैक्स की रिसीट के 11,500 करोड़ रुपए दिखाए हैं, यह इनको प्राप्तियां होनी हैं। जो प्राप्तियां होनी हैं उस बारे में आदमी डिटेल बनाते हैं, डाटा बनाते हैं कि क्या क्या और कहां कहां से आएगा ? एक्चुअली होता क्या है, जब वित्तमंत्री बजट पढ़ता है हम उस पर चर्चा करनी शुरू कर देते हैं। असलियत यह नहीं होती है यह तो असल बजट की सुर्खी बिन्दी होती है । (विघ्न)

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, यह डैरोगेटरी रिमार्कस हैं । (विघ्न) (इस समय कांग्रेस पार्टी की बहुत सी महिला सदस्य बोलने के लिए खड़ी हो गईं ।)

Mr. Speaker : This is unfortunate.

कैप्टन अजय सिंह यादव : आप महिलाओं का अपमान कर रहे हैं । (विघ्न) आपको इनसे माफी मांगनी चाहिए । (विघ्न) आप महिला विरोधी हैं । (विघ्न)

श्री अनिल विज़ : मैं सभी बहनों से कहना चाहता हूं कि मैं अपने शब्द वापस ले लेता हूं। मेरा ऐसा कोई मतलब नहीं था । (विघ्न) मैं अपनी बात को दोबारा से कहने की कोशिश करता हूं ।

श्री अध्यक्ष : आपका समय हो गया, अब आप बैठें। आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं ।

श्री अनिल विज़ : स्पीकर सर, इन्होंने सेल टैक्स की 11 हजार 500 करोड़ रुपए की रिसीट दिखाई है। जब मैंने इसको बजट में देखा तो उसमें 11 हजार 500 करोड़ रुपए की फरदर बाईफरकेशन थी मैं आपको उसके बारे में बताना चाहूंगा कि किस प्रकार का फर्जी बजट सदन में पेश किया गया है। सर, इसमें पेज 23 पर जो रिसीट अन्डर सैंट्रल सैल्ज टैक्स दिखाई गई है उसमें 2009-10 का 880 करोड़ रुपए बजट एस्टीमेट किया गया और 403 करोड़ 51 हजार रुपए का रिवाईज एस्टीमेट था। सर, जो 403 करोड़ रुपए था उसको बजट एस्टीमेट में 1450 करोड़ रुपए लिख दिया है। 403 करोड़ रुपए का जो रिवाईज एस्टीमेट है वह 2009-10 में उसका किस हिसाब से एस्टीमेट 1450 करोड़ रुपए हो सकता है। अगर ऐसा होगा तो आगे क्या होगा। यह फर्जी आंकड़ा है। सर, अगर आप मुझे 2-4 दिन का समय दे तो ऐसे बीसियों आंकड़े इसमें से निकाल सकता हूं । मैंने अभी यह एक ही निकाला है । (विघ्न) आप जवाब दे देना । (विघ्न) you owe on explanation to the House या तो आप और कोई टैक्स लगाने की मंशा रखते हैं वर्ना 403 करोड़ के 1450 करोड़ रुपए किसी प्रकार से नहीं हो सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, आप मुझे समय की घड़ी दिखा रहे हैं। सर, मैं देखना चाहता हूं कि taxes on consumption and sale of electricity इसमें एक्चुअल रिसीप्ट 2008-09 के थे वे 10 करोड़ 96 लाख 78 हजार 879 रुपए थे । सर, बजट एस्टीमेट 2009-10 का बना 10 करोड़ का और इसको इन्होंने 124 करोड़ रुपए लिख दिया और इस साल में यह 134 करोड़ कर दिया । सर, इस बारे में मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि should we discuss on that Budget, जोकि फर्जी आंकड़े पर बना है । जब हमारी रिसीप्ट फर्जी है तो हमारा खर्चा कितना जायज दिखाया होगा, उस पर हम प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। सर, बाकी आंकड़ों पर काफी लोग डिस्कस कर चुके

हैं और मैं उनके बारे में यहां पर बात नहीं करना चाहता हूं । लेकिन हरियाणा की जनता ने इस बजट से उम्मीद की थी कि महंगाई कम की जाएगी । सर, मैं एक कपलेट कहना चाहता हूं और आपकी दाद चाहता हूं कि :

कांग्रेस जब जब आती है, महंगाई साथ लाती है,
कांग्रेस जब जब आती है, महंगाई साथ लाती है ।
भ्रष्टाचार बढ़ जाता है, कानून व्यवस्था चरमराती है,
कांग्रेस जब जब आती है, महंगाई साथ लाती है । (विघ्न)

सर, महंगाई और भ्रष्टाचार दूर करना और कानून व्यवस्था दुरुस्त करना कांग्रेस पार्टी के एजेंडे पर कभी नहीं रहे । आप चाहे इतिहास उठाकर देख लें, कभी भी इनके एजेंडे पर ये चीजे नहीं थी ।

वित्त मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, बंगारू लक्ष्मण कौन थे ? ये ऐसे आरोप न लगाए नहीं तो हमें भी कहना पड़ेगा ।

श्री अनिल विज : सर, जनता के ऊपर वैट पर सरचार्ज लगाकर जो इन्होंने अतिरिक्त भार डालने की कोशिश की है उससे जनता की परेशानियां और बढ़ेंगी । आलरेडी सारा देश महंगाई से पीड़ित है । अध्यक्ष महोदय, अगर हम सदन से बाहर इस बारे में बात करते हैं तो हमें लाठियों से मारा जाता है और यदि महंगाई पर हम सदन के अंदर काम रोको प्रस्ताव देते हैं तो उस पर चर्चा नहीं करने दी जाती, बात नहीं करने दी जाती । सर, आप सुप्रीम हैं । मैंने अपना एक कालिंग अंटेशन मोशन दिया था कि चण्डीगढ़ में मंहगाई पर प्रदर्शन करने पर हमारे ऊपर लाठियां मारी गयी तो वह कालिंग अंटेशन मोशन आपने यह कहकर रिजैक्ट कर दिया कि वह मामला यू.टी. क्षेत्र का है। सर, अगर आस्ट्रेलिया में इंडियन्स पिटते हैं तो वह मामला सारे देश का हो जाता है, पाकिस्तान में तालिबान द्वारा दुखद तरीके से दो सिखों का बिहैड किया गया तो वह भी सारे देश का कंसर्न हो जाता है और हरियाणा की जनता अगर चण्डीगढ़ में पिटती है तो आप कहते हैं कि यह हमारा कंसर्न नहीं हैं । How the Government can be so? अपने प्रदेश की जनता के बारे में यह कहना कि इसके लिए हमारा कंसर्न नहीं है, ठीक नहीं है। सर, मैं यह कह रहा था कि मंहगाई पर चर्चा करने की इजाजत कांग्रेस पार्टी नहीं देती है । जो वैट पर सरचार्ज बढ़ाया है इससे मंहगाई और बढ़ेगी और लोगों का जीना और ज्यादा दूभर हो जाएगा । सर, अब इसमें यह प्रश्न भी उठता है कि प्रदेश को विकास की तरफ लेकर आगे जाना है तो रिसोर्सिज बढ़ाने चाहिएं। We all know about it कि रिसोर्सिज बढ़ाने चाहिएं लेकिन रिसोर्सिज बढ़ाने के कई और तरीके भी हो सकते हैं । सबसे बड़ा तरीका तो यह होना चाहिए था कि सरकार अपने खर्चों में कटौती करके और भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर रिसोर्सिज बढ़ाती । आज प्रदेश में यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है कि एक समानान्तर व्यवस्था चल रही है। जितना टैक्स सरकारी खजाने में आता है उससे ज्यादा टैक्स बाहर इक्ट्ठा किया जाता है । तहसीलों में रजिस्ट्री कराने पर ही जितना अतिरिक्त पैसा वहां पर लिया जाता है । अगर सरकार केवल उसको ही रोक दें तो बजट घाटे की सारी भरपायी पूरी हो सकती है। Our emphasis should have been on that, हमें यह तरीके अपनाने चाहिएं। मैं यह नहीं कहता कि विकास के लिए आपको साधन नहीं जुटाने चाहिएं । साधन हम जुटा सकते हैं। सरकार अगर चाहें तो अपने सरकारी खर्चो में कटौती कर सकती है। यहां पर ऐनुअल प्लान की दस हजार करोड़ रुपये की

बात बतायी गयी है लेकिन अगर यह पैसा भी पूरे का पूरा लगाने का ये प्रयास करें तो प्रदेश कहीं का कहीं पहुंच सकता है । अध्यक्ष महोदय, एक नेता ने कहा था कि केवल पांच पैसे जनता तक जाते हैं मैं उस नेता का नाम नहीं लूंगा । लेकिन यह बात सही है कि लोगों तक पैसा पहुंचता नहीं है जिसके कारण यह बातें होती हैं । हमारा एमफासिज इन बातों पर ही होना चाहिए । लेकिन यहाँ भ्रष्टाचार व खर्चों को कम नहीं किया गया क्योंकि हमारा देश करप्शन की क्यू में चलता है जुर्म हर रोज नया एक निकलता है, पुलिस गरीब को जेल में डाल देती है मुजरिमे वक्त तो हाकिमों के साथ चलता है । सर, मैं अपने हल्के की बजट से संबंधित दो चार बातें कहना चाहता हूं । सर, एक तो पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप की यहां पर बहुत चर्चा की गयी। मैं इस कंसैप्ट के बारे में कहना चाहता हूं । ये कहते हैं पी पी पी लेकिन सब कुछ तो ये पी गए अब क्या लोगों का लहू पीना है ? सर, पी.पी.पी. का कंसैप्ट ठीक नहीं है । जो-जो प्रौफिटेबल काम है उन सबके ऊपर इन राजधरानों की नजर है। (विघ्न)

वाक-आउट

श्री अध्यक्ष : आप यह हल्के की बात थोड़े ही कर रहे हैं।

Capt. Ajay Singh Yadav: It shows how much he is serious about his Constituency.

श्री अनिल विज : मेरे हल्के की तो खाली टूटी हुई सड़कें ही बनवा दो तो बहुत होगा । विकास के मामले में प्रदेश में बहुत ज्यादा इम्बैलैंस है। सारे काम चंद जिलों में होते हैं सारा पैसा उन जिलों में लगाया जाता है।

इस सावन में एक अजब बात हुई,

सारा प्रदेश छोड़कर केवल रोहतक में बरसात हुई ।

श्री नरेश शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ******

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप बैठ जाएं। I will not permit you.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपने हल्के के बारे में 2-4 बातें कहनी हैं। ****

श्री अध्यक्ष : श्री अनिल विज अब जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए । (विघ्न)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपने हल्के की बातें यहां नहीं रखने दी जा रही हैं इसलिए मैं ऐज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय भारतीय जनता पार्टी के सदस्य श्री अनिल विज अपने हल्के की बात न रखने देने के विरोध में ऐज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट कर गए।)

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

पंडित कुलदीप शर्मा (गन्नौर) : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : पंडित जी, आप बोलना चाहते हैं तो बोलिए। आप अपनी स्पीच दें। (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

पंडित कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ****

श्री अध्यक्ष : यह जो अनपार्लियामेनटरी बात कही गई है यह रिकार्ड न की जाए। (शोर एवं व्यवधान) कुलदीप शर्मा जी, बजट पर बोलना हो तो बोलें नहीं तो आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

पंडित कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने जो शानदार बजट यहां पर प्रस्तुत किया है वह विकास की एक नयी दास्तान हरियाणा सरकार द्वारा लिखी गई है। अगर आप सम्मानित वित्त मंत्री जी के भाषण पर नजर डालेंगे तो पायेंगे कि हरेक क्षेत्र में गुणात्मक विकास हो, इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, बहुत लम्बे समय तक हरियाणा में शिक्षा को राजनीति का केन्द्र बना दिया गया था । एक ऐसा समय था जब हिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी रिसर्च के लिए बनाई गई थी । पिछली सरकारों ने वहां पर राजनीति का प्रवेश कराकर उसको राजनीति का अड्डा बना दिया और वहां पर रिसर्च तो बैकग्राउंड में चली गई । जब माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में एक नया सवेरा हरियाणा में हुआ तो हरियाणा को आगे बढ़ाने के लिए इस बात पर विशेष ध्यान रखा गया । सर, अब जमीन तो बढ़ेगी नहीं। आज हमारे स्त्रौत भी सीमित हैं इसलिए हरियाणा के नौजवान और कल की भविष्य की पीढ़ी को गुणात्मक आधार पर शिक्षा देनी होगी। उसी का रिजल्ट है कि आज हरियाणा में कांग्रेस की सरकार जिसका नेतृत्व चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी कर रहे हैं, आने के बाद 8 नई यूनिवर्सिटीज का आगाज हरियाणा में हुआ है और नए मैडीकल कालेजिज खोले गये हैं। यह बात मैं विशेष रूप से कहना चाहता हूं क्योंकि कई सदस्यों की इस बात की आपत्ति रही है कि फलां क्षेत्र पर ध्यान दिया गया है और फलां क्षेत्र का ध्यान नहीं रखा गया। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि शिक्षा के क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा के हर क्षेत्र में रंग भरा है । इस बारे में एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोपोजल इस बजट में भी आ रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी और कांग्रेस की सरकार फरीदाबाद में ई.एस.आई. के अन्तर्गत मैडीकल कालेज बना रही है। मेवात का एरिया किसी जमाने में इग्नोर्ड एरिया माना जाता था । यह गलत ब्यानी की गई थी कि मेवात को जिला बनाने का प्रस्ताव पिछली सरकार में रखा गया था लेकिन मेवात के जिले की क्रिएशन हमारे सम्मानित मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के दस्तखतों से हुई और मेवात हमारी सरकार आने के बाद जिला बना था । मेवात को एक किस्म से जो ट्राईब्ल बना दिया गया था उस मेवात जिले के अन्दर पीने के पानी की व्यवस्था हो वहां पर शिक्षा का विकास हो, इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी की कलम चली । अब मेवात में भी वहां के लोगों का एक सपना साकार हुआ है जो वहां पर मैडीकल कालेज की स्थापना हुई है । मेवात में भी मैडीकल कालेज बने, मेवात में भी पीने का पानी पहुंचे और मेवात के लिए स्पेशल इरीगेशन स्कीम्ज आयें, इस पर कांग्रेस की सरकार का ध्यान केन्द्रित रहा । हमारी बहन सुमिता सिंह जी ने भी मैडीकल कालेज बनवाने के लिए बहुत प्रयास किया। कल्पना चावला जो हरियाणा की सम्मानित बेटी थी उसके नाम पर करनाल में मैडीकल कालेज बनाने का फैसला इस बजट में किया गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है । जब एक पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीच्यूट और मैडीकल कालेज करनाल में बनेगा तो करनाल का विकास होगा । सम्मानित अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एक और नई यूनिवर्सिटी लाला लाजपत राय जो देश के महान शहीद थे, उनके नाम पर हिसार में बनने जा रही है। इस तरह से सम्मानित मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दिया है। सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी और डिफैन्स यूनिवर्सिटी भी जिनको दक्षिणी हरियाणा और अहीरवाल का क्षेत्र कहते हैं वहां पर बनने जा रही हैं वहां पर एडमिशन पहले ही हो चुके हैं। These universities are in existence. राजीव गान्धी एजुकेशन सिटी बना । ऐम्ज की एक्सटेंशन के लिए यह

जरूरी था कि वह दिल्ली की पैरीफेरी में बने। 6 ऐम्ज सारे हिन्दुस्तान में 29 राज्यों में दिए गये थे लेकिन हरियाणा को माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से 6 में से एक मिला । हरियाणा में ऐम्ज आने पर जो सुविधा हैल्थ के क्षेत्र में हरियाणा प्रान्त को मिलेगी यह कोई सामान्य बात नहीं है। ऐसी सोच अगर हमारे विपक्ष के सदस्यों की होती, अगर उनकी यह सोच पहले होती तो आज हरियाणा जो विकास के रास्ते पर अग्रसर हो रहा है जिसकी 7 और 8 प्रतिशत विकास दर हम लेकर चल रहे हैं, वह कहीं ज्यादा बढ़कर रहती। माननीय सदस्य ने गुजरात का भी जिक्र किया कि गुजरात में यह विकास दर 11 प्रतिशत है। यह कहां से आंकड़े पढ़ कर सुना रहे थे इस बात का किसी को नहीं पता है। पता नहीं वहां विकास की दर क्या है लेकिन विकास की दर को छोड़िए, गुजरात के अन्दर काला इतिहास जिसमें मासूमों के कत्ल किए गए,एक मैम्बर आफ पार्लियामैंट को उसी के घर में बंद करके जला दिया गया, अगर ये उस बात की चर्चा करते तो मैं समझता कि ये निष्पक्ष बात कर रहे हैं। अगर ये पी पी पी करके इस सदन की गरिमा को गिराने की बात करते हैं तो ये एक ऐसी सरकार में भी सांझेदार थे जिसमें चारों तरफ से पी पी पी की नदियां बह रही थी । कृष्ण पाल जी अभी कुछ कहना चाह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर अगर क्राइम की एस्टैबलिशमैंट हुई है, अगर गुंडागर्दी शुरू हुई है तो वह इन लोगों के द्वारा शुरू हुई है। जब अमरीका में शराब पर रोक लगी थी उस समय बूट लैगिंग शुरू हुई और माफिया ओर्गेनाइज्ड क्राइम शुरू हुआ। सम्मानित अध्यक्ष महोदय, अगर हरियाणा में ओर्गेनाइज्ड क्राइम को जन्म देने वाला कोई है तो ये पी.पी.पी. करने वाले लोग हैं । इन्होंने ही हरियाणा में ओर्गेनाइज्ड क्राइम को जन्म दिया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, ये किस तरह की बात कर रहे हैं ।

पंडित कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी ही बात बता रहा हूं, क्या ये उस समय पी पी पी में थे ? ये उस समय नहीं थे । विपक्ष में बैठने वाले लोगों ने तो इन बेचारों को पीटा था । (विघ्न) फरीदाबाद में 5-5 सदस्यों के ऊपर पाइप से पानी बरसाया गया था।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : हमें दुनिया में कोई नहीं पीट सकता । (विघ्न)

पंडित कुलदीप शर्मा : गुर्जर जी, आप नहीं पिटे थे और कोई पिटे थे । (विघ्न) लेकिन आपको पता तो है । (विघ्न)

लोक निर्माण(भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, ये माननीय सदस्य को लगातार इंटरवीन कर रहे हैं ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर: अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनें ।

श्री अध्यक्ष : गुर्जर जी, प्लीज आप बैठें ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या ये बजट पर बोल रहे हैं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : हां, ये बजट पर ही बोल रहे हैं ।

पंडित कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जब ये बोल रहे थे तो क्या पी पी पी बजट का हिस्सा था? सम्मानित साथी ओम प्रकाश चौटाला जी अपने साथियों के साथ सुर में सुर मिला रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) हरियाणा के सर्वांगीण विकास में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना होगा । इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने के लिए, किसी भी प्रदेश के व्यापारी को अट्रैक्ट करने के लिए हमें कंडीशंज बनानी पड़ेंगी । इन्फ्रास्ट्रक्चर

[श्री कुलदीप शर्मा]

में ग्रोथ नहीं रहेगी तो व्यापारी नहीं आएगा । व्यापारी के लिए यह भी जरूरी है कि राजनैतिक संरक्षण में गुंडागर्दी न हो, उस क्लाइमेट के लिए यह भी जरूरी है कि यहां पर इंडिस्ट्रियलिस्ट्स का शोषण न हो। उसके लिए यह भी जरूरी है कि इंडिस्ट्रियलिस्ट्स को तंग न किया जाए। सम्मानित अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1999 से वर्ष 2005 तक 6 साल ऐसा शासन हरियाणा में रहा जिसमें हरियाणा में इंडिस्ट्रियलिस्ट्स कांपता था । अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि सम्मानित चौधरी देवीलाल जी इस देश के बहुत बड़े नेता रहे हैं लेकिन जब उनका जन्म दिन नजदीक आता था तो उनका जन्म दिवस मनाने के लिए रैली की घोषणा कर दी जाती थी तो उस समय मंडियों में व्यापारियों की रूहें कांपने लग जाया करती थी कि अब चंदा इकट्ठा किया जाएगा । (विघ्न)

Mr. Speaker: This is not the discussion on the Budget.

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, क्या ये बजट पर बोल रहे हैं ?

Mr. Speaker : I have asked him. (interruptions)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाह रहा हूं कि उस समय कानून व्यवस्था पर टिप्पणी की गई थी । ये माहौल बनाने की बात कर रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Pandit Ji, you are most interested in Halla-Gulla (interruptions) आप सब क्या कर रहे हैं ? Please take your seat.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने चौधरी देवीलाल को सम्मानित नेता कहा है इसमें गलत क्या है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो चौधरी देवीलाल जी को महान नेता कहा है और वे महान नेता थे भी । (शोर एवं व्यवधान) मैं अपने शब्द वापस लेता हूं । मैंने उनको महान और बड़ा नेता कहा है। मैंने कहा है कि इनके शासन काल में लोग कांपते थे, ये मेरी बात को समझते नहीं । मैंने उनको सम्मानित नेता कहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : यह क्या कोई आपका तरीका है ? (शोर एवं व्यवधान) Nothing is to be recorded. (Noise and Interruptions). Please take your seats. (Noise and Interruptions).

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, * * *

Shri Bhupender Singh Hooda: Speaker Sir, how he is accusing. He is a senior Member. (Noise and Interruptions). Speaker Sir, it is all to be deleted. He does not have any right to say like this. Decorum of the House has to be maintained.

श्री अध्यक्ष : वे शब्द डिलीट करवा दिए गए हैं।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी ने कहा है कि चौधरी देवी लाल सम्मानित नेता थे और उनके जन्म दिन का बहाना लगाकर ये लोग क्या-क्या करते थे वह सभी को पता है। Nothing is wrong in it इसमें इन्होंने कौन सी गलत बात कही है। (विघ्न) What wrong he has stated. Why it should be expunged ? (Noise and Interruptions).

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यदि ये उनके बड़प्पन को देखते तो ऐसा नहीं करते । (शोर एवं व्यवधान)

चौ० ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है कि ये क्या करते थे यह भी तो साथ की साथ बताया जाये । इनकी मंशा केवल मात्र सदन में विवाद खड़ा करना है । ये बजट पर एक लफ्ज भी नहीं बोले हैं । अपने-अपने बाप की सराहना करते जा रहे हैं (शोर एवं व्यवधान) इधर बोलने वाले भी अपने बाप की सराहना करते हैं । अपने गिरेबान में झांककर नहीं देखते कि ये क्या करने जा रहे हैं । इन्होंने तो प्रदेश का भट्ठा बिठा दिया है । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस तरह से कैसे काम चलेगा ? (शोर एवं व्यवधान) ।

Shri Bhupender Singh Hooda : Speaker Sir, what Mr. Chautala ji is saying? (Noise and Interruptions).

Mr. Speaker: Please everybody take your seats except Mr. Sharma.

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं इण्डस्ट्रीज और व्यापार पर चर्चा कर रहा था। इण्डस्ट्रीज और व्यापार के क्लाईमेट को इन्होंने जो गन्दा कर दिया था उसको हमारी सरकार आने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी ने साफ किया है । इनके समय में काला समय चलाया गया था जिसमें सरकारी संपत्ति को भी बेच दिया गया था। उस समय हमने बहुत से सरकारी रैस्ट हाऊस बिकते देखे । जैसा कि किसी कवि ने कहा है -

इनका क्या विश्वास भारती, जाने कब ईमान बेच दें,

ताज महल और गंगा का जल, यमुना का मैदान बेच दें,

न जाने कुर्सी की खातिर सारा हिन्दुस्तान बेच दें ।

व्यापारियों को इन की सरकार पर कोई विश्वास नहीं था। (विघ्न) हमने प्रदेश के अंदर हर तरह के क्लाईमेट को सुधारा है । हमने इण्डिस्ट्रयलिस्ट्स को विश्वास दिलाया कि आप हमारे यहां पर उद्योग लगायें आपको अच्छा क्लाईमेट और सुविधाएं दी जायेंगी । इण्डस्ट्रीज को बढ़ावा देने के लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने सबसे पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ को बढ़ाया । हमारे मुख्यमंत्री जी को मालूम था कि यदि प्रदेश में अच्छी सड़कें होंगी, विद्युत होगी और टैक्स प्रणाली का सरलीकरण होगा तो निश्चित रूप से प्रदेश में बाहर से व्यापारी आयेगा और उद्योग आयेंगे । पहले वाली सरकार के समय में कभी भट्ठी पर टैक्स लगाया गया, कभी हलवाई पर टैक्स लगाया गया, कभी रेहड़ी वाले पर टैक्स लगाया और न जाने कितने टैक्स प्रदेश के लोगों पर लगा दिए थे । आज ये लोग बात करते हैं उस टाईम पर बीजेपी के साथी भी इनके सहयोगी थे तथा 6 साल तक इनके साथ मिलकर सत्ता का उपयोग और दुरुपयोग करते रहे। उस समय इनकी आवाज नहीं निकलती थी लेकिन हमारी सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री जी ने 38 टैक्सिज वापस लिये और टैक्सिज का सरलीकरण किया। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी

[श्री कुलदीप शर्मा]

सरकार आने से पहले प्रदेश में कानून व्यवस्था की बहुत बुरी हालत थी। इनके समय में गुण्डे सरेआम उगाही किया करते थे । उस समय गुण्डों को सरकारी संरक्षण प्राप्त था जिसके कारण इण्डिस्ट्रियलिस्ट घबरा रहे थे। उस समय व्यापारियों को दुकान पर गोली मार दी जाती थी। अध्यक्ष महोदय, यह सब इसलिए हो रहा था क्योंकि उस समय जिन लोगों को उम्र कैद और फांसी की सजा हो रखी थी उनके लिए सरकार ने जेलों के दरवाजे खोल दिए थे और उनको कहा गया कि जाओ धन लेकर आओ । (विघ्न)उस टाईम पर पत्रकारों का भी कत्ल हुआ । एक कत्ल नहीं हुआ बल्कि बहुत कत्ल हुए यह एक लम्बी कहनी है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद हमने प्रदेश में गुण्डागर्दी को खत्म किया जो सरकारी संरक्षण में पिछले 6 सालों से चल रही थी। हमारी सरकार आते ही 24 से 36 बदमाशों का इनकाउण्टर किया गया । सत्ता संभालते ही हमारे मुख्यमंत्री जी ने बदमाशों को कहा था कि बदमाशों या तो मुख्यधारा में आ जाओ या हरियाणा छोड़कर चले जाओ। अध्यक्ष महोदय, हमारे राज्य में कानून व्यवस्था मुख्य विषय है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के जो माननीय सदस्य उछल कूद मचा रहे हैं मैं उनको बताना चाहूंगा कि माननीय श्री प्रताप सिंह चौटाला जी जो कभी इस सदन के सदस्य भी रहे हैं और इनके परिवार के सदस्य भी हैं उन्होंने एक चिट्ठी लिखी है। बड़ा ही महत्वपूर्ण डोक्यूमैंट मेरे पास है। मैं जानना चाहता हूं (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मुझे चौटाला जी कहते हैं "मैं बोलता रहता हूं". और हर समय मुझे "तू" कहकर बोलते हैं लेकिन फिर भी मुझे कोई शिकायत नहीं है क्योंकि ये मुझसे बहुत बड़े हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करना किसी भी माननीय सदस्य को शोभा नहीं देता । श्री ओम प्रकाश चौटाला जी हमारे बड़े भाई हैं लेकिन ये जो "तू" कहकर किसी भी माननीय सदस्य को बुलाते हैं यह अच्छी बात नहीं है क्योंकि सभी माननीय सदस्यों को हरियाणा प्रदेश की जनता ने चुनकर हाउस में भेजा है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि अगर कोई इनको "तू" कहकर बोले तो इनको कैसा लगेगा और हम भी उसको कैसे अलाऊ करेंगे । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री चौटाला जी को कहना चाहूंगा कि वे कुछ तो सदन की गरिमा का ख्याल करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, मैंने किसी के ऊपर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की है। मैंने तो तस्लीमुद्दीन और शहाबुद्दीन का नाम लिया है। स्पीकर सर, मैं मुख्तयार अंसारी की बात कर रहा हूं। मैंने किसी व्यक्ति विशेष पर आक्षेप नहीं लगाया है । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Kuldip Ji now, please wind up.

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था कि ऐसे गुण्डे जब हरियाणा में आये हुए हों तो इस प्रकार से माहौल खराब होता है और लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है । हमने इस प्रकार से बिगड़े हुए माहौल को सुधारा है और इसीलिए बजट से यह परसैप्शन आई है कि बजट से हरियाणा प्रदेश में इण्डस्ट्रियल इनवैस्टमैंट और फॉरेन डायरैक्ट इनवैस्टमैंट बढ़ा है । स्पीकर सर, विपक्ष के नेता अभी सेज़ पर भी चर्चा कर रहे थे कि हरियाणा में सेज़ पर बड़ी भारी राजनीति हुई है । स्पीकर सर, विपक्ष के नेता वहां पर सेज़ के विरुद्ध आन्दोलन का नेतृत्व करने गये थे लेकिन वहां की जनता ने इनका साथ नहीं दिया इसलिए ये वहां पर अपना आन्दोलन सफल नहीं कर पाये । स्पीकर सर, असलियत तो

यह है कि जब तक इण्डियन नैशनल लोकदल की सरकार रही, तो हरियाणा प्रदेश में न कोई व्यापारी आना चाहता था, न कोई सेज़ लगाना चाहता था और न ही यहां पर कोई उद्योगपति अपना नया उद्योग स्थापित करना चाहता था, इसके विपरीत इनके समय में तो हरियाणा प्रदेश से उद्योगों का बड़े पैमाने पर पलायन हो गया था। डी.जी.पी. राठौर का संरक्षण भी यही लोग कर रहे थे और आर.के. शर्मा का भी इन्होंने संरक्षण किया। मैं इनको इस बारे में अखबारों में छपी खबरें दिखा सकता हूं । (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं अमीर चंद हत्या काण्ड की बात नहीं कर रहा हूं ।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, कृपया मुझे एड्रैस कीजिए ।

श्री विशन लाल सैनी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कुलदीप शर्मा जी को बताना चाहूंगा कि ** ** ** ** ** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इनकी यह बात रिकार्ड न की जाए।

श्री विनोद शर्मा : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने एक ऐसा सवाल उठाया है जो मामला कोर्ट के विचाराधीन है । उसके बारे में जो कोई संरक्षण की बात इन्होंने कही है मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि संरक्षण तो वह था जो सरकार द्वारा पूरे 6 वर्षों तक अंदर-अंदर उन कातिलों को देती रही जिन कातिलों ने परिवार के सदस्यों को मारा । उन लोगों को भी संरक्षण दिया गया, जिन्होंने पत्रकारों को मारा । उनको भी संरक्षण दिया गया, जिन्होंने लोकतंत्र और प्रजातंत्र का खून किया ऐसे लोगों को भी इनकी सरकार के समय में संरक्षण दिया गया। स्पीकर सर, इनकी सरकार ऐसी सरकार थी । इनकी सरकार की ऐसी काली करतूतें थी। (शोर एवं व्यवधान) पूरे हिन्दुस्तान में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता जिस प्रकार की सरकार उस समय हरियाणा प्रदेश में सत्तासीन थी और उनके साथ ये भाजपा के लोग थे। ये भाजपा के वे साथी हैं जो इनका साथ दे रहे थे। इन्होंने मिलकर यहां पर ऐसा माहौल पैदा किया कि हरियाणा से दूसरे मुल्कों में ऐसी त्राहि-त्राहि की आवाज़ें जाने लगी कि हरियाणा में लोग ठीक ढंग से जी नहीं सकते (शोर एवं व्यवधान) मैं उन लोगों की बात कर रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Sharma Ji, please take your seat.

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, माननीय विपक्ष के नेता का यह कहना सरासर गलत था कि हरियाणा प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में कोई प्रगति नहीं हुई । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल और कांग्रेस के सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे ।)

Mr.Speaker : Please take your seats. (शोर एवं व्यवधान) पंडित जी, बैठिये, प्लीज बैठिये, अजय सिंह जी, अरोड़ा जी, आप भी बैठिये। सभी बैठ जाईये । (शोर एवं व्यवधान) दुख की बात यह है कि आज यहाँ पर पर्सनल बात फिर से चल पड़ी। विधान सभा में पर्सनल बात करना उचित नहीं है। 'ए' करे या 'बी' करे लेकिन यह करना गलत है । All of you please take your seats. शर्मा जी, आप बैठिये । आपका भाषण समाप्त हुआ । (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री कुलदीप शर्मा : सर, मैं दो मिनट का समय और लेना चाहूँगा उसके बाद मैं अपनी बात खत्म कर दूंगा । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Vinod Sharma : Speaker Sir, I am on a point of order. (Interruptions)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : स्पीकर सर, प्वायंट ऑफ ऑर्डर किस बात का जब कोई स्पीच ही नहीं हुई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री विनोद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पूछा है, मैं इनसे थोड़े ही पूछूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हाँ, मैंने कहा है, प्वायंट ऑफ ऑर्डर। (शोर एवं व्यवधान) आप बैठिये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री विनोद शर्मा : स्पीकर सर, मैं इस बात से सहमत हूँ कि व्यक्तिगत रूप से आक्षेप नहीं करना चाहिए लेकिन हम सम्मानित सदस्यों से यह कहना चाहते हैं कि सदन की गरिमा को समझते हुए इनको यह पता होना चाहिए कि जो मामला कोर्ट के विचाराधीन हो उसके बारे में सदन में चर्चा नहीं की जा सकती । (शोर एवं व्यवधान) जब इन्होंने ऐसी बात कही है । (शोर एवं व्यवधान) इसलिए मैं प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर बोलना चाहता हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Bhupinder Singh Hooda : Speaker Sir, Mr. Sharma is speaking on a very relevant point. (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : यह बात विचाराधीन नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप मेरी बात सुनें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री विनोद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये शब्द हाउस की कार्यवाही से निकाले जाने चाहिएं । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I will allow you, please listen to me. (शोर एवं व्यवधान) बात यह है कि यह झगड़ा बगैर वजह है । एक मामला जो कोर्ट के विधाराधीन है that can neither be discussed nor be referred in the House. जिसने यह कहा है वह सारा का सारा रिकॉर्ड से निकाल दिया गया है । मैं शर्मा जी को भी कहूँगा कि please let me proceed with the proceedings of the House. (शोर एवं व्यवधान) शर्मा जी, आप बैठ जाइये । आपका भाषण समाप्त हुआ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट और बोलना चाहूँगा । सर, बिजली के बारे में हमारे ऊपर काफी तीखे प्रहार किये गये हैं । हमारे तरकश में काफी तीर हैं । हम पूछना चाहते हैं । माननीय ओमप्रकाश चौटाला जी विपक्ष के नेता बहुत सम्मानित और वरिष्ठ नेता हैं । इन्होंने कहा है कि दीन बंधू छोटू राम थर्मल पॉवर प्लांट, यमुनानगर की आधारशिला इन्होंने रखी थी । अध्यक्ष महोदय, हम उस पत्थर को ढूंढते रहे जिनके द्वारा वहां पर शिलान्यास किया गया था लेकिन 1100 एकड़ जमीन में हमें कहीं पर भी वह पत्थर नहीं मिला । बाद में उसकी आधारशिला हमारे सम्मानित मुख्य मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने रखी थी। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये पत्थर इसलिए नहीं हैं क्योंकि हमारी सरकार ने जितने भी आधारशिला के पत्थर लगाए थे, इनकी सरकार ने आते ही वे सारे पत्थर उखाड़ दिए हैं । (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या इन्होंने बोलने से पहले प्वायंट आफ आर्डर की आपसे इजाजत ली है ? (विघ्न) Only I want your ruling.

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, अब आप बैठिए । (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमें तो कोई बोलने नहीं देता है । (विघ्न) मैं नया मैम्बर हूं और गलती से यहां पर आ गया हूं और मुझे यहां पर बोलने नहीं दिया जा रहा है । मुझे बोलने के लिए कम से कम 20 मिनट तो दीजिए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आप जल्दी खत्म करें ।

श्री कुलदीप शर्मा : सर, आप मुझे दो मिनट और दे दें ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप दो मिनट में 10 मिनट की बात खत्म कर दें ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आप हमारी पार्टी के समय में से इनको समय दे दें ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चार-चार पावर प्लांट हमारे सम्मानित मुख्यमंत्री जी के समय में लगे हैं । उस बात की चर्चा तो कर दी गई, पहले तो उसका स्प्रैड देखिए, एक पावर प्लांट तो यमुनानगर में है और दूसरा जहां की इनको चिन्ता रहती है हिसार में खेदड़ में 1200 मैगावाट का लगा रहे हैं । सर, कॉमनवैल्थ गेम्ज में बिजली की सप्लाई के लिए दो पावर प्लांट हम झज्जर में भी लगा रहे हैं क्योंकि वह दिल्ली के नजदीक है। इसमें 27 हजार करोड़ की पहली बार इन्वैस्टमैंट सम्मानित मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हुई है। जिसकी चर्चा बजट में भी हुई है । स्पीकर सर, यह बजट बहुत अच्छा है, इस बजट में बहुत अच्छे प्रावधान किए गए हैं । मेरी चिन्ता यह है कि लोकतन्त्र की जो फंक्शनिंग है उस पर प्रहार हो रहा है । इस सरकार को माननीय विपक्ष के नेता ने कहा कि यह सरकार अल्पमत की सरकार है । ओम प्रकाश चौटाला जी, मैं इतिहास के उन पन्नों को पलट कर देखने को कहूंगा जिसमें हरियाणा के 40-44 साल का इतिहास लिखा है । (विघ्न) यह बात बजट स्पीच में आई है । (विघ्न) आज हरियाणा के फतेहाबाद में न्यूक्लीयर पावर प्लांट लग रहा है । (विघ्न) सर, मैं ऐलनाबाद के चुनावी भाषण को सुन रहा था। उसमें कहा गया कि अगर यह न्यूक्लीयर प्लांट लगेगा तो वहां की फसल मर जाएगी और वहां के लोगों को बीमारियां लग जाएंगी । इस तरह की बात तो ये न्यूक्लीयर प्लांट के बारे में जनता से कहते हैं । इसके बाद जब हम हांसी बुटाना लिंक नहर को खोद कर पानी लाने की बात करते हैं तो सदन में जो ये मेरे माननीय सदस्य उपस्थित हैं कहते हैं हम इसको बंद कर देंगे, गृह युद्ध हो जाएगा । हालांकि माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने कहा कि हम इसे बंद नहीं करेंगे । (विघ्न) मुझे लगता है कि ये घर में सलाह करके नहीं बोलते हैं । (विघ्न) भैंस अपने रंग से नहीं डरती है बल्कि बोरे से डरती है ।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने व्यक्तिगत बात कही है मैं उस बारे में क्लैरीफिकेशन देना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, इस सदन में सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ही बैठे हुए हैं। मैं इस सदन में पूरे विश्वास के साथ और जिम्मेवारी के साथ कहना चाहता हूं कि अगर मैंने कहीं पर भी यह बात कही हो तो जो सजा सदन मुकर्रर करेगा, मैं उसको भुगतने के लिए तैयार हूं, अदरवाईज, ये इसी सदन में माफी मांगें । ये बार बार झूठी बातें कह कर सदन को गुमराह करते हैं, यह इनकी आदत है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस सदस्य ने चार दिन पहले भी भाषण देते हुए कहा था कि चौटाला के बेटों का भार इसलिए बढ़ गया क्योंकि उनको तुलने में ज्यादा पैसा मिलता है । मैं इनको कहना चाहूंगा कि ये अपना शरीर तो देख लें। (विघ्न) भैंस अपने रंग से नहीं डरती है बल्कि बोरे से डरती है । (विघ्न)

श्री विनोद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । सर, हमारी हिन्दू संस्कृति में कहावत है कि जिसको इन्सान सजा नहीं दे सकता है उसको भगवान सजा देता है ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं जन्म और कर्म से ब्राह्मण हूं और कल इन्होंने हमारे ब्राह्मण भाई नरेश शर्मा को पागल कह दिया था। ब्राह्मण को पागल कहना गाली देने जैसी बात है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कल मैंने वह सब कार्यवाही से कटवा दिया था । अब आप बताएं कि आपकी वाली बात कार्यवाही से कटवाऊं कि नहीं । (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा में ब्राह्मणों में आग लगी हुई थी कि एक ब्राह्मण को पागल कहा जा रहा है। (विघ्न) मेरा वजन रोटियां खाने से नहीं बढ़ा है। मैं तो ब्राह्मण हूं। जब मैं अध्यक्ष बना तो लोग मुझे कहने लगे कि हम आपको तोलेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं कनागत से थोड़े दिन पहले ही कांग्रेस पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना था। लोग कहने लगे कि आप भी जल्दी तुल लो । मैंने कहा कि मुझे कनागतों के बाद तोल लेना तो वे कहने लगे कि तब तो अजय चौटाला की तरह तुम्हारा भी वजन दस किलो बढ़ जाएगा ।

श्री अजय सिंह चौटाला : स्पीकर साहब, मैंने तो अपना वजन चालीस किलो कम किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जब इनको लोगों ने तोलना बंद कर दिया तो इन्होंने अपना वजन कम कर दिया। (शोर एवं व्यवधान) मैं तो कहता हूं कि हरियाणा की जनता के ऊपर से बोझ हट गया । जब इनको तोलना बंद कर दिया तो इनका वजन भी घट गया ।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये एक सम्मानित सदस्य हैं और उस परिवार से ताल्लुक रखते हैं जिसने लम्बे समय तक इस प्रदेश की सेवा की है इसलिए मैं इनसे इस तरह के व्यक्तिगत आरोप लगाने की उम्मीद नहीं कर सकता। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अगर ये कोई बात कहें तो इनका माईक ऑन हो जाता है और जब हम कोई बात कहते हैं तो हमारी बात नहीं सुनी जाती है । क्या अब इनका माईक ऑन था ? आपने इनको कोई प्वायंट ऑफ आर्डर तो दिया नहीं है । ये क्या हो रहा है हमें यह बात समझ में नहीं आ रही है ?

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : आपको मेरी बात समझ में नहीं आएगी। I am not going to be dictated by you. (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अच्छी बात है अगर कोई किसी को तोलता है तो इसमें बुराई क्या है ।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए ।

Mr. Speaker: Now, Shri Kuldip Sharma is on the line. इसलिए अब आप बैठें ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा में अब एक नयी संस्कृति आयी है । पहले तीन तीन गठरियां नोटों की बंधकर जाती थी । लेकिन अब हमारा और मुख्यमंत्री जी का चैलेंज है कि कालका से लेकर नारनौल तक कोई एक रूपये लेने की भी बात नहीं कह सकता । (शोर एवं व्यवधान) मैं तो संस्कृति की बात कर रहा हूं ।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनका यह क्या तरीका है, क्या ये बजट पर बोल रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, फतेहाबाद में जो न्यूक्लीयर पावर प्लांट लगेगा उससे सारे प्रदेश को ही बिजली मिलेगी। (शोर एवं व्यवधान) इस बारे में जिस प्रकार की चर्चा इन्होंने छेड़ी है, मैं समझता हूं वह निंदनीय है इसलिए इसकी सदन को निंदा करनी चाहिए। इन्होंने वोट लेने के लिए इस तरह से दुष्प्रचार किया था । हम तो विकास की बात करते हैं इसलिए हम चाहते हैं कि 2800 मैगावाट बिजली बने ताकि इनके क्षेत्र में भी बिजली जाए लेकिन ये उस बात को काटना चाहते थे और वोट बटोरने के लिए हरियाणा की जनता में दुष्प्रचार करना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अरोड़ा साहब, आप बैठिए क्योंकि अब ये लाईन पर आने लग रहे हैं।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि अब मैं लाईन पर आया हूं तो ये मुझे लाईन से उतारना चाहते हैं ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आप इनको रोकिए ।

श्री रामपाल माजरा : आप हमें तो सुनना नहीं चाहते हैं। आप केवल इनको ही सुनना चाहते हैं। यह तो आपकी मर्जी है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Everybody take your seat. अरोड़ा साहब, अब आप बैठे ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में आर्थिक प्रगति हो इस बात का अगर किसी ने प्रयास किया है तो वह हमारी पार्टी की सरकार ने मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में किया है और अब इसके परिणाम भी सामने आए हैं । माननीय सांसदगण जो हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हैं मैं उनका भी धन्यवाद करना चाहता हूं । विशेषकर श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का क्योंकि उन्होंने हरियाणा को कई रेलवे प्रोजेक्ट केन्द्र सरकार से लाकर दिए हैं। रेलवे प्रोजेक्ट्स जो प्रगति के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं उनका बजट में जिक्र है। (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, *****

Mr. Speaker : Panwar ji, please sit down. Whatever Mr. Panwar is saying that should not be recorded.

श्री कुलदीप शर्मा : पंवार साहब, मेरे पिताश्री जैसे थे, उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आप उनके जैसा बनने की कोशिश करें तो आपका जीवन धन्य हो जाएगा और लोग आपका बहुत आदर करेंगे। रेलवे के क्षेत्र में हमारे सम्मानित मुख्यमंत्री जी का और सांसदों का जो योगदान है उसको भुलाया नहीं जा सकता । इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का, रेलवे मंत्री जी का और यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि जो छह नये प्रौजैक्ट आए हैं उन पर सर्वे शुरु होगा। रेलवे फ्रेट कोरीडोर और इंडस्ट्रियल कोरीडोर बनने से कनैक्टिविटी बढ़ेगी और जो स्वप्न हम देखते हैं उसकी ओर ये एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही सड़क निर्माण में जो नये प्रौजैक्ट्स की चर्चा की गई, यह एक बड़ी ही गंभीर सोच है। आज सड़कें चाहिए और इलैक्ट्रिसिटी चाहिए, रेलवे चाहिए और अच्छा वातावरण चाहिए। सड़कों के क्षेत्र में कनैक्टिविटी बनाई जा रही है। कई नयी सड़कें बनाने के लिए प्रपोज्ड है, जिसके लिए अलग से फंड अलॉट किए गए हैं, यह इस सरकार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए मैं पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर साहब और हम सब के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का धन्यवाद करता हूं। मेरे क्षेत्र गन्नौर में 20 साल पहले सब-डिवीजन बना था । अब यहाँ विकास काफी हुआ है लेकिन बहुत कुछ करना अभी भी बाकी है। एक फैक्ट्री जो गन्नौर के लोगों के लिए लाइफलाइन थी, उसे इनकी सरकार के समय में कुछ व्यक्तियों नें बंद करवाया जिसकी वजह से गन्नौर खत्म हो गया था लेकिन मैं उन व्यक्तियों की चर्चा नहीं करूंगा। वहां जाकर अब वही लोग कहते हैं कि हम इसको खुलवाएंगे, इसको चालू करवाएंगे, क्योंकि आदमी को कभी न कभी अपने किए का अपराधबोध तो होता ही है। उस अपराध बोध को मिटाने के लिए ही वे ऐसी बातें वहां जाकर करते हैं। गन्नौर मेरी कांस्टीच्यूएंसी का पहला टाउन है जो जी०टी० रोड पर पड़ता है इसलिए मेरी सम्मानित मुख्यमंत्री जी से और वित्तमंत्री जी से विनती है कि इसके डिवैल्पमैंट पर विशेष ध्यान दें। ताकि इसके इन्फ्रास्ट्रक्चर की ग्रोथ हो, और हमारे नौजवानों को रोजगार मिल सके। मेरे क्षेत्र में किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। वे लोग उन तत्कालीन ताकतों को कभी माफ नहीं करेंगे जिन्होंने उनके साथ धोखा किया है। मेरे हल्के में बली गांव की 400 एकड़ भूमि इंडस्ट्रियलाइजेशन के लिए 1 लाख 37 हजार और 2 लाख 10 हजार रुपये प्रति एकड़ में लेकर किसानों को बहुत बुरी तरह से ठग लिया गया, उनकी जमीन औने पौने दामों में ले ली गई इसलिए वे लोग त्राहि त्राहि कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी इस बात के बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने 54 लाख 79 हजार रुपये प्रति एकड़ फेस-2 और फेस -3 की जो जी०टी० रोड से हटकर जमीन है, उसका मुआवजा दिलवाया है और किसान की जेब भरी है। (विघ्न) हमने वह सब करके दिखाया है जिसकी लोग आशा करते हैं। हमने किसान को उसकी फसल का उचित भाव दिलवाया है। इस मौके पर मुझे यह शेर याद आता है कि -

खुशनुमा लिबास में देवता लगते थे

जब गौर से देखा तो बहरूपिये निकले।

हमें इतिहास से सबक सीखना चाहिए। जिन लोगों के पास ऐतिहासिक जिम्मेदारी आई वे इतिहास के साथ अपना फर्ज अदा नहीं कर सके।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

अध्यक्ष महोदय, कल के भविष्य की पीढ़ियों का निर्माण करना नेता का धर्म और कर्म होना चाहिए। कल की पीढ़ियों को बर्बाद करना और उनको अपराध के अंधकार में धकेलकर उनका दुरूपयोग करना नेता का फर्ज नहीं है इसलिए आईये हम सब इस सुन्दर बजट का इधर से भी और उधर से भी स्वागत करें, धन्यवाद करें। आज हरियाणा जिस उन्नति और प्रगति के पथ पर अग्रसर है उसका धन्यवाद प्रस्ताव इस सदन से निकलना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो तभी मैं समझता हूँ कि हम सब इस उन्नति के सांझेदार बनेंगे और इसके बाद प्रदेश की जनता विपक्ष की भी वाही-वाही करेगी कि अरे, यह तो इस मुख्यमंत्री का दिल बड़ा था कि एक लोकदल पार्टी के माननीय सदस्य ने जब कहा कि कालका क्षेत्र में एक बस चलनी चाहिए तो मुख्यमंत्री जी ने कहा एक नहीं पांच बसें चलेंगी, इतनी बड़ी बात कहने के लिए दिल खुला होना चाहिए। सम्मानित अध्यक्ष महोदय, पंचायत इन्सटीच्यूशंज बड़ी इम्पोरटैंट इन्सटीच्यूशंज बनी हैं। They are under the Indian Constitution and they are dream of Mahatma Gandhi. हिन्दुस्तान में 36 लाख लोग विभिन्न सदनों में इलैक्ट होकर जाते हैं। इन्होंने उन पंचायतों को निरीह दर्शक बना दिया क्योंकि बी.डी.सी. यानी विलेज डिवैल्पमैंट कमेटी बना दी गई और पंचायतों के अधिकारों का हनन किया गया। स्वर्गीय राजीव गांधी जी थ्री टायर सिस्टम के माध्यम से लोकल सैल्फ गवर्नमैंट लेकर आये थे लेकिन इन्होंने उसका सर्वनाश कर दिया। उसको दोबारा हम लेकर आये हैं क्योंकि हम गांवों को सत्ता देना चाहते हैं, गरीब आदमी को ताकत देना चाहते हैं और महिलाओं को ताकत देना चाहते हैं। हम अरशाला को और अबदुनीनों को भुला देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि एक अच्छा इतिहास आये। (शोर एवं व्यवधान) हमारी बहन अब जो कुछ कह रही है। कृपा करके यह भी इस बजट में शामिल हो जाए ताकि महिलाओं को जो पहले सुरक्षा नहीं थी वह अब सुरक्षित माहौल इनको मिल सके।

श्री अध्यक्ष : थैंक यू, शर्मा जी, अब आप बैठ जाइये।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ ही एक बार फिर से मैं वित्त मंत्री के रूप में अपने फौजी साहब का उत्साह बढ़ाना चाहता हूँ। (विघ्न) ये कलम की बात नहीं है क्योंकि बुद्धिमान व्यक्ति बुद्धि और कलम की बात किया करते हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : Sharma Sahib, please take your seat. आपको बोलते हुए एक घण्टे का समय हो गया है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह one hour की बात नहीं है। (विघ्न) इन्होंने महिलाओं की चर्चा छेड़ दी। अब मैं महिलाओं की दशा पर बात करना चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Sharma Sahib, is it the way ? फिर ये कहते हैं कि आप क्या करते हो। उलटा मुझे कहते हैं कि आप क्या करते हो ? आप बैठ जाईये। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे दो मिनट बोलने का समय और दे दीजिए। मैं जल्दी ही अपनी बात को खत्म कर देता हूं।

Mr. Speaker: Please take your seat. आपको बोलते हुए एक घंटा हो गया है। One hour is over. It is not the way. Please sit down.

Smt. Kiran Choudhary (Tosham): Hon'ble Speaker Sir, at the outset, I would like to congratulate our Hon'ble Chief Minister and our Hon'ble Finance Minister for bringing such a good Budget in spite of so many fiscal constraints which has been the hallmark of this period of global melt down. I can say that in such dire times, one has to call for extra-ordinary measures and in spite of so many constraints, in spite of this melt down, in spite of the fact that the 6th Pay Commission has laid an aided burden on the exchequer, the Hon'ble Finance Minister has done such a good jugglery with the entire Budget that it is development-oriented. This is for the first time he is presenting the Budget in this Assembly, he has tried to maintain a pace of development on which the Congress Government during the last past 5 years have been consistently working at.

Mr. Speaker: Sir, I would not like to go into the figures now because all the figures have already been spoken about. But I would like to say for a fact that if we see the expenditure during the years from 2000 to 2005 and 2005 to 2010, the expenditure on development has consistently increased. World over there has been a recession, even in great countries, the world powers like America, have been affected by this melt down but it was only due to the forward looking policies of the Congress Government under the able leadership of Shri Manmohan Singh Ji and the dynamic leadership of Smt. Sonia Gandhi Ji, India has been able to survive. It is the result of this UPA's policies that today we can again proudly say that we have managed to survive. It was also announced in the Parliament that because of the policies of the UPA Government, India is gradually coming out of the recession. With these kind of figures that we have and a fiscal deficit that we have, the fact that the Hon'ble Finance Minister has made sure that key sectors are taken care of. These key sectors such as education, agriculture, health, water, planning and other tertiary sectors are the sectors which can empower and develop the future of our State. I must congratulate him again for making such a good budget. Sir, I know, it must have been a very difficult task for him to prepare this budget because making this budget in such a difficult time and under so many fiscal constraints is appreciable. It must have been like swimming in a pond of treacle. As you know, treacle is something which sticks to you and it is very difficult to get out of it. Therefore, I must congratulate him and his entire team who have worked out such a Budget. Inspite of all these deficits, during the next five years we will be still on a path of development which will empower our people in future.

Mr. Speaker, Sir, I would also like to congratulate him on these new initiatives which have been taken. Lot of my friends from the Opposition Benches objected to this PPP, which they have made fun of. Mr. Speaker Sir, this Public Private Partnership is buzzword for the future. Everything cannot be taken care of by the Government. In the entire global scenario it is always the Public Private Partnership which comes forward with a lot of competition and which can do good to the State. I am glad and in fact I would congratulate him that this has been given such an initiative in this particular Budget that public private participation got a boost, which will not only encourage entrepreneurship, but at the same time it will encourage competition. At the same time,

I would also like to suggest that these projects which are being taken up, care should be taken that these are not taken up in the areas which are backward for example my own Bhiwani and Mahendergarh districts where the people are already very-very poor. Under such places where these projects are taken up, toll taxes or anything levied on the roads which have to be built, under PPP it will be very-very difficult for the people to pay. So, I am sure that the Hon'ble Finance Minister will keep this in mind and Hon'ble Minister for Road and Transport will also keep this in mind while formulating these projects. Mr. Speaker, Sir, I would like to thank the Hon'ble Finance Minister because he has said that there is going to be an East-West-North-South Express Way Corridor running through the State again on the same mode. I would like to thank him for Dadri-Bhiwani-Narnaul-Mahendergarh express corridor which has been put forward. This area in the future will not only be developed but it will also lend a lot of succour to this backward area. Sir, at the same time, I would also like to say that these surveys which have been conducted for these corridors should be done in a time bound manner so that the benefits of these announcements can reach to the common people. This should be done within the tenure of our Government, so that we can go back to the people and say, 'Yes, we have delivered'.

Speaker Sir, we have also a stimulus package which has been announced for upgradation and setting up of medical colleges and health Centres, as you know, this is a very major sector. I would like to request that we have a very big and huge hospital at Bhiwani i.e. Ch. Bansi Lal Hospital which was at one time envisaged as a Medical College in the long run, as has the entire wherewithal in terms of infrastructure already exists therefore to keep the sentiments of the people of Bhiwani and at the same time to fulfill the need of the area, I would also like to request the Hon'ble Minister to consider this because in Bhiwani we can have something like this it will go in a long way for the betterment of the people of the area in terms of Health.

Mr. Speaker Sir, the Finance Minister at the same time, has spoken about drainage and sewerage, solid waste management and has also spoken about Monitoring Committees which are going to be under the Hon'ble Chief Minister and the Secretary Incharge. I feel that these Monitoring Committees will do a great job because they will be able to guide in a manner that brings about inclusive development in the State. I am sure that these Monitoring Committees will keep into account that all over Haryana inclusive development takes place at a fast pace and in a manner which is the policy of the Congress Government under the dynamic leadership of Smt. Sonia Gandhi.

Mr. Speaker Sir, I would not like to go very deeply into other points because they have already been taken care of. But I would like to mention here that tourism is a sector which is something which brands the State. Tourism is a sector which not only brands the State but also generates employment. At the same time, it also encourages and acts as a catalyst of growth because it acts as a bridge and encourages entrepreneurship without any specific skills and the State is known outside. So, I would like to request the Hon'ble Finance Minister to give a little more weightage to this sector and especially this year. As you know, our Hon'ble Vice-President of India gave us a National Award for the Bhima Devi Temple Complex which was conceived and completely

[Smt. Kiran Choudhary]

done during that time when I was a Minister, under the able guidance of our Hon'ble Chief Minister, who gave us all support for developing and restoring their ancient temple. As a result thereof for the first time in India we have managed to create something which is a unique in its on genre. So, it is very imperative, Sir, that this sector should also be taken care of in the Budget. Environment is a major issue and it is imperative that due weightage should be given to it. I think all development is really of no use because the future depends on whether we are able to look after our environment and perserve it. So, the sector of forest and environment should be strengthened. I do not know what happened to the package of 200 crores which was assured to us by the World Bank. But at the same time I feel that it is an imperative that emphasis will be laid on it. I am sure that the Hon'ble Finance Minister who is also the Minister of Forest and Environment will put proper emphasis in this sector and give it importance that it deserves.

Mr. Speaker Sir, power sector has been allocated a very large amount and this is very good because our Government is seized of the importance of this sector. I have no hesitation in saying that when we came to power five years ago, we were a totally decrepit State as far as power was concerned. During the time of Ch. Bansi Lal Ji, a lot of work had been done but unfortunately after the increase of population, the demand increased. But the succeeding Governments really did not do anything. But due to the initiative of the Hon'ble Chief Minister and the Congress Government so many new thermal stations have been added to our entire power sector keeping in mind the added demand. I am sure that in the coming years we are not only going to be a power surplus State but will be able to supply power to others States as well. So, I would like to thank him as at the same time this will also ensure most speedy establishment of rural feeders of rural KV stations in the areas which are needy whether they come under NABARD or otherwise. I feel that this kind of allocation will empower the power sector and I request through you Sir, the Hon'ble Power Minister that these feeders also should be taken up on a priority basis.

Mr. Speaker Sir, water supply and sanitation is another very important key sector and our Hon'ble Finance Minister has allocated Rs.1,297.69 crores for it, that means 3.66%. I feel that our Government is absolutely determined in acting speedily regarding drinking water. The norm of 40 litres per capita per day to be achieved in 100% villages in Haryana by end of March, 2010 is indeed very very laudatory. We all know about the grave water scarcity. We can develop canals, we can make a lot of infrastructure for development but rains comes from the God, and the rainfall, as you know, has not been adequate this time. But in spite of that these ambitious figures have been quoted. I am very sure and not only hopeful but also thankful to the Hon'ble Minister that this particular area which is the basic necessity and which is the fundamental right of a citizen has been taken care of and this deadline which he has set of March, 2010 of supplying drinking water is going to be adhered to. There are very many areas for example in my area like Dhani Mahu, Khanak, Tosham, Titani and even in Bhiwani, drinking water has been in great scarcity. Mr. Speaker Sir, I would just like to point out here that in Bhiwani during the time of Ch. Bansi Lal Ji, a water works was made in 1997 and after the population explosion, unfortunately nothing was done to upgrade it.

Our Government is very stringently looking towards drinking water and lot of money has been allocated but ground reality is otherwise. Water in Bhiwani is rationed for 15 days and the result of which, the people are really suffering. I would like to request the Hon'ble Minister of Public Health and Irrigation that till such time suffient money is not given by the Hon'ble Finance Minister and those projects do not come into the pipeline, I would request that extra water be let off for Bhiwani because water is a necessity and it should be supplied to them because that is one of our commitments. Sir, at the same time, it will be a strong message that we are doing a very good job, as a lot of money is being spent and it is very clear that our Government is functioning in a very open and transparent manner. I would like to emphasize here that there are many areas where water tanks start leaking within the warranty period and sometimes, with the connivance of the contractors and the officials-in-charge, those tanks are not tested, as a result of which the warranty period gets over and contractors go scot-free. I would like to request the Hon'ble Finance Minister and Hon'ble Minister of Public Health that such people should be penalized in an exemplary manner. Our Government believes in openness and transparency and does not believe in corruption. Our Leader Sonia Ji has specifically directed pro-public policies for the people and a corruption free Government. So, we must ensure that a strong message is sent that such contractors who dare to play with the public money at the cost of public lime their pockets, should be completely black-listed and they should not be allowed to do any work in the future on areas of public importance.

Mr. Speaker Sir, for our road and public network again a very large allocation has been made and as the Hon'ble Finance Miniter has clearly specified that lot of money is going to be spent, I am sure during the current year this will be taken up in a manner which is uniform all over the State. Our Hon'ble Finance Minister, on a point of Irrigation in his Budget, has also given detailed reports for construction of different canals which are being made. We would like to thank him not only as a Finance Minister but as a Minister for Irrigation also. He, during his tenure as a Minister of Irrigation, has done exemplary work and I would like to laud him in terms which are totally exemplary because he goes out of way to help the people. He is a grass-root man who has worked for the people and knows the suffering of the poor and has always tried to do equitable distribution of water. In spite of the fact that we have had such a measly rainfall, whenever needed, he listens to the demands and it is made clear to the officials that the water should be supplied to the people and no laxity will be tolerated. So, I would like to thank him again for all the good works which he is doing. Capt. Ajay Singh Yadav Ji, I have requested you for some genuine demands of the people which I have written and sent to you, for example a case of construction of Miran and Chinana Drain which was processed for clearance upto section 4 & 6.

Mr. Speaker: Madam, please wind up.

Smt. Kiran Choudhary: Sir, I am going to be laudatory and I am just speaking on the Budget unlike many others.

Mr. Speaker: I know that but please wind up.

[Smt. Kiran Choudhary]

Smt. Kiran Choudhary : So, Miran and Chinana drains were processed upto clearance of section 4 & 6. But I do not know what happened in this case. Somehow it was rejected when the fixation of rates was to take place. So, in view of the fact that so much extra money is being given, I would like to request the Hon'ble Finance Minister and the Irrigation Minister at the same time that this should be re-processed again because this is a genuine demand of the people. Our Nigana Feeder water which was sanctioned for 300 cusics of water today, I received a phone saying that only 190 cusics water has been coming. So, I will just request the Hon'ble Irrigation Minister to please look into it. Our Kharkari Minor which was constructed in 1997, but unfortunately no irrigation water has reached as yet. These are the major issues and where so much money has been allocated to Irrigation Department. I am sure that in the coming years all these projects are going to be set right and the people of Haryana will be relieved from the kind of sufferings from they have been suffering during the past more than 5 years during the previous regime.

Mr. Speaker : Thank you, Madam. Please sit down.

Smt. Kiran Choudhary : Let me complete, Sir. As far as Transport sector is concerned, our Hon'ble Finance Minister is a very kind and it is also just a very good thing that efficient bus services are given. I would only like to request that he has seen many areas where public permits have been given. These buses do not ply according to the norms where they should be going. So, strong action should be taken against such people and it should be made sure that those who do not get their licenses back again and their vehicles should be impounded. Once that happens, I am sure the entire transport sector for which so much allocation have been done, is going to be taken care of. Like Shri Sampat Singh Ji has said that a policy should be framed on the lines of Kerela, we should have to look at the other States as well and see what best we can do. But at the same time, I am sure that they will be looked into it and I am grateful for it. There is one point in this I would like to bring to the notice of the Hon'ble Finance Minister that if a policy is framed then illegal plying of these buses will be stopped. There is a complete transport mafia at work, which acts in a manner which is completely unjust to good work, which the Government wants to do. So, these are the areas which should be specifically looked into and a strong message should be sent to the corrupt and tardy. The Hon'ble Members from the Opposition will know that we are a transparent Government committed for betterment of the people, doing job in a transparent manner, committed to a manner in which criminalization is out of politics and committed to eradicating corruption.

Mr. Speaker Sir, I would like to thank the Chief Minister because yesterday he had said here that a large allocation was made for the compensation of crops. Hon'ble Chief Minister has always been very kind and whenever anything is brought to his notice, immediately the action is taken. In spite of the fact that a lot of delay has already happened in compensation cases and it will be given to the poor farmers who have suffered a lot.

Mr. Speaker Sir, school and higher education has been allocated the largest amount of money. This shows what kind of emphasis our Government is laying on education. An educated society is a society which can deliver an educated child who can bring his area and his family forward. Only through education, we can bring our children to compete with the other States. Unfortunately, this has not been done in the earlier years at all and now with so much of allocation of budget money, I am very sure that all these schools which are going to be upgraded which fulfill the norms will be upgraded without any discrimination. So, that an inclusive message of eradicating illiteracy goes all over the State that 'Yes, we are absolutely sincere and we are emphatic on education'!

Mr. Speaker: Madam, please wind up.

Smt. Kiran Choudhary: Sir, I will conclude it within 2 minutes. Sir, it will show that we are seriously emphatic on education and we want to bring our children upto a level where they will not only compete with the surrounding States but also on an international level. That is a kind of education which we want to give and we are serious about it. Mr. Kuldip Sharma has also spoken in detail about the education sector and about how seriously our Government is seized in bringing literacy levels at a good standard.

Mr. Speaker: Madam, please wind up.

Smt. Kiran Choudhary: Speaker Sir, Technical education and Vocational Education, is a major thrust area and I am sure money which has been given in this area is going to be taken care of. Our Government is totally committed to the fact that we have to give technical education because this education itself is going to bring the children forward. It is not necessary that our children be given bookish education per-se, but technical education means that they will be strengthened to go forth in the world and do a better job. Mr. Speaker Sir, I have to say a lot of things. But in the end, I would like to rebut some of the points made by the Hon'ble Members of the Opposition. Mr. Vij our Hon'ble Member from Opposition Benches spoke in very derogatory terms about our Hon'ble Finance Minister. It was not only derogatory to him, but also at the same time to the entire armed forces of the country. Mr. Speaker Sir, such remarks should be expunged completely.

Mr. Speaker: Madam, those remarks have already been expunged from the proceedings of the House.

Smt. Kiran Choudhary: Sir, they are the people who spent their entire life for the service of the country and they make supreme sacrifice of their lives. They stay away from their families for long years so that we can breathe safely knowing that they guard our borders. When such derogatory and sarcastic words are spoken about them in this august House, I am sorry to say Speaker Sir, do not uphold the great dignity and honour of the House and it should be strongly condemned. Speaker Sir, he also said that 'Ali Baba Chalis Chor'. It means we are all 'Chors'. What does he means by that? I am sorry to say Sir, these kinds of words should be expunged. And it should completely not only be expunged but it should also be condemned in a very strong way because such kind

[Smt. Kiran Choudhary]

of language does not uphold the dignity of the House. Sir, many remarks were made on our Hon'ble UPA President Smt. Sonia Gandhi ji. Sir, it is because of the policies of our UPA Chairperson Smt. Sonia Gandhi Ji and our Hon'ble Prime Minister that today our country has come out of this economic crisis that we were in. It is only because of the policies of the Dr. Manmohan Singh and Smt. Sonia Gandhi Ji that today the entire world has acknowledged that India is one country which really managed to keep afloat inspite of recession. It was only because of the immense strength of our economic policies that we have managed to come out of this global crisis and because of this immense strength today we are able to carry forward more than one crore population and it speaks in great deal for itself. It speaks of the great forward looking polices of Smt. Sonia Gandhi Ji whether it is Women's Bill, whether it is RTI, NREGA or others that the public has benefitted. It is she, who has armed us with so many instruments that today anyone can go and ask for anything from an officer and say, 'Yes' I want to know what is happening and every information has to be supplied to him.'

Mr. Speaker: Madam, please wind up otherwise I am going to call another Member.

Smt. Kiran Choudhary: Sir, I am winding up. In the end, I would like to say that our Hon'ble Member Mr. Arora made a comment and it was an inference to Ch. Bansi Lal Ji's regime. I would like to say with a very great respect that only a man of great commitment and courage can do such a big social work of banning liquor. It is unfortunate that because of vested interests and may be a lot of other people who are now in the opposition were also involved in it. That the whole system did not go the way he had envisaged. But only a person with a great courage and conviction can do away with social evils and that was sought to be done by him. Today, to speak in a derogatory terms of him, is really not required.

In the end, I would again thank our Hon'ble Chief Minister and our Hon'ble Finance Minister, that in spite of so many constraints, so many adverse conditions, in spite of inheriting something which was not his doing, inspite of the fact that the entire country was in a state of recession has still managed to make a Budget which is a growth-oriented, which is to be emphatic on infrastructure, which is something which will empower the people of State of Haryana and will take forward the State in the both development and empowerment. Thank you very much, Sir.

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं । अध्यक्ष महोदय, बजट चाहे किसी परिवार का हो या किसी सरकार का हो, उसको बनाने के लिए आय और व्यय का वैज्ञानिक व्यवस्थापक प्रबन्धन होता है जिसको बदलते हुए परिवेश और परिस्थितियों के अनुसार देखा और बनाया जाता है । एक अच्छा बजट माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में, हमारे काबिल वित्तमंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव जी ने हरियाणा के हितों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार के लिए पेश किया है । मैं इनको बधाई देता हूं कि इन्होंने ऐसी परिस्थितियों में इतने सुन्दर बजट का प्रस्तावन किया है । आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं बजट के ऊपर दो लाईन कहूं उससे पहले कुछ बातें जो पिछले तीन चार दिन से यहां पर हुई थीं, के बारे में अवश्य कहना चाहता हूं । महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के बाद से प्रतिपक्ष की प्रतिक्रियाएं और उनके ऊपर टिप्पणियों के बाद ऐसा महसूस होता है कि शायद हम अपने फर्ज से कहीं पीछे हट रहे हैं। (विघ्न) महामहिम ने सदन के पटल पर जो अभिभाषण रखा वह सरकार की मंशा, नीति और नियत का प्रतिबिम्ब था । अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष एक आईना है जो सत्ता पक्ष की सरकार को यह बताने का प्रयास करता है कि आपकी क्या गलती है और क्या सही है । उसकी स्थिति हाथी पर बैठे महावत के उस अंकुश की भांति है जो सत्ता के मद में अगर कहीं गलती होती है तो उस अंकुश से वह ठीक करता है । लेकिन मुझे अफसोस इस बात का है कि प्रतिपक्ष उस भूमिका को छोड़कर विरोध के लिए विरोध जताना चाहता है । हर उस बात का जो प्रदेश के हित में है, हर उस बात का जो जन कल्याण के हित में है उसका भी वह विरोध करना चाहता है । यहां पर चार दिन पहले मंहगाई के ऊपर एक काम रोको प्रस्ताव लाने का प्रयास किया गया और गरीबी के बारे में बड़ी बड़ी बातें भी की गयी । हमारे एक काबिल दोस्त जो दुर्भाग्य से इस समय सदन में नहीं बैठे हैं, उन्होंने मंहगाई के ऊपर बहुत लम्बी चौड़ी बातें की । मैं अपने उस दोस्त को कहना चाहता हूं कि मंहगाई से उनका कोई वास्ता नहीं है, आम आदमी की समस्याओं से उनका कोई वास्ता नहीं है वह सिर्फ राजनीतिकरण के लिए मंहगाई की बात कर रहे हैं वरना तो उनकी पार्टी भी जानती है कि वह किन लोगों के पोषक रहे हैं । मैं तो उनके बारे में इतना ही कहना चाहूंगा कि 'वाह तेरी हमदर्दी का जवाब नहीं, महरम वहां लगाया जहां जख्म नहीं।' ये ऐसी बातें करते हैं जिनका आम आदमी के जीवन से कोई संबंध नहीं है । अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक ऐसा इतिहास रचा है जिसको आने वाले समय में हमेशा याद रखा जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इतिहास साक्षी है, सदन साक्षी है कि 1972 के बाद पुन: कोई सत्ता में स्थापित हुआ है तो वह आदरणीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सोनिया जी के दिशा निर्देश के बाद आज की वर्तमान सरकार है वरना तो सरकारें आती रहीं और जाती रहीं । प्रदेश के मंत्री और मुख्यमंत्री बदलते रहे लेकिन चाहे सरकार हमारी रही हो या प्रतिपक्ष की, 1972 के बाद दोबारा सत्ता में आने का किसी को अवसर नहीं मिला । 1972 में भी एक विकट परिस्थिति थी क्योंकि उस समय एक युद्ध हुआ था । उस समय देश की महान नेता इंदिरा जी प्रधानमंत्री थीं जिन्होंने इस देश की नाक को बचाने के लिए पाकिस्तान को एक सबक सिखाया और बंगला देश नाम का एक देश बनाकर दुनिया का नक्शा पलट दिया । पाकिस्तान के 95 हजार सैनिकों को हमारे रणबांकुरों ने युद्ध के क्षेत्र में आत्म समर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया। उस समय पूरा देश देशभक्ति की भावना से प्रेरित था । यह बात हमारे दोस्त के नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी जो उस वक्त विपक्ष के नेता थे, उन्होंने भी कही थी कि वह इंदिरा नहीं बल्कि दुर्गा हैं । अध्यक्ष महोदय, एक समय वह था जब विपक्ष का नेता किसी और नेता द्वारा किए हुए एक अच्छे कार्य की सराहना करता था और एक आज का समय है कि अच्छी बात के अंदर भी बुराई देखने का प्रयास ये लोग करते हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय विपक्ष के साथियों को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने कहां से शुरूआत की। इस सरकार के विकास की कहानी को मैं कहां से शुरू करूं और कहां जाकर खत्म करूं क्योंकि इस सरकार की अनगिनत उपलब्धियां हैं। मैं सबसे पहले कहना चाहता हूं कि जब हमारे नेता के बारे में, जिसने हरियाणा की राजनीति को एक नयी परिभाषा दी है, ये कहते हैं तो मैं इनको बताना चाहता हूं कि आलोचना करना बहुत आसान है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें: ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है ।

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

राव दान सिंह : अध्यक्ष महोदय, आलोचना करना और प्रशंसा करना बहुत आसान है लेकिन उस पर विवेकपूर्ण आचरण करना बहुत मुश्किल बात है क्योंकि इसके लिए चिंतन और मनन की जरूरत पड़ती है । अध्यक्ष महोदय, कबीर जी ने कहा था कि 'निंदक नियरे राखिए ज्यों आंगन छांव कुटीर' ताकि वह आपको समय समय पर होने वाली गलतियों का अहसास कराता रहे । मुझे इस बात की खुशी है कि मुख्यमंत्री जी को, चाहे विपक्ष का व्यक्ति ही सुझाव देता हो, वे उसको सहर्ष मानने के लिए तैयार रहते हैं। वर्ष 2005 में बड़ी विषम परिस्थितियों के अंदर उन्होंने इस प्रदेश की बागडोर संभाली थी। उस समय जो हमारा बजट था वह मात्र 2200 करोड़ रुपये का था लेकिन पांच साल के अंदर हमारी सरकार ने उसको बढ़ाकर 11863 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है, इससे बड़ी उपलब्धि और क्या होगी, इससे ज्यादा विकास और तरक्की की उपलब्धि की प्रतिमूर्ति और क्या होगी ? सर, बहुत से ऐसे सैक्टर्ज हैं जो प्रायोरिटी पर हम देख सकते हैं । पहली प्रायोरिटी तो उन्होंने शिक्षा जगत के अंदर दी है वह बहुत 14.00 बजे वाजिब है। कहते हैं कि शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं। अगर आप शिक्षित हैं तो आप अपना रास्ता स्वयं चुन लेते हैं । डाक्टर को यह बताने की जरूरत नहीं होती कि वह अपनी आजीविका कैसे कमाए, ऐडवोकेट को यह बताने की जरूरत नहीं होती कि वह अपनी आजीविका कैसे कमाए, इंजीनियर को यह बताने की जरूरत नहीं होती कि वह बिल्डिंग कैसे बनाए और आर्किटैक्चर को यह नहीं बताना पड़ता कि उसने नक्शा कैसे बनाना है। आज शिक्षा के क्षेत्र में हमारे देश में और प्रदेश में ऐसी क्रान्ति आई है कि जिसका कोई सानी नहीं है। यही कारण है जिसकी वजह से हमारा प्रदेश नंबर वन प्रदेश के तौर पर जाना जाता है। मैं शिक्षा की कहानी की शुरुआत सबसे पहले अपने क्षेत्र से करना चाहता हूं पंजाब से लेकर हरियाणा बनने के बावजूद महेन्द्रगढ़ को पिछड़े क्षेत्र के रूप में जाना जाता था । बहुत से नेता आये, वायदे करते रहे लेकिन चुने जाने के बाद क्षेत्र के विकास की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया । जो भी नेता चुनकर आए वह सुनते रहे, सुनाते रहे लेकिन किसी ने भी इस क्षेत्र के उत्थान और विकास की बात नहीं की । सर्वप्रथम चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने सबसे पहले इस बात को चिन्हित किया कि इस क्षेत्र की तरक्की का यदि कोई विकल्प है तो वह शिक्षा है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जो कुछ महेन्द्रगढ़ को दिया है उसके लिए मैं सौभाग्य से कह सकता हूं कि पूरे हिंदुस्तान में 16 केन्द्रीय विश्वविद्यालय मिले, उनमें से एक हमारे हरियाणा प्रदेश के लिए मिला जिसे मुख्यमंत्री जी ने हमारे जिले को दिया। जो कुछ महेन्द्रगढ़ को दिया गया है उससे स्वर्णिम युग की शुरुआत हुई है। एक हमारे इलाके की सैनिक स्कूल खुलवाने की मांग थी। वह पी०वी० नरसिंहाराव जी के प्रधानमंत्रित्व काल से शुरु हुई थी और जॉर्ज फर्नांडीस जी ने भी हमारी उस मांग को दोहराया था। यह मांग पिछले 22-23 वर्षों से चली आ रही थी। मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने अपने गतिशील नेतृत्व में वह सैनिक स्कूल हमारे इलाके में लाकर एक बहुत ही बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारा क्षेत्र

रणबांकुरों का क्षेत्र रहा है। इतिहास उठाकर देखेंगे तो आप पाएंगे कि कोई ऐसा युद्ध नहीं मिलेगा जिसमें हमारे इलाके के लोगों के शहादत में नाम न हों। हमारे क्षेत्र के लिए डिफैंस यूनिवर्सिटी की जरूरत थी। हिंदुस्तान में केवल एक डिफैंस यूनिवर्सिटी बनी और वह भी प्रदेश में हमारे क्षेत्र को मिली। वह बिनोला गांव में दी गई है जिससे हमारे क्षेत्र के लोगों का बहुत मान सम्मान बढ़ा है। जहां तक स्वास्थ्य की बात आती है, मेवात एरिया को और हमारे एरिया को इस मामले में बहुत ही पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था । शिक्षा और स्वास्थ्य इन दोनों क्षेत्रों में हमारा इलाका पिछड़ा हुआ था। अब मेवात क्षेत्र को मेडीकल कालेज देकर लोगों की सेहत को सुधारने का प्रयास किया गया है । यह कहावत है कि पहला सुख निरोगी काया, बाकी सारे सुख एक तरफ । जब आदमी बीमार होता है तो आदमी मन से कहता है कि हे भगवान चाहे सब कुछ ले लो मेरी पीड़ा हर लो, मुझे अच्छा स्वास्थ्य दे दो। अब उस आदमी की सेहत का प्रबन्ध करने की व्यवस्था की गई है और उसके तहत दिल्ली के आल इंडिया मेडीकल साइंस की तर्ज पर आल इंडिया -2 बनाया जा रहा है जो कि दिल्ली से झज्जर रोड की तरफ गुड़गांव के बादशा गांव में दिया गया है। इस प्रकार अब यह सुविधा हरियाणा प्रदेश में भी उपलब्ध है । वैसे तो हम चाहते हैं कि भगवान किसी को बीमार न करे लेकिन हारी बीमारी तो लगी ही रहती है ऐसी सूरत में किसी को दिल्ली की तरफ न भागना पड़ेगा और नेक्स्ट डोर पर ही यह सेवाएं मिलेंगी। इसी तरह से महिला सशक्तिकरण की बात यहां पर कही गई । सबसे बड़ा महिला हितैषी यदि कोई है तो वे चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा जी हैं । मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा जी ने महिलाओं को सम्मान देते हुए भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय बनाया गया और प्रदेश को विकसित करने के लिए जब टैक्नीकल एजुकेशन को बढावा देनें की बात आई तो मुरथल में टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बनाई गई। हिसार के अंदर जो यूनिवर्सिटी थी उसका दर्जा बढ़ाया गया और आई०आई०एम० जैसे बड़े प्रबन्धन संस्थान को रोहतक में भी लेकर आए । हमारे यहां जो सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी बन रही है उसके लिए भी एक शुरुआत की गयी है। इन सारी बातों के साथ माननीय मुख्यमंत्री जी ने विकास के जितने भी कार्य किए हैं उनका पांच साल बाद जब परिणाम आएगा तब हम इन विपक्ष के लोगों के मुंह से कहलवाएंगे कि इस सरकार ने वाकई में बहुत अच्छा काम किया है । अध्यक्ष महोदय, तीसरा सबसे महत्वपूर्ण सैक्टर पॉवर सैक्टर है । विपक्ष के भी सभी लोग मानते हैं कि हमारी सरकार ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। किसने क्या किया इस बारे में बोलते हुए पूर्व वक्ताओं ने बहुत कुछ कहा है । बिजली के क्षेत्र में माननीय विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी भी जिक्र कर रहे थे लेकिन यदि उनके भी मन से पूछा जाए तो वे इस बात को स्वीकार करेंगे कि सरकार ने इस बारे में कुछ किया है। उन्होंने और उनके साथियों ने बहुत सारी टिप्पणियां इस सदन में की कि इस सरकार ने ये गल्तियां की। एच०एस०आई०आई०डी०सी० को जमीन दी है,हुडा को जमीन दी हैं लेकिन हुडा ने जमीनों को काटकर सैक्टरों में तबदील करके नहीं दिया । मैं तो इस बारे में केवल इतना ही निवेदन करना चाहूंगा कि किसी की तरफ उंगली उठाने से तीन उंगलियां अपनी तरफ भी इशारा करती हैं। इस बात का जायजा यदि वे ले लें तो इन बातों को सदन में वे दोबारा नहीं उठायेंगे। अब मैं वाटर सप्लाई और सैनीटेशन की बात करना चाहता हूं। आजादी के इतने वर्षों बाद भी इस प्रदेश के अन्दर अगर पीने के पानी की समस्या हो तो मैं समझता हूं कि हमारी आजादी व्यर्थ है। पानी की समस्या का समाधान करने का इस सरकार ने सबसे पहले प्रबन्ध किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी का इस बात के लिए आभार व्यक्त करता हूँ कि इन्होंने गरीब आदमी को 200 लीटर की टंकी और टूटी इन्दिरा पेय जल योजना के माध्यम से दी और उनको अच्छा पीने का पानी दिया गया । एक बहुत ही बेहतरीन स्कीम इकोनोमिक स्टीमुलैस प्रोजैक्ट के नाम से दी गई जिसमें पन्द्रह शहरों के

[राव दान सिंह]

सीवरेज और पीने के पानी की व्यवस्था को सुधारने का काम किया जायेगा। सौभाग्य से इस स्कीम में महेन्द्रगढ़ जिला जो पिछड़ा हुआ था उसके दोनों कस्बे महेन्द्रगढ़ और नारनौल को भी शामिल किया गया है । इस प्रोजैक्ट के तहत करोड़ों रूपये लगाकर लोगों को पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। उससे मैं कह सकता हूं कि आम आदमी के जन कल्याण के लिए इस सरकार ने बहुत प्रयास किए हैं । इससे पूर्व इस तरह के प्रयास किसी भी सरकार ने नहीं किए इसलिए मुख्यमंत्री जी के बारे में तो मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि he is a Gem of a person जिसने हरियाणा की राजनीति की परिभाषा ही बदल दी है । कहते हैं Fragrance of a flower goes with the winds and goodness of a person spreads all over. ये वह आदमी है जिस ने ऐसी ही सुगन्ध हरियाणा की राजनीति को दी है। मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि जो विकास के कार्य ये कर रहे हैं आज कोई उन्हें कितना ही रोकने का प्रयास करे वह रोक नहीं पायेगा । किसी शायर ने कहा है कि राह चलें या राह से हट जाएं, दीवारों से कहां रूकते हैं दरिया के रास्ते और वह दरिया विकास का चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में हरियाणा के अन्दर चल रहा है । मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह का बजट उन्होंने दिया है, वह बजट बहुत काबिले तारीफ है। आज 3942 करोड़ रूपये के घाटे के साथ यह बजट पेश किया गया है । अगर छठे वेतन आयोग की पे, पैंशन और उनके पीछे के एरियर्स देने की बात नहीं होती तो 78 करोड़ रूपये का सरप्लस बजट पेश किया जाता । इससे सुन्दर बजट दूसरा कोई हो नहीं सकता। मुझे पूरा विश्वास है कि सदन के पक्ष और विपक्ष के सभी लोग इस बजट को अपने एक मुश्त समर्थन के साथ पास करवायेंगे । अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ आपने मुझे बजट पर बोलने का जो समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द !

श्री राजपाल भूखरी (सढ़ौरा एस.सी.): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं । आदरणीय स्पीकर महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने जिले की एक बात करना चाहता हूं । यमुनानगर जिले में गन्ने का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है और पापुलर की खेती भी ज्यादा होती है । वहां के लोगों की आमदनी इस पर ज्यादा डिपैंड करती है । आदरणीय अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के शासनकाल से पिछले शासनकाल में हमारे गन्ने की खेती में, पापुलर की खेती में जो दिक्कतें आई उसका वर्णन मैं यहां सदन में करना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, हमारे जो लोग गन्ने की खेती करते थे उनको पिछले शासनकाल में अपनी पेमेंट लेने के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती थी । उनको समय पर पैसे का भुगतान नहीं होता था । लेकिन आदरणीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार ने आते ही ऐसा काम किया कि जमींदार जो अपने गन्ने का उत्पादन करते हैं उनको समय पर उनकी कीमतें दी गई । पिछले शासन काल के समय का जो दो साल का किसानों का बकाया पैसा पड़ा था उसका तुरन्त भुगतान किया गया । मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार के शासन में और चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सोच में क्या अन्तर है ? इस सरकार के आने के बाद हमारे जमींदारों को बहुत फायदा हुआ है क्योंकि उनको समय पर उनकी पैदावार की पेमैंट दी गई हैं । आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात करना चाहता हूं कि चौटाला साहब की सरकार के समय में पापुलर का रेट 150/- रूपये प्रति क्विंटल था । आदरणीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी इस सदन के हमारे सम्मानित और बहुत तजुर्बेकार सदस्य हैं और वे हमारे जिले से बहुत लगाव रखते हैं । आदरणीय मेरे बड़े भाई अजय जी भी हमारे यमुनानगर में

बहुत जाया करते थे । सर, उस समय हमारा किसान जो पापुलर की खेती करता था उसको उस समय 150 रूपये प्रति क्विंटल का भाव मिलता था लेकिन आज हमारी सरकार पापुलर का 900 और 950 रूपये प्रति क्विंटल का भाव दे रही है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष को यह बताना चाहता हूं कि आज 150 रूपये क्विंटल तो हमारे पत्ते बिकते हैं । आज ये लोग चीनी की बात करते हैं, मंहगाई की बात करते हैं। हमारे क्षेत्र में जो सरस्वती शूगर मिल है वह विश्व की सबसे बड़ी शूगर मिल है । वहां पर जो गन्ने से चीनी का उत्पादन होता था वह हमारे प्रदेश में ही नहीं बल्कि बाहर भी सप्लाई किया जाता था। (विघ्न) आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारे लोगों को जब गन्ने की पेमैंट समय पर नहीं मिलती थी तो उन्होंने अपने गन्ने की खेती को उजाड़ दिया जिसके कारण हमारे यहां पर गन्ने का उत्पादन कम हो गया। आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी वहां जाकर कहते थे कि फूलों की खेती करो। अब दोबारा बदलाव आया है अब चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने हमारे किसानों को सबसिडी दी है जिसके बाद किसानों ने गन्ने की पैदावार को बढ़ाया है। किसान को आज गन्ने का रेट 210 रूपये प्रति क्विंटल तक मिला है। हमारे जिले से उपाध्यक्ष महोदय जी चुनकर आए हैं, सैनी जी भी चुनकर आए हैं, दिलबाग सिंह भी चुनकर आए हैं। (विघ्न) यह ओम प्रकाश चौटाला जी का हमारे से प्यार रहा था कि हमें गन्ने का रेट इतना कम दिया गया । अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई की बात करना चाहता हूं । हमारी सरकार ने दादूपुर से नलवी नहर जो बनाई है उससे हमारे इलाके के लोगों को फायदा होगा । इसके लिए मैं आदरणीय कैप्टन अजय सिंह यादव जी का और मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, हमारा वाटर लैवल आज गिरता जा रहा है । इस नहर के आ जाने से हमारे वाटर लैवल को मेन्टेन करने में हमें फायदा मिलेगा । अध्यक्ष महोदय, हमारे जिले में बहुत सी दिक्कते भी हैं जिनके बारे में मैं जरूर चर्चा करना चाहूंगा । अध्यक्ष महोदय, मैं अपने इलाके की एक बात माननीय मुख्यमंत्री महोदय को और माननीय मंत्री महोदय को कहना चाहता हूं कि हमारी जो मारकंडा नदी है जो हिमाचल से आकर यमुना नगर के क्षेत्र से, कुरूक्षेत्र के क्षेत्र से होते हुए आगे जाती है उसमें हिमाचल प्रदेश में लगी फैक्ट्रियां का कैमीकल वाला गंदा पानी आता है जिसके कारण उस एरिया का जमीन का पानी पोल्यूटिड हो गया है। हमारे इलाके में जब ढाणियों में पानी की कमी होती थी तो लोग नल्के वगैरह लगाकर पीने का पानी निकाल लेते थे । अध्यक्ष महोदय, अब वाटर लैवल काफी नीचे चला गया है। हिमाचल की फैक्ट्रियों का लाभ तो वहां के लोगों को मिल रहा है लेकिन इसकी वजह से हमें पीने के पानी की दिक्कत आ रही है इसलिए मैं सरकार से रिक्वैस्ट करना चाहूंगा कि इस गंदे पानी को उस नदी में आने से बन्द करवाया जाए । पहले गर्मियों में जब लोग मारकंडा नदी के पास खेतों में कोई काम करते थे तो खड्डा खोदकर पीने के लिए पानी निकाल लेते थे लेकिन आज वह पानी पोल्यूटिड हो गया है। आदरणीय कैप्टन साहब ने जो बजट दिया है उसमें गरीबों को काफी सुविधाएं दी गई हैं उसके बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं। इंदिरा आवास योजना के तहत हमारी सरकार ने 15604 नए मकान बनाए हैं और 1309 मकान अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। इस सदन के माध्यम से मैं अपनी सरकार के मुखिया और कैप्टन साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन गरीबों को भी रहने के लिए मकान दिए गए हैं जो गरीबी का जीवन जीते हैं । आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने जिनके पास रहने के लिए जगह नहीं थी उन गरीब परिवारों को 100-100 गज के प्लाट भी दिए हैं उसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं और इससे संबंधित एक बात कहना चाहता हूं कि आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी मेरे हल्के के गांव नगला राजपुताना में दो अढ़ाई साल पहले गये थे । उनको मैं भी पसंद करता हूं, जब वे बोलते हैं, बहुत अच्छा बोलते हैं। जब वे मेरे वहां आये थे उस समय मैं भी उनको सुनने के लिए चला गया। वहां पर जमीदार

[श्री राजपाल भूखरी]

वर्ग के बहुत से लोग इकट्ठे हुए थे । उस समय इन्होंने कहा कि जो आपको ये प्लाट दिए जा रहे हैं यह तो तुम्हारी जमीन ही है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इतिहास की बात बता रहा हूं और सच बात बता रहा हूं । मैं झूठ नहीं बोलूंगा, सदन में भी लिखा हुआ है कि झूठ नहीं बोलना चाहिए । 32 साल बाद आज सढ़ौरा से कांग्रेस पार्टी की आवाज आई है जबकि 32 साल से इनकी आवाज आ रही थी । सढ़ौरा से जो भी सदस्य आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी से चुनकर आता था उसने कभी भी सदन में वहां की समस्याएं नहीं उठाई। भाई अजय सिंह चौटाला जी मेरे साथी हैं मैं उनसे कहना चाहूंगा कि इन्होंने जिस भाई को जिसके पास स्कूटर था उसे विधायक बनाकर भेजा था वह आज 150-150 एकड़ जमीन का मालिक बन चुका है। मैं भाई अजय सिंह चौटाला जी से प्रार्थना करता हूं, सरकार से नहीं करना चाहता, कि इस बारे में इन्क्वायरी करवा लें, उसकी प्रोपर्टी का ब्यौरा ले लें और पता करें कि उसके पास इतनी प्रोप्रर्टी कहां से आई है।

श्री अध्यक्ष : राजपाल जी, प्लीज आप बजट पर बोलें । आप किसी की प्रोपर्टी न गिनें ।

श्री राजपाल भूखरी : अध्यक्ष महोदय, मैं तो सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि सढ़ौरा से जो सदस्य चुनकर आते थे उन्होंने कभी भी हल्के की समस्याओं को यहाँ पर नहीं उठाया । वे केवल प्रोपर्टी डीलिंग का काम करते रहे । उन्हें प्रोपर्टी डीलिंग नहीं करनी चाहिए थी बल्कि जनता की आवाज यहां उठानी चाहिए थी ।

श्री अध्यक्ष : राजपाल जी, प्लीज आप बजट पर बोलो ।

श्री राजपाल भूखरी : अध्यक्ष महोदय, मैं बजट पर ही आ रहा हूं । मैं कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे क्षेत्र में एस.डी.एम. कोर्ट दिया है और भी दूसरे विकास कार्य करवाये हैं इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं । इससे पहले हमारे हल्के के लिए दिक्कत यह रही है कि वहां से जो नुमाईदे चुनकर आते थे उन्होंने यहां पर जनता की आवाज नहीं उठाई। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए भी कहा था कि मेरा हल्का घाड़ का क्षेत्र है इसलिए वहां के लिए एक कमेटी गठित की जाये जो वहां जाकर वहां के लोगों की जीवन दशा को देखे कि वहां पर किस प्रकार से झोंपड़ियों में लोग रहते हैं । गर्मी के दिनों में तो कई बार झोंपड़ी जल भी जाती हैं। मेरी सरकार से गुजारिश है कि मेरे एरिया के लिए स्पेशल पैकेज दिया जाये और वहां के निवासियों का जीवन स्तर सुधारा जाये । अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं बजट पर एक बात कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने अनुसूचित निर्मल बस्ती योजना के तहत 117.85 करोड़ रुपये खर्च किये हैं जिससे गरीब लोगों के जीवन में सुधार होगा और वे अपना जीवन अच्छे ढंग से जी सकेंगे । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से एक रिकवैस्ट माननीय मुख्यमंत्री जी से और यह करना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र में कोई भी सरकारी कालेज नहीं है, कोई भी सरकारी टेक्नीकल एजूकेशन कालेज नहीं है इसलिए मेरी प्रार्थना है कि हमारे इलाके में कम से कम एक सरकारी कालेज और एक सरकारी टेक्नीकल एजुकेशन कालेज खोला जाये ।

श्री बिशन लाल सैनी : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । स्पीकर सर, मैं भी माननीय सदस्य की इस बात का समर्थन करता हूं ।

श्री राजपाल भूखरी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के विकास के लिए विशेष योजनायें दी जायें । स्पीकर सर, मैं यह मानता हूं कि जब से चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार हरियाणा में बनी है तो उसके बाद से हमारे इलाके का विकास हुआ है। प्रत्येक गांव में विकास के कार्यों के लिए 10 से 25 लाख रूपये तक दिये गये हैं। स्पीकर सर, मेरा क्षेत्र पिछले 30-40 वर्षों से पिछड़ा हुआ है इसलिए मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि मेरे क्षेत्र को विशेष अनुदान दिया जाये । स्पीकर सर, 32 साल के बाद मेरे हल्के में कांग्रेस पार्टी की सीट आई है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि 32 वर्ष के 50 लाख रूपये प्रति वर्ष के हिसाब से मुझे कम से कम 16 करोड़ रूपये का अनुदान दिया जाये ताकि मैं भी अपने 32 वर्षों से पिछड़े इलाके को पूरे हरियाणा प्रदेश के बराबर में ला सकूं । स्पीकर सर, अब मैं हरसौला और दुलीना कांड के बारे में बात करना चाहता हूं। स्पीकर सर, हमारे विपक्ष के साथी बड़े जोर-शोर के साथ लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं । मैं कहना चाहता हूं कि जब इनेलो की सरकार का 6 साल शासन काल रहा उसमें गरीब लोगों की औरतों को घरों से उठा लिया जाता था और गरीब लोगों की बड़ी बेइज्जती की जाती थी। स्पीकर सर, इनेलो के शासन काल में हुए हरसौला और दुलीना कांड ऐसे काण्ड थे जो उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक बर्बरता के जीते-जागते सबूत थे। उसमें 5 जिन्दा लोगों पर गऊ हत्या का आरोप लगाकर पुलिस और भीड़ द्वारा लाठियों व डंडों से पीटकर जान से मार दिया गया था। मैं इनेलो के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके शासन काल में गरीब लोगों को जीने का हक नहीं होता था ? स्पीकर सर, कांग्रेस पार्टी के शासन काल में सबसे पहली सौगात तो गरीब लोगों को यह मिली है कि वे अब शांति का जीवन जी रहे हैं। इसलिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने हरियाणा प्रदेश के गरीबों को शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण जीवन प्रदान किया है। स्पीकर सर, एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि हमारे गरीब भाईयों को इनेलो के शासन काल में रविदास जयंती नहीं मनाने दी जाती थी। रविदास जयंती को हमारे गरीब भाई संत शिरामणि गुरू रविदास के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाते हैं। स्पीकर सर, आप भी जानते होंगे कि सिख धर्म के मुख्य धर्म ग्रन्थों में भी गुरू रविदास की वाणी का उल्लेख मिलता है । स्पीकर सर, जब विपक्ष के भाईयों की सरकार थी उस समय जब हमारे गरीब भाई गुरू रविदास की जयंती मनाते थे तो उनके ऊपर लाठियों और जेलियों से प्रहार किये जाते थे और उन्हें रविदास जयंती नहीं मनाने दी जाती थी। स्पीकर सर, जब से हमारी कांग्रेस सरकार हरियाणा प्रदेश में सत्ता में आई है तो मैंने माननीय केन्द्रीय मंत्री कुमारी सैलजा के साथ करनाल, जींद और सफीदों इत्यादि कई जगहों पर गुरू रविदास जयंती के समय दौरा किया तो हमने देखा कि वहां पर लोग बड़े धूमधाम से और शांतिपूर्ण वातावरण में गुरू रविदास जी की जयंती मना रहे हैं। स्पीकर सर, मुझे यह देखकर बड़ी खुशी हुई । स्पीकर सर, उस समय लोगों का उत्साह देखने लायक था जबकि पिछली सरकारों के समय में यह होता था कि जब लोग हिम्मत करके रविदास जयंती मनाने का उत्साह दिखाते भी थे तो सत्तापक्ष के लोगों द्वारा उन्हें लाठियां, डंडों, जेलियों और बंदूकें लेकर घेर लिया जाता था और उनको रविदास जयंती नहीं मनाने दी जाती थी। स्पीकर सर, मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं । स्पीकर सर, चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो उसका सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति पूरी तरह से मेनटेन रहे जिससे गरीब आदमी शांतिपूर्ण वातावरण में रहकर अपनी रोजी रोटी का जुगाड़ कर सके और अपने घर में बैठकर इज्जत और आराम से खा सके। स्पीकर सर,

[श्री राजपाल भूखरी]

हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह करके दिखाया है। स्पीकर सर, विपक्ष के साथियों की सरकार के बारे में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि "फरमानों से पेड़ों पर फूल लगा नहीं करते और तलवारों से मौसम कभी बदला नहीं करते।" पिछली सरकारों ने तलवारों से मौसम बदलने के जो काम किये गये थे वे बिल्कुल गलत हैं । अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में एक लाख 63 हजार वोट हैं और उन लोगों ने मुझे अपनी बात यहाँ रखने का मौका दिया है । मैं यहाँ पर अपनी तरफ से एक बात कहना चाहता हूँ कि मैं उन एक लाख 63 हजार लोगों के साथ एक समान व्यवहार करूँगा । किसी आदमी ने जिसने किसी दूसरी पार्टी में काम किया है तो अगर मैं उस आदमी के भाई का या पत्नी का तबादला कहीं सिरसा या कहीं हिसार में करवाऊं तो यह गलत होगा । मैं ऐसा काम बिल्कुल भी नहीं करूँगा । सर, पिछली सरकार में मेरे साथ इतना अन्याय हुआ मैं उसको आपके सामने बयान करना चाहता हूँ । मेरे दो भाई नौकरी करते थे मेरे दोनों भाईयों को एक को सिरसा और दूसरे को भिवानी ट्रांस्फर कर दिया गया था । अध्यक्ष महोदय, मैं भुक्तभोगी हूँ लेकिन मैं आपको इस बात का विश्वास दिलाता हूँ कि मैं सबके साथ एक समान व्यवहार करूँगा । अगर जनता किसी नुमाइंदे को चुन कर भेजती है तो उसको किसी के साथ इस प्रकार का व्यवहार नहीं करना चाहिए । अपनी अन्तरात्मा की आवाज के अनुसार ही आदमी को चलना चाहिए । किसी आदमी की अन्तरात्मा की आवाज कभी भी गलत काम करने की गुहाई नहीं देती लेकिन जब आदमी उस अन्तरात्मा की आवाज को नहीं पहचानता है तो वह आदमी गलत रास्ते पर चलता है, वह गलत रास्ता अपना लेता है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपने क्षेत्र की आवाज इसी प्रकार से उठाता रहूँगा। मुझे इस बात पर गर्व है कि पिछली सरकारों में जो मेरे साथ हुआ उस प्रकार के काम हमारे मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा व हमारी सांसद कुमारी शैलजा कभी नहीं करते । वे पार्टी बेसिज पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करते । अध्यक्ष महोदय, मेरे ऊपर धारा 323, 324 व 325 के तहत पता नहीं कितने झूठे मुकदमे दर्ज किये गये थे लेकिन आज मैं कोर्ट से बरी होकर एक स्वच्छ छवि के साथ आपके सामने खड़ा हूँ । अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारी सरकार गरीब आदमियों के ऊपर झूठे मुकदमें दर्ज नहीं करती । मैं एक गरीब आदमी था इसलिए मेरे खिलाफ भी झूठे मुकदमें तैयार किये जाते थे । स्पीकर सर, इस सदन में मेरे सम्मानित और मेरे से बड़े-बड़े सदस्य बैठे हुए हैं लेकिन मैं तो एक ही बात कहना चाहता हूँ कि अगर परमात्मा किसी को इस सदन में पहुंचने का मौका देता है तो उसको यहाँ पर झूठ नहीं बोलना चाहिए और उसको कोई गलत काम नहीं करना चाहिए । मैं किसी पर कटाक्ष नहीं करना चाहता न ही मेरी कोई ऐसी आदत है । मैं तो एक छोटे से परिवार से संबंध रखता हूँ और कांग्रेस पार्टी ने मुझे यहाँ पर आने का मौका दिया ताकि मैं अपनी बात यहाँ पर रख सकूँ, उसके लिए मैं कांग्रेस पार्टी का आभार प्रकट करता हूँ । अध्यक्ष महोदय, मेरी इस बात पर जरूर ध्यान दिया जाये कि मेरे हल्के का 16 करोड़ रूपया जरूर दिया जाये । इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से भी प्रार्थना करता हूँ कि मेरे हल्के के लिए उचित राशि आबंटित की जाये । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर अपनी बात कहने का मौका दिया उसके लिए आपका धन्यवाद ।

श्री श्रीकृष्ण हुड्डा (बड़ौदा) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट भाषण पर अपने विचार प्रकट करने के लिए जो समय दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में माननीय वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने जो संतुलित बजट पेश किया है उसके लिए मैं इनको बधाई देता हूँ । इन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एक तालमेल का बजट पेश किया है । भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में पिछले 5 साल में इस प्रदेश में विकास के जितने काम हुए हैं उतने

पिछले 40 साल में भी नहीं हुए । इस बार भी मंदी के बावजूद एक बेहतरीन बजट पेश किया गया है जिससे प्रदेश का बराबर विकास होता रहेगा । यह बजट निवेश को बढ़ावा देने वाला है । कृषि के क्षेत्र में भाई भूपेन्द्र जी की सरकार ने सराहनीय कार्य किये हैं । कृषि को बढ़ावा देने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने गन्ने के रेट, गेहूँ के रेट और जीरी के रेट भी बढ़ाये हैं तथा कृषि के लिए लगभग 1000 करोड़ रूपये का बजट में प्रावधान किया है । कृषि क्षेत्र के लिए सिंचाई की पूरी व्यवस्था की है इस कार्य के लिए मुख्य मंत्री जी बधाई के पात्र हैं । इसके अलावा खराब मौसम होने पर भी कृषि बीमा योजना एक सराहनीय कदम है । इस सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए लगभग 960 करोड़ रूपये देकर विकास कार्यों को बढ़ावा दिया है । शहरी विकास के लिए भी राजीव गाँधी शहरी विकास मिशन लागू करके शहरों के लिए विकास के नये रास्ते खोले हैं । राजीव गाँधी आवास योजना के तहत शहरों में स्वच्छ पेयजल और सीवरेज की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है जो एक अच्छा कदम है ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : ऑनरेब्ल मैम्बर्ज, अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय पांच मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : ऑनरेब्ल मैम्बर्ज, सदन का समय पांच मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है ।

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री श्री कृष्ण हुड्डा : मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश के अन्दर बिजली के विकास के लिए 5 थर्मल प्लांट लगाए गए हैं । 2012-13 तक हरियाणा प्रदेश बिजली के मामले में काफी तरक्की कर जाएगा और बिजली के लिए हरियाणा को किसी पर भी निर्भर नहीं रहना पड़ेगा । उस समय हरियाणा में बिजली 20 से 22 घंटे तक मिलेगी । यह भी भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के प्रयासों से होगा। इन्होंने हरियाणा में पांच बड़े बिजली के प्लांट लगाए हैं । हरियाणा प्रदेश देश की राजधानी दिल्ली के साथ लगता है और मैट्रो के साथ हरियाणा को भी जोड़ने का प्रयास किया गया है, इससे हरियाणा प्रदेश को काफी लाभ होगा और यह भी मुख्यमंत्री जी का बहुत ही सराहनीय कदम है। सड़कों के लिए जो 1900 करोड़ रुपए दिए हैं उससे अच्छी सड़कें बनेंगी और प्रदेश में निवेश भी बढ़ेगा । आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा में पानी का समान बंटवारा किया है और यमुनानगर में हांसी बुटाना लिंक नहर बनाई है। इसके चालू होने के बाद हमारी टेल तक पानी जाएगा और दक्षिणी हरियाणा की सूखी जमीन को पानी मिलेगा जिससे हरियाणा में कृषि का और विकास होगा । स्वास्थ्य के लिए मुख्यमंत्री जी ने 1100 करोड़ रूपए से भी ज्यादा का बजट दिया है। इसके इलावा करनाल में कल्पना चावला नाम से मैडिकल कालेज खोला जाएगा । खानपुर में मैडिकल कालेज बन रहा है । इसके अलावा पी.जी.आई. रोहतक में प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान के स्तर पर उन्नयन किया जाएगा । (विघ्न) स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पिछले पांच साल में जो काम हुए हैं उसी दिशा में चलते हुए अच्छा काम अब भी यह सरकार कर रही है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी और वित्तमंत्री जी को बधाई देता हूं । स्पीकर सर, मेरा बड़ौदा हल्का है । वहां के लोगों ने जब से हरियाणा बना है तब से 35 साल के काले दिनों को साफ करते हुए पहली बार वहां से कांग्रेस के उम्मीदवार को

जीता कर विधान सभा में भेजा है । इस हल्के की कुछ मांगे हैं जो कि मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। स्पीकर सर, जो लाखन माजरा लिंक ड्रेन है उसके किनारे पक्के करवाए जाएं और वहां पर स्थाई पम्प हाऊस लगाया जाए । बुटाना ब्रांच पर हैड रैगुलेटर बनाया जाए । हमारे यहाँ जागसी फील्ड ड्रेन और बिचपड़ी सब-लिंक ड्रेन बनाई जाए ताकि हमारे यहां से बरसाती पानी की निकासी हो सके । अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं स्कूलों को अपग्रेड करने की बात भी कहना चाहूंगा । बड़ौदा हल्के के गांव धनाना में राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करवाया जाए । गांव बिचपड़ी कन्या हाई स्कूल को अपग्रेड करके 12वीं तक करवाया जाए । गांव महमूदपर राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड किया जाए । गांव बुसाना हाई स्कूल को अपग्रेड करके 12वीं तक का करवाया जाए । गांव कोहला हाई स्कूल को अपग्रेड करके 12वीं तक का करवाया जाए। गांव सातण्ड में हाई स्कूल को अपग्रेड किया जाए । गांव राणा खेड़ी मिडल स्कूल को अपग्रेड करके 10वीं तक का करवाया जाए और गांव कटवाल राजकीय उच्च विद्यालय को अपग्रेड किया जाए । अध्यक्ष महोदय, बड़ौदा हल्के की 12 फुट वाली सड़कों को 18 फुट चौड़ा किया जाए । एक सड़क जो गाहरा से सिकन्दरपुर माजरा-जाती है उसे भी 18 फुट करवाया जाए और गुरूकुल संस्था तक आने जाने के लिए कटवाल से आंवली तक की सड़क को 18 फुट करवाया जाए । रिढ़ाना से घढवाल, कोहला से बनवासा, बिचपड़ी से अहमदपूर माजरा, गंगाना से भम्भेवा, बुसाना से भादौरी खास, शामड़ी से कैलाना और चिड़ाना से शामड़ी (बूरान) होते हुए बजाना से गन्नौर तक सड़क बनाई जाए । स्पीकर सर, बड़ौदा हल्के के एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ने वाले सभी रास्तों पर पक्की सड़कें बनाई जाए । इसके साथ ही बड़ौदा हल्के की हर ग्राम पंचायतों में सीमेंट की गलियां बनवाने के लिए ग्राम पंचायतों को पैसा दिया जाए । बड़ौदा हल्के की टूटी हुई सड़कों की मरम्मत का कार्य जल्दी से जल्दी करवाया जाए ताकि वहां के लोगों को इसका फायदा हो सके । स्पीकर सर, जो 35 साल से यह बड़ौदा हल्का पिछड़ा हुआ था और आज 35 साल बाद भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में वहां से कांग्रेस के उम्मीदवार को वहां के लोगों ने चुनकर भेजा है । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के की मांगों को पूरा किया जाए । धन्यवाद।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the House stands adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 15th March, 2010.

*14.35 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 15th March, 2010.)

47247—H.V.S.—H.G.P., Chd.